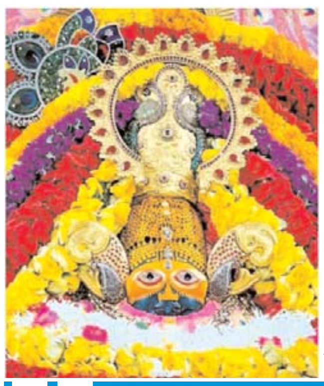

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:247। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com

!! अहमदाबाद , (बुधवार)29 अप्रैल 2026 !!

सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-

एनएचआरसी का दिल्ली समेत 22 राज्यों के मुख्य सचिवों को नोटिस

• संवेदनशील वर्गों की सुरक्षा के निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में बढ़ते तापमान और लू के प्रकोप को देखते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली समेत 22 राज्यों के मुख्य सचिवों को नोटिस जारी कर रिपोर्ट तलब की है। एनएचआरसी के अनुसार लू की बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता का सबसे बुरा प्रभाव आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, प्रवासी श्रमिकों और बेघर लोगों पर पड़ता है। इसलिए आयोग ने संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि वे लू के खतरों से आम लोगों, विशेषकर कमजोर वर्गों के जीवन की रक्षा के लिए तत्काल और अग्रिम कार्रवाई सुनिश्चित करें। इनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़, असम, सिक्किम, त्रिपुरा और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं।

National Human Rights Commission (NHRC)

• आयोग ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के डेटा का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2019 से 2023 के बीच भारत में लू लगने के कारण 3,712 लोगों की जान जा चुकी है।

• इन आंकड़ों को गंभीरता से लेते हुए आयोग ने सरकारों से पूछा है कि इस वर्ष हताहतों की संख्या को न्यूनतम करने के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए हैं।

'पूर्व का स्वर्ग' देखना है तो सिक्किम जरूर पहुंचें पर्यटक :मोदी

• सिक्किम और पूरा पूर्वोत्तर केवल देश का हिस्सा नहीं, बल्कि 'भारत की अष्टलक्ष्मी' है : प्रधानमंत्री

एजेंसी

गंगटोक । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सिक्किम के राज्यत्व के 50वें वर्ष के समापन समारोह में हिस्सा लेते हुए नॉर्थ ईस्ट और सिक्किम को लेकर कई अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा कि सिक्किम और पूरा पूर्वोत्तर केवल देश का हिस्सा नहीं, बल्कि 'भारत की अष्टलक्ष्मी' है, जो देश की समृद्धि और शक्ति का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'नॉर्थ ईस्ट हिंदुस्तान की अष्टलक्ष्मी है। इसलिए हम 'एक्ट ईस्ट' नीति पर काम कर रहे हैं और साथ ही 'एक्ट फास्ट' का संकल्प भी लिया है।' उन्होंने बताया कि सरकार का खास फोकस सिक्किम की कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर है। पिछले कुछ वर्षों में यहां सैकड़ों किलोमीटर हाईवे बनाए गए हैं और गांव-गांव तक सड़क पहुंचाने का काम तेजी से चल रहा है। पीएम मोदी ने सिक्किम की सबसे बड़ी ताकत उसकी टूरिज्म इकोनॉमी को बताया।

उन्होंने कहा कि भले ही सिक्किम का क्षेत्रफल देश के कुल क्षेत्रफल का 1 प्रतिशत से भी कम है, लेकिन यहां देश की 25 प्रतिशत से ज्यादा फ्लोरल डाइवर्सिटी पाई जाती है। खासतौर पर ऑर्किड्स का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अगर आपने सिक्किम के ऑर्किड नहीं देखे, तो आपने असली सुंदरता का अनुभव नहीं किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिक्किम के लिए संभावनाओं का एक और क्षेत्र स्काई

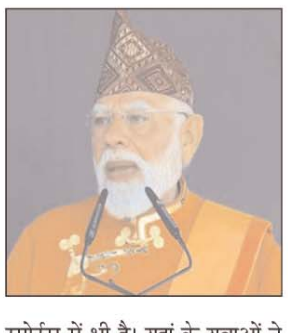

स्पोर्ट्स में भी है। यहां के युवाओं ने स्पोर्ट्स में अपनी क्षमता और प्रतिभा को बड़े बड़े मंचों पर साबित किया है। फुटबॉल, बॉक्सिंग, तीरंदाजी जैसे खेलों में यहां से निकले खिलाड़ियों ने सिक्किम और देश का नाम रोशन किया है। इन प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हम खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे आंदोलन चला रहे हैं। यहां की स्टेट स्पोर्ट अकादमी को भी पुनर्जीवित किया गया है। सिक्किम प्रीमियर लीग जैसे स्पोर्ट्स इवेंट को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिले, उनके खेल में सुधार आए। पीएम मोदी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वह एक दिन पहले गंगटोक पहुंचे थे और यहां का माहौल देखकर बेहद खुश हुए। बंगाल चुनाव की व्यस्तता के बाद यहां आकर एक नई अनुभूति मिली। चारों तरफ उत्सव का माहौल था और मन खुशियों से भर गया। उन्होंने सिक्किम के मौसम और प्राकृतिक सुंदरता की भी तारीफ की और इसे 'पूरब का स्वर्ग' और 'ऑर्किड्स का गार्डन' बताया।

उन्होंने कहा कि सिक्किम की शांति, आध्यात्मिकता और प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव बहुत खास होता है और यह हर किसी को नहीं मिलता। पीएम मोदी ने देशवासियों से अपील की कि वे सिक्किम जरूर घूमने आएं, क्योंकि यहां के लोग प्रकृति के सच्चे ब्रांड एंबेसडर हैं। प्रधानमंत्री ने सिक्किम के लोगों की सादगी, सौम्यता और मुस्कान की भी सराहना की।

• 'सिक्किम की शांति, आध्यात्मिकता और प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव बहुत खास होता है'

• 'सिक्किम में यहां देश की 25 प्रतिशत से ज्यादा फ्लोरल डाइवर्सिटी पाई जाती है।'

• 'सरकार का खास फोकस सिक्किम की कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर है।'

यूपी का बांदा दुनिया में सबसे गर्म, पारा 47.6°C

जैसलमेर-खजुराहो का तापमान 46°C

• दिल्ली में बस स्टॉप पर ओआरएस मिलेगा

• देशभर में हीट स्ट्रोक यूनिट बनेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सोमवार को गर्मी ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। बांदा 47.6°C के साथ दुनिया का सबसे गर्म शहर रहा। यहां 30 अप्रैल 2022 और 25 अप्रैल 2026 को 47.4एष्ट तापमान रहा था। सोमवार को राजस्थान के जैसलमेर में 46.4°C तापमान दर्ज हुआ। मध्य प्रदेश के खजुराहो में पारा 46एष्ट पहुंच गया, जो पिछले 10 साल में सबसे ज्यादा है। जैसलमेर-खजुराहो के अलावा देश के 4 शहरों में पारा 46°C या इससे ज्यादा रहा। इनमें बाड़मेर 46एष्ट, वर्धा 46.5एष्ट, अमरावती 46.6°C और अकोला 46.3°C शामिल हैं। बढ़ती गर्मी और हीटवेव को देखते हुए केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में हीट स्ट्रोक मैनेजमेंट यूनिट शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इधर, दिल्ली में लोगों को गर्मी से निजात देने के लिए बसों में ठंडा पानी रखा जाएगा। बस स्टॉप पर मुफ्त ठंडा पानी और ORS मिलेगा।

इस साल अप्रैल में 45 बार पारा 45°C पार

बांदा का 47.6°C तापमान अप्रैल महीने के इतिहास में दर्ज देश का सबसे ज्यादा तापमान है। इस साल अप्रैल में अब तक करीब 45 बार देश के अलग-अलग वेदर स्टेशनों पर तापमान 45°C से ऊपर दर्ज हुआ। यह 2022 के बाद सबसे ज्यादा है। उस साल 56 बार ऐसा हुआ था। मतलब ये कि इस बार अप्रैल का महीना पिछले 4 साल में सबसे गर्म रहा है। हालांकि, मौसम विभाग का अनुमान है कि मंगलवार से वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा। इसका असर खत्म होते ही मई के पहले हफ्ते से पारा फिर चढ़ेगा, जिससे लू का प्रकोप बढ़ेगा।

• सलीम डोला के प्रत्यर्पण पर अमित शाह ने की एनसीबी की तारीफ

'ड्रग माफिया छिप नहीं सकते'

ड्रग सरगनाओं के लिए कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। गृहमंत्री अमित शाह ने भारत के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा मंगलवार को तुर्की से ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम डोला को वापस लाने की कार्रवाई की सराहना की।

उन्होंने कहा कि देश में ड्रग माफिया और नार्को सिंडिकेट के खिलाफ सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति लगातार जारी है और इस दिशा में एजेंसियां मजबूती से काम कर रही हैं। अमित शाह ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट किया, 'भारत के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने आज तुर्की से कुख्यात ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम

डोला को वापस लाने में एक बड़ी सफलता हासिल की है। मोदी सरकार के ड्रग कार्टेल को पूरी तरह से खत्म करने के मिशन के तहत हमारी नार्को रोधी एजेंसियों ने वैश्विक एजेंसियों के एक मजबूत नेटवर्क के जरिए सीमाओं के पार भी अपनी पकड़ बना ली है। अब वे कहीं भी छिप जाएं, ड्रग सरगनाओं के लिए कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है।' ड्रग्स के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े बड़े नामों में शामिल सलीम डोला को मंगलवार को आखिरकार भारत लाया गया। माना जाता है कि वह दाऊद इब्राहिम का करीबी रहा है और लंबे समय से ड्रग तस्करी के धंधे में सक्रिय था। सलीम को दिल्ली के टेक्निकल एयरपोर्ट पर डिपोर्ट किया गया, जहां से खुफिया एजेंसियों ने उसे अपनी हिरासत में ले लिया।

• सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई भारतीय एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर किए गए एक बड़े ऑपरेशन का हिस्सा थी। सलीम डोला को तुर्की के इस्तांबुल में स्थानीय पुलिस और खुफिया इकाइयों ने गिरफ्तार किया था। -------------------------------

नितिन नवीन ने काशी बाबा के किए दर्शन

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की पूरे विश्व में शांति और समृद्धि की कामना

एजेंसी

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन कर रुद्राभिषेक किया। उन्होंने यहां पूरे विश्व की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। पूजा अर्चना के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि भगवान शिव की नगरी में आने से बाबा विश्वनाथ के दर्शन का शुभ अवसर मिला। साथ में रुद्राभिषेक करने का शुभ अवसर मिला है। बाबा विश्वनाथ की नगरी से पूरे विश्व की सुख, शांति और समृद्धि की कामना करता हूं। कामना करता हूं, उत्तर प्रदेश और भी उत्तम प्रदेश बने, यहां के लोगों को बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद ऐसे भी मिलता है और आगे भी यह आशीर्वाद मिलता रहे।

अनिल अंबानी से जुड़े रिलायंस ग्रुप की 3034 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

मनी लॉन्ड्रिंग जांच तेज

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने अनिल अंबानी से जुड़े रिलायंस ग्रुप के खिलाफ चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 3,034 करोड़ रुपये की संपत्तियों को अटैच किया है। सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई जांच के दायरे को और व्यापक बनाती है। बताया जा रहा है कि ईडी की यह ताजा कार्रवाई उन वित्तीय लेनदेन से जुड़ी है, जिनमें कथित तौर पर अनियमितताओं और धन के दुरुपयोग के संकेत मिले थे। एजेंसी पहले से ही इस मामले में कई स्तरों पर जांच कर रही है।

रिलायंस ग्रुप पर बढ़ी कानूनी पकड़

अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस ग्रुप से

जुड़े इस मामले में ईडी की कार्रवाई को बड़ा कदम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, जब्त की गई संपत्तियां विभिन्न स्थानों पर स्थित हैं और उनकी कुल कीमत 3,034 करोड़ रुपये आंकी गई है।

सियासत का 'महा-नरसंहार' : दिग्गज ढेर, गढ़ राख; गुजरात में विपक्ष का वजूद मिटा

कहीं गद्दारी की सजा, कहीं रसूख का जनाजा; जनता के 'प्रचंड प्रहार' से हिली बड़े-बड़े सूरमाओं की सल्तनत

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद/सूरत। गुजरात स्थानीय निकाय चुनाव के नतीजों ने राज्य की राजनीति में ऐसा 'घातक' भूचाल लाया है, जिसकी धमक वर्षों तक सुनाई देगी। यह चुनाव नहीं, बल्कि उन चेहरों के लिए 'राजनीतिक कत्लगाह' साबित हुआ है जो खुद को अजेय समझते थे। जनता ने अपने वोट की चोट से न सिर्फ सत्ता का समीकरण बदला, बल्कि कई बड़े दिग्गजों के अहंकार को मिट्टी में मिला दिया है।

दिग्गजों का पतनः जब 'नाम' भी काम न आया

इस बार के नतीजों ने साबित कर दिया कि सियासत में कोई भी 'अमर' नहीं है। सूबे के कई ऐसे नामचीन चेहरे, जो राजनीति के शतरंज के मंझे हुए खिलाड़ी माने जाते थे, आज धूल चाटते नजर आ रहे हैं:

* वड़ोदरा का 'धमाका': कांग्रेस की कद्दावर नेता अमीबेन रावत की करारी हार ने पार्टी के आत्मविश्वास को लहूलुहान कर दिया है।

* वर्दी का गुरूर टूटाः अरवल्ली के ओड में पूर्व IPS मनोज निनामा की हार यह बताने के लिए काफी है कि सत्ता का मैदान और पुलिस की धौंस दो अलग रास्ते हैं।

* सूरत में 'आप' का सूपड़ा साफः सूरत में मनोज सोरठिया और पायल साकरिया जैसे 'पोस्टर बॉय' अपनी साख तक नहीं बचा पाए। जिस सूरत को 'आप' अपना अभेद्य किला मानती थी, आज वहां सिर्फ भगवा सुनामी का मंजर है।

* साख का संकटः लाठी तालुका पंचायत में लोक साहित्यकार मायाभाई अहीर की पुत्री की हार ने यह साफ कर दिया कि जनता अब 'सेलेब्रिटी' कार्ड के झांसे में आने वाली नहीं है।

गद्दारी पर 'डेथ वारंट': भूपत भायाणी की हार

भेसाण जिला पंचायत सीट से भूपत भायाणी की हार इस चुनाव का सबसे घातक संदेश है। पाला बदलकर जनता के जनादेश का अपमान करने वाले नेताओं को मतदाताओं ने घर का रास्ता दिखाकर स्पष्ट कर दिया है कि 'जनता जनार्दन है, मोहरा नहीं'।

महानगर मेट्रो का तीखा विश्लेषण

ये नतीजे महज हार-जीत के आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन सफेदपोशों के लिए चेतावनी की आखिरी घंटी है जो एसी कमरों में बैठकर अपनी जीत की पटकथा लिखते थे। सूरत की 120 में से 115 सीटें जीतकर भाजपा ने विपक्ष को आईसीयू (ICU) में भेज दिया है। कांग्रेस और आप के लिए यह हार नहीं, बल्कि राजनीतिक मृत्युदंड के समान है।

सीमा-पार आतंकवाद नजरअंदाज नहीं किया जा सकता : राजनाथ सिंह

'दोहरे मानदंड के लिए जगह नहीं'

एजेंसी

नई दिल्ली। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के मुद्दे पर बेहद स्पष्ट और कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि राज्य-प्रायोजित सीमा-पार आतंकवाद किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता पर सीधा हमला है और इसे किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने दो टूक कहा कि इस मामले में दोहरे मानदंड के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए और एससीओ को उन देशों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने से नहीं हिचकना चाहिए, जो आतंकवादियों को समर्थन, शरण या सुरक्षित ठिकाने उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा, भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद के केंद्र अब दंड से अछूते नहीं रहेंगे। राजनाथ सिंह ने अपने

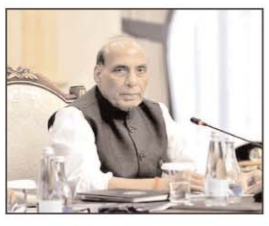

संबोधन में वैश्विक परिदृश्य पर चिंता जताते हुए कहा कि दुनिया इस समय बढ़ते एकतरफावाद और संघर्षों के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि वैश्विक सहमति कमजोर पड़ रही है और टकराव की स्थितियां बढ़ रही हैं। ऐसे समय में यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि यह दौर हिंसा और युद्ध का दौर न बनकर शांति और समृद्धि का दौर बने। उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों को याद करते हुए कहा कि 'आंख के बदले आंख' की सोच अंततः पूरी दुनिया को अंधा बना देती है और हर निर्णय से पहले यह सोचना चाहिए कि उसका असर गरीब और जरूरतमंद लोगों पर क्या पड़ेगा। उन्होंने बीते साल 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि इस घटना ने पूरी मानवता को झकझोर दिया।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद के केंद्र अब दंड से अछूते नहीं रहेंगे। उन्होंने पिछले वर्ष जारी तियानजिन घोषणा का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में 100 बेड के आधुनिक वृद्धाश्रम का किया लोकार्पण

उदयपुर का तारा सेवा संस्थान करेगा संचालित

एजेंसी

वाराणसी/रामनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बनारस में 'नारी शक्ति वंदन' कार्यक्रम के दौरान बुजुर्गों के सम्मानजनक जीवन के लिए एक बड़ी सौगात दी। प्रधानमंत्री ने रामनगर स्थित 100 बेड की क्षमता वाले आधुनिक वृद्धाश्रम का डिजिटल लोकार्पण किया।

यह परियोजना समाज के वरिष्ठ और जरूरतमंद नागरिकों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अत्याधुनिक वृद्धाश्रम का निर्माण Northern Coalfields Limited (NCL) द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) के तहत किया गया है। इसके कुशल प्रबंधन के लिए वाराणसी समाज कल्याण विभाग ने तारा संस्थान, उदयपुर को संचालन की जिम्मेदारी सौंपी है, जो सिग्नेचर ग्लोबल, दिल्ली के सहयोग से यहाँ अपनी सेवाएँ प्रदान करेगा। लोकार्पण के अवसर पर रामनगर स्थित वृद्धाश्रम परिसर में Northern Coalfields Limited के प्रबंधक श्री अभिनव दीक्षित ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और आवासियों का आशीर्वाद लिया। जैसे ही प्रधानमंत्री ने लोकार्पण किया, वहाँ मौजूद बुजुर्गों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम में तारा संस्थान की संस्थापक कल्पना गोयल एवं सचिव दीपेश मित्तल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने काशी को दी 6332 करोड़ की 163 परियोजनाओं की बड़ी सौगात

एजेंसी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी को 6332 करोड़ रुपये की 163 विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी है। प्रधानमंत्री ने दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों–बनारस से पुणे (हडपसर) और अयोध्या से मुंबई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। बरेका इंटर कॉलेज मैदान पर मंगलवार को आयोजित एक जनसभा में प्रधानमंत्री ने रिमोट के माध्यम से 163 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें 1054.69 करोड़ रुपये की 50 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 5277.39 करोड़ रुपये की 113 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

सिस्टम की संवेदनहीनता: मृत बहन के पैसे निकालने के लिए बैंक पहुंचा कंकाल

ओडिशा के क्योंझर में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना; केवाईसी के नाम पर बैंक ने मांगी थी 'मौजूदगी'

महानगर मेट्रो

क्योंझर (ओडिशा): डिजिटल इंडिया और बैंकिंग सुविधाओं के सरलीकरण के दावों के बीच ओडिशा के क्योंझर जिले से एक ऐसी खबर आई है, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। एक बेबस भाई को अपनी मृत बहन के बैंक खाते से महज 20,000 रुपये निकालने के लिए उसकी कब्र खोदनी पड़ी और सबूत के तौर पर उसका कंकाल लेकर बैंक पहुंचना पड़ा।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले के निवासी जीतू मुंडा की बहन कालरा मुंडा का निधन जनवरी 2026 में हो गया था। कालरा के बैंक खाते में 20,000 रुपये जमा थे, जिसकी जीतू को सख्त जरूरत थी। जब जीतू पैसे निकालने बैंक पहुंचा, तो वहां के कर्मचारियों ने कथित तौर पर नियमों का हवाला देते हुए भुगतान करने से मना कर दिया।

बैंक की अजीबोगरीब शर्त

जीतू का आरोप है कि उसने बार-बार बैंक अधिकारियों को अपनी बहन के मृत्यु प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेजों के बारे में बताया, लेकिन बैंक प्रशासन 'खाताधारक की भौतिक उपस्थिति' (Physical Presence) पर अड़ा रहा। बैंक कर्मियों ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक खाताधारक खुद बैंक नहीं आता, तब तक पैसा नहीं मिलेगा।

'मैंने उन्हें हजार बार कहा कि मेरी बहन मर चुकी है, लेकिन उन्होंने मेरी एक न सुनी। वे बस यही कहते रहे कि खाताधारक को साथ लाओ।

जीतू मुंडा, पीड़ित भाई

हताशा में उठाया खौफनाक कदम

सिस्टम की इस जिद और अपनी गरीबी से तंग आकर जीतू ने वह किया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। वह सीधे श्मशान घाट पहुंचा, अपनी बहन की कब्र खोदी और उसका कंकाल निकालकर एक बोरी में भरा और उसे लेकर सीधे बैंक की दहलीज पर खड़ा हो गया।

प्रशासन की नींद खुली

बैंक परिसर में कंकाल देखते ही वहां हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप किया। अधिकारियों ने जीतू को आश्वासन दिया है कि उसे जल्द ही पैसे दिलाए जाएंगे और बैंक के व्यवहार की जांच की जाएगी।

ऐ जिंदगी तू इम्तिहान ले, मैं हौसलों का हिसाब लिखूँगा...

जज्बा-ए-जिंदगी

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर शख्स किसी न किसी मोर्चे पर लड़ रहा है। कभी आर्थिक तंगी, कभी रिश्तों की उलझन, तो कभी करियर की दौड़। लेकिन इस जद्दोजहद के बीच कुछ लोग ऐसे होते हैं जो मुश्किलों को देखकर रास्ता नहीं बदलते, बल्कि अपनी हिम्मत से मुश्किलों का रुख बदल देते हैं। किसी ने सच ही कहा है: 'जिंदगी!! हर रोज ही,,, तेरा इम्तिहान देने को... हर लम्हा तैयार रहती हूं..!! ' इम्तिहान नहीं, यह तो निखरने का अवसर है अक्सर हम परेशानियों को एक 'बौझ' मान लेते हैं, लेकिन असल में जिंदगी का हर नया इम्तिहान हमें टूटने के लिए नहीं, बल्कि खुद को और निखारने के लिए आता है। सोचिए, अगर समुद्र में लहरें न हों, तो नाविक कभी कुशल नहीं बन पाएगा। ठीक उसी तरह, अगर जीवन में चुनौतियां न हों, तो इंसान को अपनी असली ताकत का अंदाजा कभी नहीं होगा।

हर लम्हे में छिपी है एक नई शुरुआत

सुबह की पहली किरण से लेकर रात के सन्नाटे तक, वक्त हमसे कई सवाल पूछता है। कभी वह हमें थकाता है, तो कभी रुलाता है। पर जो व्यक्ति हर लम्हा खुद को तैयार रखता है, वही इतिहास रचता है। तैयारी का मतलब सिर्फ जीतना नहीं, बल्कि हारने के बाद फिर से खड़े होने का साहस जुटाना है।

मुश्किलों को कहें– 'मैं तैयार हूँ'

जब आप जिंदगी की आंखों में आंखें डालकर कहते हैं कि 'मैं तैयार हूँ ', तब आधी जंग आप वहीं जीत जाते हैं। यह शब्द केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि एक 'कमांड' है आपके मस्तिष्क के लिए, जो आपको किसी भी विपरीत परिस्थिति में टूटने नहीं देता।

महानगर मेट्रो की कलम से:

आज अपने आईने के सामने खड़े होकर खुद से यह वादा कीजिए। चाहे हालात कैसे भी हों, चेहरे की मुस्कान और दिल का हौसला कम नहीं होने देंगे। याद रखिए, सिक्के के दो पहलू होते हैं– एक वक्त आपका है, और दूसरा भी आपका ही होगा, बस आपको हर इम्तिहान के लिए 'तैयार' रहना है। जिंदगी के हर रंग, आपके संग।

बाल विवाह के संबंध में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया

महानगर मेट्रो

छुईखदान। माननीय अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण / प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजनांदगांव श्री विजय कुमार होता के मार्गदर्शन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनंदगांव श्री निलेश जगदला के नेतृत्व में तालुक विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष /न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी छुईखदान श्री ईशान व्यास के मार्गदर्शन में पी.एल.व्ही श्री सनील कुमार द्वारा ग्राम पंचायत एटीकसा मे उपस्थित ग्रामीणो को निशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दिया गया तथा विशेष रूप से बाल विवाह, घरेलू हिंसा , नशा मुक्ती , साइबर क्राइम के बारे में जानकारी दिया गया तथा वर्तमान में हो रहे साइबर फ्रॉड से हमें हमेशा सतर्क रहना चाहिए जिससे साइबर फ्रॉड से होने वाले ठगी से बचा जा सके तथा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 में कॉल करके जानकारी ले सकते हैं। पी.एल.व्ही श्री सनील कुमार द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित बहुत सारे योजनाओं जैसे की नालसा (तस्करी और वाणिज्य यौन शोषण पीड़ितों के लिए विधिक सेवा) योजना 2015, एसिड हमले के पीड़ितों के लिए विधिक सेवा)योजना 2016 , इत्यादि के संबंध में जानकारी दिया तथा आगामी नेशनल लोक अदालत दिनांक 09 मई 2026 को आयोजन किया जाएगा जिसमें राजीनामा योगय के मामले को आपसी राजीनामा तथा भाईचारा से अपने प्रकरण का जल्द से जल्द निराकरण कर सकते हैं जिसमें ना किसी की जीत और ना किसी के हर होती हैं। किसी भी व्यक्ति को निशुल्क कानूनी सालहा लेनी है तो नालसा की हेल्पलाइन नंबर 15100 मे फोन करके जानकारी ले सकते हैं ।

उत्कृष्ट विद्यालय में भावभीनी विदाई समारोह, दो वरिष्ठ व्याख्याताओं का सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्ति अभिनंदन

शासकीय पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिवार ने दी भावनात्मक विदाई

महानगर मेट्रो

राजनांदगांव। शासकीय पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यालय परिवार द्वारा सेवानिवृत्त व्याख्याता श्री रामानन्द जी साहू एवं श्री धन्नूलाल देवांगन जी के सम्मान में गरिमामय एवं भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दोनों शिक्षकों की दीर्घकालीन सेवाओं, अनुशासन, समर्पण और शिक्षा क्षेत्र में उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। समारोह की अध्यक्षता जनभागीदारी एवं शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री देवशरण सेन ने की। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सुनीता खरे विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इसके साथ ही शाला प्रबंधन समिति के सदस्य श्री राजेश यादव, धरम ऊके, चेतन यादव, प्रधान पाठिका श्रीमती रमा साहू, पूर्व व्याख्याता श्री आर.के. भूआर्य, पूर्व पीटीआई थामस मैडम, पूर्व संकुल प्रभारी श्री सुरेश जैन सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सेवानिवृत्त व्याख्याता श्री रामानन्द साहू जी एवं श्री धन्नूलाल देवांगन जी के परिजन भी समारोह में शामिल हुए जिससे कार्यक्रम का वातावरण और अधिक आत्मीय एवं भावुक हो गया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने दोनों शिक्षकों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने वर्षों तक विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन से अनेक छात्र-छात्राएं आज विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर रहे हैं।विद्यालय परिवार की ओर से दोनों सम्मानित शिक्षकों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान सहकर्मियों एवं विद्यार्थियों ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना की। समारोह के अंत में सेवानिवृत्त शिक्षकों ने विद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने सेवाकाल की स्मृतियों को साझा किया। भावुक माहौल के बीच सभी ने उन्हें ससम्मान विदाई दी।

नारोल में 'फर्जी पत्रकार' का आतंक: होटल मालिक को बदनाम करने की धमकी देकर वसूले रुपए, मामला दर्ज

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। शहर के नारोल इलाके में पत्रकारिता की आड़ में उगाही करने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक कथित पत्रकार ने होटल मालिक को उसके होटल में 'अनैतिक गतिविधियां' चलने का डर दिखाकर और होटल बंद करवाने की धमकी देकर रुपयों की मांग की। पुलिस ने होटल मालिक की शिकायत के आधार पर कथित पत्रकार के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

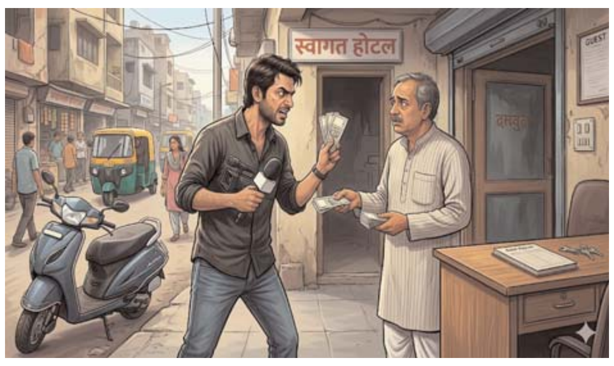

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नारोल क्षेत्र में होटल चलाने वाले एक व्यवसायी को पिछले कुछ दिनों से एक शख्स परेशान कर रहा था। खुद को पत्रकार बताने वाले इस आरोपी ने होटल मालिक से कहा, 'तुम्हारी होटल में अनैतिक प्रवृत्तियां चलती हैं, जिसकी मुझे पूरी जानकारी है। अगर तुम इस बदनामी से बचना चाहते हो और चाहते हो कि तुम्हारी होटल बंद न हो, तो मुझे रुपए देने होंगे। '

4,000 रुपए की उगाही

शुरुआती डराने-धमकाने के बाद, आरोपी ने होटल मालिक से 4,000 रुपए की जबरन वसूली की। हालांकि, आरोपी की लगातार बढ़ती मांग और धमकियों से तंग आकर होटल मालिक ने हिम्मत दिखाई और पुलिस से संपर्क करने का फैसला किया।

पुलिस की कार्रवाई

होटल मालिक की शिकायत के आधार पर नारोल पुलिस ने कथित पत्रकार के विरुद्ध जबरन वसूली और डराने-धमकाने की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है कि क्या आरोपी ने इस तरह अन्य व्यापारियों को भी अपना शिकार बनाया है।

जनपद पंचायत छुईखदान में वार्षिक बजट प्रक्रिया पर गंभीर विवाद, वित्तीय नियमों के उल्लंघन के आरोप

महानगर मेट्रो

राजनांदगांव। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के जनपद पंचायत छुईखदान में वित्तीय वर्ष 2026-27 के वार्षिक बजट अनुमान को लेकर प्रशासनिक एवं वित्तीय विवाद गहरा गया है। जनपद पंचायत के सभापति सुधीर गोलछा ने प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) पर वित्तीय अनियमितताओं, वैधानिक प्रक्रियाओं की अवहेलना तथा निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के अधिकारों के हनन जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। सभापति द्वारा जारी आधिकारिक पत्र में उल्लेख किया गया है कि बजट निर्माण की प्रक्रिया छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग द्वारा जारी स्थायी वित्त निर्देशों, विशेषकर पत्र क्रमांक 387/वित्त/नियम/चार/2025 दिनांक 21 जुलाई 2025 के प्रावधानों के अनुरूप नहीं अपनाई जा रही है। आरोप है कि एक अराजपत्रित तृतीय श्रेणी कर्मचारी को आहरण एवं संवितरण अधिकारी (Drawing and Disbursing Officer - DDO) का प्रभार सौंपा गया है, जो वित्तीय नियमों एवं प्रशासनिक पदानुक्रम के विरुद्ध है। पत्र में यह भी रेखांकित किया गया है कि किसी भी स्थानीय निकाय के वार्षिक बजट अनुमान के निर्माण हेतु विधिवत प्रक्रिया अपनाना अनिवार्य है, जिसमें विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप आय-व्यय का यथार्थ आकलन, पूर्व वर्ष के व्यय का विश्लेषण, योजनागत एवं गैर-योजनागत मदों का वर्गीकरण तथा संबंधित समितियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाती है। इसके अतिरिक्त, बजट मसौदे को सामान्य प्रशासन समिति के समक्ष प्रस्तुत करने से पूर्व निर्वाचित सदस्यों के बीच निर्धारित समयावधि के भीतर प्रचालित (circulate) किया जाना भी एक आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया है। सभापति ने आरोप लगाया कि वर्ष 2025-26 के बजट निर्माण में भी इन प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया था और उन्हें, एक निर्वाचित सदस्य एवं सभापति होने के बावजूद, बजट निर्माण प्रक्रिया से वंचित रखा गया। इसे उन्होंने 'प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों' तथा 'संवैधानिक विकेन्द्रीकरण की भावना' के विपरीत बताया है।पत्र में आगे कहा गया है कि सामान्य प्रशासन समिति की पूर्व बैठक में उच्च कार्यालय से मार्गदर्शन प्राप्त करने हेतु प्रस्ताव पारित किया गया था, किंतु यदि इस संबंध में कोई दिशा-निर्देश प्राप्त हुए हैं, तो उन्हें अब तक साझा नहीं किया गया है। यह पारदर्शिता एवं जवाबदेही के सिद्धांतों के विपरीत माना गया है। सभापति ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि वर्ष 2026-27 के बजट अनुमान को निम्नलिखित प्रशासनिक एवं वित्तीय मानकों के अनुरूप तैयार किया जाए:

* वैध एवं सत्यापित वित्तीय आंकड़ों का उपयोग
* सक्षम प्राधिकारी से मार्गदर्शन प्राप्त करना
* बजट मसौदे का पूर्व प्रचलन (advance circulation)
* सामान्य प्रशासन समिति एवं सामान्य सभा के समक्ष विधिवत अनुमोदन

उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उक्त प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया तो प्रकरण को विभागीय उच्चाधिकारियों, वित्त विभाग तथा महालेखाकार, रायपुर के समक्ष औपचारिक शिकायत के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए सभापति ने कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा उपसंचालक पंचायत को प्रतिलिपि प्रेषित करते हुए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने यह भी आग्रह किया है कि संबंधित अधिकारी को आहरण एवं संवितरण अधिकारी के प्रभार से अस्थायी रूप से हटाया जाए तथा डिप्टी कलेक्टर स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में जांच समिति गठित कर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए। प्रशासनिक हलकों में इस मामले को वित्तीय अनुशासन, जवाबदेही और स्थानीय स्वशासन की पारदर्शिता से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा माना जा रहा है। जनपद पंचायत के अन्य सदस्यों में भी इस विषय को लेकर असंतोष व्याप्त है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जिला प्रशासन इस प्रकरण में क्या रुख अपनाता है और क्या बजट निर्माण प्रक्रिया को नियमानुसार पुनः संचालित किया जाता है।

ग्राम पंचायत दीवान झिटिया में सोलर प्लांट का विरोध तेज

ग्रामीणों ने सरपंच-सचिव को बर्खास्त करने की मांग, कलेक्ट्रेट पहुंच सौंपा ज्ञापन

महानगर मेट्रो

राजनांदगांव । जिले के डोंगरगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत दीवान झिटिया में प्रस्तावित सोलर प्लांट को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। मंगलवार को गांव के सैकड़ों ग्रामीण कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपते हुए सरपंच और सचिव को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत प्रतिनिधियों ने बिना ग्राम सभा और ग्रामीणों की सहमति के निजी कंपनी को एनओसी जारी कर दी, जिससे गांव की कृषि भूमि, पर्यावरण और लोगों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। ग्राम सभा के बिना दी गई एनओसी, ग्रामीणों में नाराजगी ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत दीवान झिटिया में एसआरवी सोलर कंपनी के नाम से पंचों और ग्रामीणों को बिना जानकारी दिए एनओसी जारी कर दी गई। गांव के लोगों का कहना है कि इस पूरे मामले में न तो ग्राम सभा आयोजित की गई और न ही गांव के मुखिया एवं पंचों से राय ली गई। पंचायत के इस रवैये से ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि सोलर प्लांट निर्माण के लिए हजारों पेड़ों की कटाई कर दी गई है जिससे पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचा है। पहले से ही भीषण गर्मी और लू की मार झेल रहे राजनांदगांव जिले में पेड़ों की कटाई ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। ग्रामीणों ने कहा कि विकास के नाम पर विनाश स्वीकार नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि प्रस्तावित सोलर प्लांट गांव के स्कूल से मात्र 20 से 30 मीटर की दूरी पर बनाया जा रहा है, जबकि करीब 100 मीटर की दूरी पर गांव की आबादी बसी हुई है। इससे बच्चों की सुरक्षा और ग्रामीणों के स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।ग्रामीणों ने कहा कि सोलर प्लांट लगाने के लिए बंजर भूमि का उपयोग किया जाना चाहिए लेकिन यहां उपजाऊ कृषि भूमि पर औद्योगिक परियोजना स्थापित की जा रही है। इससे किसानों की आजीविका प्रभावित होगी और खेती योग्य जमीन कम होती जाएगी। ग्रामीणों ने सरपंच और सचिव पर मनमानी तथा गांव के हितों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए उन्हें तत्काल पद से हटाने की मांग की। ज्ञापन सौंपने के बाद कलेक्टर ने ग्रामीणों को पांच दिवस के भीतर जांच कर उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। ज्ञापन सौंपने के दौरान कुशल सिंह राजपूत, कोमल साहू, मनीष साहू, त्रिलोचन साहू, डोनेंद्र साहू, उमेश साहू, रामेश्वर निषाद (पंच), सुरेखा साहू (पंच), पिंकी साहू (पंच), गिरधर यादव (पंच), हिमांचल साहू, रुमलाल साहू, धीरज साहू, लक्ष्मीनारायण सिन्हा, लोकेश सिन्हा, हीरा निषाद, रूपेश, शिवम सेन, करण सेन, रघुनाथ साहू, लोकेश साहू, शुभम साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ईमानदारी की सज़ा या भ्रष्टाचार का खेल 50 साल से सीना ताने खड़ा है यह रोड, पर इसे बनाने वाला हुआ 'ब्लैकलिस्ट'

पुणे का जंगली महाराज रोड: न गड्ढे, न दरारें; हैरान कर देने वाली मजबूती के पीछे की कड़वी हकीकत

महानगर मेट्रो

पुणे: आज के दौर में जहां करोड़ों की लागत से बनने वाली सड़कें पहली ही बारिश में कागज की तरह बह जाती हैं, वहीं पुणे का जंगली महाराज (JM) रोड भ्रष्टाचार के खिलाफ एक मौन गवाह बनकर खड़ा है। ताज्जुब की बात यह है कि 1970 के दशक में बना यह रास्ता आज 50 साल बाद भी उतना ही मजबूत है जैसा पहले दिन था। लेकिन उससे भी बड़ा ताज्जुब यह है कि इसे बनाने वाले ईमानदार ठेकेदारों को इनाम देने के बजाय 'ब्लैकलिस्ट' कर दिया गया।

50 साल: न मरम्मत, न मेंटेनेंस

पुणे का यह व्यस्ततम मार्ग अपनी बेमिसाल क्वालिटी के लिए जाना जाता है। 1970 में जब इस सड़क का निर्माण हुआ, तब गुणवत्ता के ऐसे मानक तय किए गए कि आधी सदी बीत जाने के बाद भी इस पर न तो कोई गड्ढा पड़ा है और न ही कहीं दरार दिखाई दी है। यह सड़क आज की 'गड्ढा-मुक्त' राजनीति के दावों के बीच एक मिसाल है।

क्यों ब्लैकलिस्ट हुए निर्माता?

सूत्रों और स्थानीय दावों के अनुसार, इस सड़क को बनाने वाले कॉन्ट्रैक्टर्स को भविष्य में कोई सरकारी काम नहीं दिया गया और उन्हें ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। इसके पीछे का कारण हैरान करने वाला है:

* सिस्टम का 'नुकसान': सड़क इतनी मजबूत बनी कि दशकों तक इसके मेंटेनेंस या दोबारा निर्माण (Re-tendering) की जरूरत ही नहीं पड़ी।
* भ्रष्टाचार की चेन टूटी: जानकारों का कहना है कि जब सड़क खराब ही नहीं होगी, तो नया टेंडर कैसे जारी होगा और अगर टेंडर नहीं आएगा, तो भ्रष्टाचार का हिस्सा ऊपर तक कैसे पहुंचेगा?
* ईमानदारी बनी दुश्मन: उस समय के कॉन्ट्रैक्टर्स ने कथित तौर पर सरकारी अधिकारियों के साथ 'कमीशन' साझा करने के बजाय पूरी रकम सड़क की मजबूती में लगा दी। परिणाम स्वरूप, विभाग ने उन्हें भविष्य के कामों से दूर कर दिया ताकि दोबारा कोई इतनी 'टिकाऊ' सड़क न बना सके।

आधुनिक इंजीनियरिंग के लिए एक सबक

आज स्मार्ट सिटी के नाम पर हर साल सड़कों की मरम्मत में हजारों करोड़ रुपये पानी की तरह बहाए जाते हैं। जंगली महाराज रोड उन तमाम भ्रष्ट अधिकारियों और ठेकेदारों के मुंह पर तमाचा है जो 'जितनी खराब सड़क, उतना ज्यादा मुनाफा' की मानसिकता से काम करते हैं।

महानगर मेट्रो का नजरिया

पुणे का JM रोड सिर्फ डामर और पत्थरों का मेल नहीं है, बल्कि यह उस युग की ईमानदारी का स्मारक है। यह सवाल उठाना लाजमी है कि जो तकनीक और नीयत 1970 में मौजूद थी, वह 2026 के हाई-टेक युग में क्यों गायब है सरकार को उन 'ब्लैकलिस्टेड' कॉन्ट्रैक्टर्स की कहानियों को बाहर लाना चाहिए ताकि पता चले कि विकास में बाधा सड़क नहीं, बल्कि सिस्टम की नीयत थी।

'भाजपा की तानाशाही के खिलाफ जनता ने चुना विकल्प', स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों पर बोले इसुदान गढवी

अहमदाबाद के खाड़िया में भाजपा की हार को आप ने बताया बदलाव की लहर, कहा- अब डर की राजनीति का अंत शुरू

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद: गुजरात में स्थानीय निकाय चुनाव के परिणाम आने के साथ ही सूबे की सियासत गरमा गई है। आम आदमी पार्टी (AAP) के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढवी ने चुनाव परिणामों पर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा है कि गुजरात की जनता ने अब स्पष्ट रूप से 'आप' को एक मजबूत विकल्प के रूप में स्वीकार कर लिया है। गढवी ने दावा किया कि इन नतीजों ने भाजपा के 'अजेय' होने के भ्रम को तोड़ दिया है।

खाड़िया में भाजपा की हार पर बड़ा कटाक्ष

इसु गढवी ने परिणामों का विश्लेषण करते हुए भाजपा के गढ़ माने जाने वाले क्षेत्रों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा,

'भाजपा के उद्गम स्थान माने जाने वाले खाड़िया जैसे क्षेत्रों में पार्टी को मिली करारी पछाड़ यह साबित करती है कि अब हवा बदल रही है। भाजपा ने पिछले 10-12 महीनों से जो धाक-धमकी और तानाशाही की राजनीति शुरू की थी, उसे जनता ने नकार दिया है। सत्ता के जोर पर डर का माहौल लंबे समय तक नहीं चल सकता। '

जनता के भरोसे पर खरा उतरने का वादा

मीडिया से बात करते हुए 'आप' प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि गुजरात की जनता भाजपा की कार्यशैली से त्रस्त थी और एक विकल्प की तलाश में थी। उन्होंने आगे कहा:

* मजबूत लड़ाई: 'हम भाजपा की तानाशाही के खिलाफ पूरी मजबूती के साथ लड़े और जनता ने हमारे संघर्ष को अपना समर्थन दिया है। '
* भरोसे की जीत: 'गुजरात की जनता ने आम आदमी पार्टी पर जो भरोसा जताया है और जो जनादेश दिया है, हम उस पर पूरी तरह खरा उतरेंगे। '
* बदलाव का संकेत: गढवी के अनुसार, ये परिणाम केवल स्थानीय निकायों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह भविष्य की राजनीति का संकेत हैं।

भाजपा के लिए खतरे की घंटी

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि खाड़िया जैसी पारंपरिक सीटों पर भाजपा को मिली चुनौती पार्टी के लिए आत्ममंथन का विषय है। वहीं, आम आदमी पार्टी इन परिणामों को अपनी वैचारिक जीत के रूप में देख रही है। इसुदान गढवी ने स्पष्ट किया कि 'आप' अब गुजरात के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में एक निर्णायक ताकत बनकर उभरी है।

भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को दिया गया इंदौर के भव्य प्रतिमा प्रतिष्ठा महोत्सव का निमंत्रण

महानगर मेट्रो

इंदौर (प्रदीप जैन) तिलक नगर स्थित राजेंद्रसूरी गुरु मंदिर में आचार्य श्रीमद्विजय हितेशचंद्र सूरीश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा में 2 से 4 मई 2026 तक आयोजित होने वाले भव्य प्रतिमा प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु आज भोपाल में डॉ. मोहन यादव को ससम्मान आमंत्रण प्रदान किया गया।
मुख्यमंत्री को आमंत्रण देने पहुंचे प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से मेघराज जैन,अनूप कटारिया, संजय मोदी ,प्रेम कमल वागरेचा एवं सौरभ जैन शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को आयोजन में पधारकर धर्मलाभ लेने एवं समारोह की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया। इस दौरान महोत्सव की धार्मिक गरिमा, कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं समाजजनों की तैयारियों की जानकारी भी दी गई। गौरतलब है कि इंदौर में 29 अप्रैल से 4 मई तक मंगल प्रवेश, नवकारसी, प्रवचन, जाजम वरघोड़ा तथा प्रतिमा प्रतिष्ठा सहित अनेक भव्य धार्मिक आयोजन होंगे, जिससे शहर का वातावरण पूर्णतः धर्ममय रहेगा।
इस आयोजन का संयुक्त संचालन श्री सौधर्म बृहत्तपागच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ, श्री आदिनाथ राजेंद्र जैन श्वेतांबर पेढ़ी ट्रस्ट, श्री मोहनखेड़ा तीर्थ, श्री राजेंद्र सूरी आराधना भवन एवं श्री पार्श्वनाथ राजेंद्र प्रतिष्ठा महोत्सव समिति द्वारा किया जा रहा है।
महोत्सव को लेकर जैन समाज में उत्साह और श्रद्धा का विशेष माहौल बना हुआ है।

गोवंश संरक्षण पर केंद्र में कानून की मांग तेज, 'गो पालन मंत्रालय' बनाने की उठी आवाज

टोंक से उठी पहल, देशभर के सनातन समाज ने प्रधानमंत्री Narendra Modi से की निर्णायक कदम उठाने की अपील

महानगर मेट्रो

टोंक। देशभर में अखिल वेदलक्षणा गोमाता यानी सम्पूर्ण देशी गोवंश की सुरक्षा, सेवा और सम्मान को लेकर एक बार फिर बड़ा जनभाव उभरकर सामने आया है। टोंक से शुरू हुई इस पहल ने राष्ट्रीय स्वरूप ले लिया है, जिसमें संत समाज, गोभक्त, किसान और जागरूक नागरिकों ने केंद्र सरकार से सख्त और स्पष्ट कानून बनाने की मांग की है। समाज के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री Narendra Modi को संबोधित निवेदन में कहा है कि बीते वर्षों में देश ने ऐतिहासिक निर्णयों का दौर देखा है, जिससे भारत की सांस्कृतिक पहचान मजबूत हुई है। अब समय आ गया है कि गोवंश संरक्षण को भी राष्ट्रीय प्राथमिकता में शामिल किया जाए। निवेदन में स्पष्ट कहा गया है कि देशी गोवंश केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। वर्तमान में गोवंश तस्करी, अवैध वध और सड़कों पर बेसहारा घूमने जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, जिससे समाज में गहरी पीड़ा और आक्रोश है। मांगकर्ताओं का कहना है कि केंद्र स्तर पर सख्त कानून बनाकर गोवंश की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और एक स्वतंत्र 'गो पालन मंत्रालय' की स्थापना की जाए, जिससे नीति निर्माण और क्रियान्वयन दोनों प्रभावी ढंग से हो सकें। इसके साथ ही गो आधारित प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने की भी मांग उठी है। उनका मानना है कि इससे किसानों की लागत घटेगी, भूमि की उर्वरता बढ़ेगी और देश आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाएगा। टोंक से उठी यह आवाज अब देशभर में समर्थन पा रही है

सूरत में भाजपा का 'महा-विजय' शंखनाद: 120 में से 115 सीटों पर लहराया भगवा

विपक्ष का सूपड़ा साफ: 'आप' के किले ढहे, कांग्रेस का अस्तित्व खतरे में; डायमंड सिटी ने विकास पर लगाई मुहर

महानगर मेट्रो

सूरत: गुजरात की आर्थिक राजधानी और 'डायमंड सिटी' के नाम से मशहूर सूरत ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह भाजपा का अभेद्य किला है। स्थानीय निकाय चुनाव के आए नतीजों ने विपक्षी खेमे में सन्नाटा पसरा दिया है। सूरत नगर निगम की कुल 120 सीटों में से भारतीय जनता पार्टी ने रिकॉर्ड 115 सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। वहीं, पिछले चुनाव में मुख्य विपक्षी दल बनकर उभरी आम आदमी पार्टी (AAP) महज 4 सीटों पर सिमट गई है, जबकि कांग्रेस को केवल 1 सीट से संतोष करना पड़ा।

विपक्ष की करारी हार के मायने

* आप (AAP) का पतन: पिछले चुनाव में 27 सीटें जीतकर सबको चौंकाने वाली आम आदमी पार्टी के लिए यह नतीजे किसी बड़े झटके से कम नहीं हैं। पार्टी के गढ़ माने जाने वाले पाटीदार बहुल इलाकों में भी इस बार भाजपा ने सेंध लगा दी है।

* कांग्रेस का सन्नाटा: कांग्रेस की स्थिति सूरत में और भी दयनीय हो गई है। महज 1 सीट के साथ पार्टी अब शहर की राजनीति में हाशिए पर खड़ी नजर आ रही है।

मोदी मैजिक और पन्ना प्रमुखों की रणनीति का कमाल

सूरत की इस प्रचंड जीत के पीछे भाजपा की जमीनी स्तर की तैयारी और 'पन्ना प्रमुख' मॉडल को मुख्य कारण माना जा रहा है। चुनाव परिणामों के रुझान सुबह से ही भाजपा के पक्ष में थे। जैसे-जैसे नतीजे साफ हुए, यह स्पष्ट हो गया कि सूरत की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री के विकास कार्यों पर अटूट विश्वास जताया है।

जश्न में डूबा शहर

जीत की घोषणा होते ही भाजपा कार्यालयों पर जश्न का माहौल छा गया। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की, ढोल-नगाड़ों पर थिरके और 'जय श्री राम' व 'भारत माता की जय' के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। भाजपा के स्थानीय नेताओं ने इस जीत को जनता की जीत बताते हुए कहा कि सूरत ने नकारात्मक राजनीति को पूरी तरह नकार दिया है।

महानगर मेट्रो का विश्लेषण

सूरत के ये नतीजे केवल एक चुनाव के परिणाम नहीं हैं, बल्कि यह भविष्य की राजनीति का संकेत हैं। भाजपा की यह 115 सीटों वाली जीत दर्शाती है कि शहर की जनता विकास की निरंतरता चाहती है। अब चुनौती निर्वाचित प्रतिनिधियों के सामने है कि वे इस भारी बहुमत के सम्मान में शहर को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करें।

हार्वर्ड की डिग्री और जेब में प्याज: सिंधिया का 'मानसिक दिवालियापन' या सत्ता का नशा

15,000 करोड़ के महल के मालिक ने गर्मी में झुलसती जनता का उड़ाया मजाक; जेब से प्याज निकालकर बोले– 'एसी नहीं, इससे मिलती है ठंडक '

महानगर मेट्रो

शिवपुरी/ग्वालियर कहावत है कि 'जैसी संगत, वैसी रंगत'। लेकिन मध्य प्रदेश के शिवपुरी में जो नजारा देखने को मिला, उसने इस कहावत को एक डरावनी हकीकत में बदल दिया है। कभी कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे और अब भाजपा के 'महाराज' बन चुके ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक जनसभा में विज्ञान, तर्क और सामान्य ज्ञान की ऐसी धज्जियां उड़ाईं कि सुनने वाले दंग रह गए। सवाल यह है कि क्या यह महज एक बयान है या फिर सत्ता की सोबती में हुआ 'बौद्धिक पतन'?

हार्वर्ड की शिक्षा बनाम जेब का प्याज

अमेरिका की हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से बीए और एमबीए करने वाले सिंधिया ने 26 अप्रैल 2026 को दावा किया कि वे एसी (ृष्ट) का इस्तेमाल नहीं करते। उन्होंने अपने कुर्ते की जेब से एक प्याज निकालकर जनता को दिखाया और बड़े गर्व से कहा कि इसे जेब में रखने से उन्हें ठंडक मिलती है। 'जिस शख्स के दफ्तर और लग्जरी गाड़ियों में करोड़ों के एसी लगे हों, वह चिलचिलाती धूप में खड़ी गरीब जनता के सामने प्याज का ढोंग करे, इसे जनता का अपमान न कहें तो क्या कहें? ' महानगर मेट्रो का कड़ा प्रहार: क्या यह कुसंगति का असर है? सिंधिया का यह 'ब्रह्मज्ञान' उस जमात में शामिल होने के बाद आया है, जिसकी अपनी डिग्रियों पर हमेशा संशय रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भाजपा में जाने के बाद नेताओं की तर्कशक्ति का 'वाष्पीकरण' हो जाता है। * जनता की बेबसी का उपहास: देश के 146 करोड़ में से लगभग 100 करोड़ लोग भीषण गर्मी में बिना एसी के तप रहे हैं। ऐसे में ?15,000 करोड़ की कीमत वाले 'जय विलास पैलेस' के मालिक का यह पाखंड गरीबों की गरीबी पर नमक छिड़कने जैसा है।

* विज्ञान की बलि: दुनिया के किसी भी स्वास्थ्य ग्रंथ या आयुर्वेद (चरक, सुश्रुत) में यह नहीं लिखा कि जेब में प्याज रखने से गर्मी से बचाव होता है। यह 'सिंधिया ब्रांड' की नई खोज है, जो शायद अब सरकारी किताबों का हिस्सा बना दी जाए!

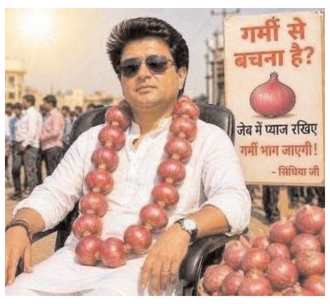

रहीम का दोहा और सिंधिया का सच

रहीम ने कहा था– 'जो रहीम उत्तम प्रकृति का, करी सकत कुसंग। चंदन विष व्यापत नहीं, लिपटे रहत भुजंग।' लेकिन सिंधिया को देखकर लगता है कि रहीम यहाँ गलत साबित हो गए। सत्ता और संघ की 'कुसंगति' ने हार्वर्ड की बुद्धि को भी 'अंधविश्वास' की चादर ओढ़ा दी है। क्या सिंधिया अगर कांग्रेस में होते, तो ऐसा तर्कहीन बयान देने की हिम्मत करते

झूठ का नया शिखर

प्रधानमंत्री मोदी के नक्शेकदम पर चलते हुए सिंधिया भी अब 'सफेद झूठ' बोलने की कला में माहिर हो गए हैं। अपनी विलासिता को 'सादगी' का जामा पहनाकर वे जनता को मूर्ख समझ रहे हैं। वे इतना झूठ बोल रहे हैं कि अब लोग उनसे सच की उम्मीद करना ही छोड़ चुके हैं।

निष्कर्ष जनता सावधान रहे

सिंधिया की बुद्धि की ज्योति बुझ चुकी है और उनका 'आदित्य' अब जनता को केवल 'प्याज वाली ठंडक' का झांसा दे रहा है। महानगर मेट्रो देश की जनता को आगाह करता है– इन राजनेताओं के पाखंड को पहचानें, वरना आपकी जेब में प्याज होगा और उनके महलों में आपकी मेहनत की कमाई का एसी ।

मैथिली ठाकुर का 'बंगाल वाला डर' और भाजपा का 'रिपोर्ट कार्ड': क्या खुद के घर की गंदगी नहीं दिखती

बृजभूषण से लेकर मणिपुर कांड तक; ADR के आंकड़ों ने खोली पोल– भाजपा में 54 माननीयों पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध के केस

महानगर मेट्रो

पटना/कोलकाता: बिहार की भाजपा नेता और लोक गायिका मैथिली ठाकुर इन दिनों चर्चा में हैं, लेकिन अपने गीतों के लिए नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल में एक महिला के तौर पर 'असहज' महसूस करने वाले अपने बयान के लिए। मैथिली जी का यह डर और उनकी यह असहजता आज बुद्धिजीवियों और राजनीतिक विश्लेषकों के गले नहीं उतर रही है। सवाल यह उठ रहा है कि जो मैथिली ठाकुर बंगाल में असुरक्षित महसूस कर रही हैं, वो अपनी ही पार्टी के भीतर व्याप्त 'अपराध तंत्र' को देखकर इतनी सहज कैसे हैं?

पार्टी के भीतर 'दागियों' की लंबी फेहरिस्त

मैथिली बहन, जिस पार्टी का झंडा आप बुलंद कर रही हैं, उसमें चेहरों की कमी नहीं है। क्या आपको उस समय असहजता नहीं हुई जब:

* बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों ने यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए?
* हरदीप पुरी का नाम उन फाइलों में उछला जो महिलाओं के प्रति क्रूरता का दस्तावेज हैं?
* आपके दल के नेता ने एक महिला सांसद को संसद के भीतर 'शूर्पणखा' कहकर अपमानित किया
* देश की एक प्रतिष्ठित महिला को '50 करोड़ की गर्लफ्रेंड' कहकर संबोधित किया गया

मणिपुर और बंगाल: दोहरा मापदंड

मैथिली जी, आपने बंगाल की असुरक्षा पर तो बात की, लेकिन क्या कभी मणिपुर की सुध ली? वहां आपकी ही पार्टी की सरकार है, जहां महिलाओं को निर्वस्त्र कर सड़कों पर घुमाया गया। क्या वहां आपको असहजता महसूस नहीं हुई क्या आपको उस समय शर्म नहीं आई जब आपकी ही पार्टी के विधायक विधानसभा में बैठकर पोन (Porn) देखते पकड़े गए? 'मैथिली जी, 'दीदी ओ दीदी' कहकर एक महिला मुख्यमंत्री को चिढ़ाना और किसी की मां को बार डांसर कहना क्या आपके संस्कारों और आपकी सहजता का हिस्सा है? ' जब सत्ता पक्ष की एक महिला नेता खुद को असुरक्षित बताती है, तो यह लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। लेकिन जब वही नेता अपनी पार्टी के भीतर बैठे 54 महिला-अपराधियों पर मौन साधे रहती है, तो यह उसकी 'चुनिंदा असहजता' (Selective Discomfort) और राजनीति से प्रेरित पाखंड को दर्शाता है। मैथिली जी, एक बार मणिपुर हो आइये, शायद वहां की चीखें आपकी इस बनावटी असहजता को आईना दिखा सकें।

आंकड़े जो रूह कंपा दें (ADR रिपोर्ट 2024)

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) के आंकड़े आपकी 'सहजता' पर करारा तमाचा हैं।

* 151 माननीय दागी: पूरे देश में 151 सांसदों और विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध (छेड़खानी, दुष्कर्म, मारपीट) के मामले दर्ज हैं।
* भाजपा सबसे आगे: इन 151 नामों में से सबसे ज्यादा 54 नाम अकेले आपकी पार्टी भाजपा के हैं।
* बिहार का हाल: 14 अक्टूबर 2025 को जब आप भाजपा में शामिल हुईं, तब बिहार विधानसभा में भाजपा के 64' विधायकों पर आपराधिक केस दर्ज थे। इसमें हत्या और बलात्कार जैसे संगीन जुर्म शामिल थे।

'आप' से भाजपा की ओर पलायन कैलाशदान गढ़वी के दावों ने गुजरात की सियासत में मचाया हड़कंप

क्या 'आम आदमी पार्टी' के भीतर लग चुकी है सेंध गढ़वी के आरोपों से पार्टी नेतृत्व के उड़े होश; गुजरात की राजनीति में बड़े उलटफेर के संकेत

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद: गुजरात की राजनीति में इन दिनों बयानों के तीर नहीं, बल्कि दावों के 'मिसाइल' छोड़े जा रहे हैं। स्थानीय निकाय चुनावों के परिणामों के बाद जहां एक तरफ पार्टियों के बीच वर्चस्व की जंग चल रही है, वहीं कैलाशदान गढ़वी के ताजा दावों ने आम आदमी पार्टी (AAP) के खेमे में खलबली मचा दी है। गढ़वी के इन खुलासों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या गुजरात में 'आप' का कुनबा बिखरने की कगार पर है?

कैलाशदान गढ़वी का 'सियासी विस्फोट'

कैलाशदान गढ़वी ने जो दावे किए हैं, वे केवल अटकलें नहीं बल्कि गुजरात की राजनीति में आने वाले बड़े तूफान का संकेत हैं। उनके विश्लेषण के अनुसार:

* भीतरघात और असंतोष: पार्टी के कई पुराने और जमीनी कार्यकर्ता नेतृत्व की कार्यशैली से नाराज हैं।
* भाजपा का बढ़ता आकर्षण: गढ़वी का दावा है कि 'आप' के कई नेता और नवनिर्वाचित प्रतिनिधि अब भगवा खेमे यानी भाजपा के संपर्क में हैं।
* भरोसे का संकट: पार्टी में अनुशासन की कमी और विचारधारा के भटकाव के कारण कार्यकर्ताओं का मोहभंग हो रहा है।

क्या 'आप' का किला ढहने वाला है?

हालिया चुनावों में जहां भाजपा ने प्रचंड जीत हासिल की है, वहीं आम आदमी पार्टी के कई गढ़ों में सेंध लगी है। कैलाशदान गढ़वी के दावों को अगर सच माना जाए, तो आने वाले दिनों में गुजरात की राजनीति में एक बड़ा 'माइग्रेशन' (पलायन) देखने को मिल सकता है। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि यदि गढ़वी के दावे हकीकत में बदलते हैं, तो 'आप' के लिए गुजरात में अपना अस्तित्व बचाना मुश्किल हो जाएगा।

भाजपा की 'वेट एंड वॉच' नीति

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी इस पूरे घटनाक्रम पर पैनी नजर रखे हुए है। भाजपा हमेशा से 'कांग्रेस मुक्त' के बाद अब 'विपक्ष मुक्त' गुजरात की रणनीति पर काम कर रही है। कैलाशदान गढ़वी जैसे अनुभवी चेहरे के ये दावे भाजपा के लिए 'घी में शक्कर' जैसा काम कर रहे हैं।

महानगर मेट्रो का सटीक विश्लेषण

राजनीति में कोई भी दावा बिना आधार के नहीं होता। कैलाशदान गढ़वी का कद और उनकी राजनीतिक समझ को देखते हुए उनके इन दावों को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

1. नेतृत्व की चुनौती: ईसुदान गढ़वी और अन्य शीर्ष नेताओं के लिए अब चुनौती अपने विधायकों और पार्षदों को एकजुट रखने की है।
2. कार्यकर्ताओं की नाराजगी: अगर कार्यकर्ता भाजपा की ओर आकर्षित हो रहे हैं, तो यह 'आप' के संगठन की विफलता है।
3. भविष्य का संकेत: क्या गुजरात फिर से दो-पक्षीय (BJP vs Congress) राजनीति की ओर लौट रहा है? यह एक बड़ा सवाल है।

गुजरात में 'केसरिया' चक्रवात: जनता ने विपक्ष को नकारा, भाजपा को सौंपा सत्ता का अटूट विश्वास

महानगर मेट्रो के ग्रुप एडिटर पवन माकन ने विजयी उम्मीदवारों को दी बधाई; कहा– 'अब जिम्मेदारी जनसेवा की, एकजुट होकर जीतें लोगों का दिल '

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद: गुजरात की राजनीतिक भूमि पर एक बार फिर 'कमल' का पराक्रम देखने को मिला है। हाल ही में संपन्न हुए स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने जो प्रचंड और बंपर जीत हासिल की है, उसने विपक्षी दलों के हौसले पस्त कर दिए हैं। गुजरात की जागरूक जनता ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (AAP) को सिरे से नकारते हुए साफ कर दिया है कि उन्हें केवल विकास और स्थिरता की राजनीति पर भरोसा है।

विपक्ष का सूपड़ा साफ, भाजपा का परचम

चुनाव परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि गुजरात में फिलहाल भाजपा का कोई विकल्प नजर नहीं आ रहा है। जहां कांग्रेस अपने वजूद की लड़ाई लड़ रही है, वहीं आम आदमी पार्टी के बड़े-बड़े दावे भी जनता की कसौटी पर फेल साबित हुए हैं। शहरों से लेकर गांव तक, हर तरफ भाजपा की जीत की गूंज सुनाई दे रही है।

ग्रुप एडिटर पवन माकन का विजयी संदेश

इस ऐतिहासिक अवसर पर महानगर मेट्रो न्यूज़ पेपर के ग्रुप एडिटर श्री पवन माकन ने सभी नवनिर्वाचित और विजयी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने न केवल जीत का जश्न मनाने बल्कि इस जनादेश के पीछे छिपी जिम्मेदारी को समझने पर भी जोर दिया है।

पवन माकन जी का आह्वान:

'यह जीत केवल आंकड़ों की जीत नहीं है, बल्कि जनता के अटूट विश्वास की जीत है। मैं सभी विजयी उम्मीदवारों को शुभकामनाएं देता हूँ और उनसे यह आह्वान करता हूँ कि अब चुनाव खत्म हो चुके हैं, इसलिए दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट होकर काम करें। जनता ने जो भरोसा आप पर जताया है, उसे बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती है। विकास कार्यों में पारदर्शिता और समर्पण ही इस विश्वास को कायम रखेगा। '

महानगर मेट्रो का नजरिया

गुजरात की जनता ने अपना फैसला सुना दिया है। भाजपा की यह बंपर जीत दर्शाती है कि जनता 'प्रयोगों' के बजाय 'परिणामों' को प्राथमिकता देती है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि नए चुने गए जनप्रतिनिधि ग्रुप एडिटर पवन मा जी के इस 'एकजुटता और जनसेवा' के आह्वान को कितनी गहराई से आत्मसात करते हैं।

जनता का विश्वास: एक बड़ी जिम्मेदारी

ग्रुप एडिटर पवन माकन ने अपने संदेश में स्पष्ट किया कि भारी बहुमत के साथ भारी जिम्मेदारी भी आती है। उन्होंने निर्वाचित प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे जन-जन की समस्याओं को सुनें और गुजरात के स्वर्णिम भविष्य के लिए कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ें।

अमेरिका और ईरान अस्थायी युद्ध विराम के दौरान नाजुक संतुलन और भविष्य की अनिश्चितता

पवन माकन

वैश्विक स्तरपर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नई कहानी नहीं है,बल्कि यह दशकों से विकसित होता एक जटिल भू-राजनीतिक समीकरण है, जो आज 2026 में एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है। जब यूएसएस जॉर्ज एच.डब्लू.बुश,यूएसएस अब्राहम लिनकोलन और यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड जैसे तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देते हैं, तो यह केवल एक सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं मानी जा सकती।

दुनियाँ एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां हर कदम, हर निर्णय, और हर प्रतिक्रिया वैश्विक शांति और स्थिरता को प्रभावित कर सकती है।

अमेरिकी तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देना सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं,क्या यह केवल शक्ति प्रदर्शन या वास्तव में युद्ध की तैयारी?

वैश्विक स्तरपर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नई कहानी नहीं है,बल्कि यह दशकों से विकसित होता एक जटिल भू-राजनीतिक समीकरण है, जो आज 2026 में एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है। जब यूएसएस जॉर्ज एच.डब्लू.बुश,यूएसएस अब्राहम लिनकोलन और यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड जैसे तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देते हैं, तो यह केवल एक सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं मानी जा सकती। यह एक ऐसा संकेत है जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या यह केवल शक्ति प्रदर्शन (शो ऑफ फोर्स) है या वास्तव में युद्ध की तैयारी का पूवार्भास। इस पूरे परिदृश्य को समझने के लिए हमें केवल सैन्यगतिविधियों पर ही नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपे राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक कारकों पर भी गहराई से नजर डालनी होगी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सबसे पहले यदि हम वर्तमान सैन्य स्थिति को देखें, तो तीनों अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप्स की संयुक्त मौजूदगी अपने आप में एक असाधारण घटना है। आमतौर पर अमेरिका किसी एक क्षेत्र में एक या दो कैरियर तैनात करता है, लेकिन तीन कैरियर का एक साथ होना यह दशार्ता है कि वॉशिंगटन इस क्षेत्र कोअत्यधिक संवेदनशील और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मान रहा है। प्रत्येक कैरियर अपने साथ फाइटर जेट्स,मिसाइल सिस्टम, डेस्ट्रॉयर और सबमरीन का पूरा नेटवर्क लेकर चलता है, जिससे यह एक चलते-फिरते सैन्य बेस की तरह काम करता है। इस तरह की तैनाती का सीधा संदेश ईरान को है कि यदि वह किसी भी प्रकार की आक्रामक कार्रवाई करता है, तो उसे तत्काल और व्यापक जवाब का सामना करना पड़ेगा।

साथियों बात अगर हमअमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से तनावपूर्ण संबंधों को समझने की करें तो हाल ही में लागू अस्थायी युद्ध विराम की स्थिति वैश्विक राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। 8 अप्रैल 2026 से लागू यह 14-दिन का विराम, जो अमेरिका और ईरान के बीच सीधे सैन्य टकराव को रोकने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था,अब 27अप्रैल 2026 तक एक नाजुक दौर में प्रवेश कर चुका है। इस विराम के पीछे की कूटनीतिक प्रक्रिया अत्यंत जटिल और संवेदनशील रही है, क्योंकि दोनों पक्षों के बीच

गहरी अविश्वास की स्थिति बनी हुई है। अमेरिका और ईरान दोनों ने इस विराम का पालन करने की प्राथमिकता जताई है, लेकिन साथ ही दोनों ही पक्ष अपने-अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए कड़े रुख पर बने हुए हैं। विशेषकर हॉर्मुज जलडमरूमध्य के संकट और अमेरिकी नौसेना द्वारा ईरानी जहाज टोस्का की जब्ती जैसी घटनाओं ने दोनों देशों के बीच भरोसे को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है। ईरान ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए अमेरिका पर आरोप लगाया है, जबकि अमेरिका इसे हॉर्मुज जलडमरूमध्य में वैश्विक तेल परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

पाकिस्तान की मध्यस्थता में चल रही शांति वार्ता भी फिलहाल गतिरोध में है।इस्लामाबाद में आयोजित होने वाली वार्ता में ईरान ने अमेरिका की हालिया कार्रवाइयों को अस्वीकार्य बताते हुए अंतिम निर्णय पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया है। इस असमंजसपूर्ण स्थिति में, वार्ता न केवल स्थगित हुई है बल्कि इसका भविष्य भी अनिश्चित है। ईरान का तर्क है कि यदि हॉर्मुज जलडमरूमध्य में नाकाबंदी और अमेरिकी जहाजों की जब्ती जैसी घटनाओं को समाधान नहीं मिलता,तो कोई दीर्घकालिक समझौता संभव नहीं है। वहीं, अमेरिका ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया है कि वे इस क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखने और जल मार्ग को सुरक्षित करने के लिए कोई समझौता छोड़ने के मूड में नहीं हैं।

साथियों बात अगर हमअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अभी बयान की करें तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे ईरान के साथ समझौते के बेहद करीब हैं, लेकिन उन्होंने साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर ईरान ने अस्थायी युद्ध विराम का उल्लंघन किया या अमेरिकी हितों पर हमला किया, तो अमेरिका कट्टर सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा। इस प्रकार, अमेरिका का दृष्टिकोण इस क्षेत्र में रणनीतिक दबाव बनाए रखने और ईरान को समझौते के लिए बाध्य करने का रहा है।हॉर्मुज जलडमरूमध्य का संकट, जो विश्व तेल बाजार के लिए संवेदनशील है, वर्तमान तनाव का सबसे महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है। ईरान की नाकाबंदी ने वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में अस्थिरता बढ़ी है। अमेरिका ने इस जलडमरूमध्य को खोलने के लिए न केवल कूटनीतिक दबाव बढ़ाया है, बल्कि युद्ध विकल्पों पर भी अपनी तैयारी दिखाई है। इस बीच ईरान ने स्पष्ट किया है कि अगर अमेरिकी हमला हुआ, तो वे मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाएंगे। यह स्थिति पूरी तरह से अस्थायी युद्ध विराम की स्थिरता को चुनौती दे रही है। इस तरह का तनाव केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे मिडिल ईस्ट और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर परिणाम ला सकता है। तेल की बढ़ती कीमतें, व्यापार में व्यवधान और क्षेत्रीय सैन्य तनाव, वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर रहे हैं।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में रूस की भूमिका इस संकट में नई गहराई जोड़ रही है इसको समझने की करें तो, ईरान के विदेश मंत्री रूस के राष्ट्रपति से मुलाकात करने रूस जा रहे हैं, ताकि मिडिल ईस्ट के हालात और हॉर्मुज की नाकाबंदी पर चर्चा की जा सके। यह कदम न केवल ईरान की कूटनीतिक सक्रियता को दशार्ता है, बल्कि यह भी संकेत है कि ईरान अमेरिका के एकतरफा दबाव को अस्वीकार करते हुए बहुपक्षीय दृष्टिकोण अपनाना चाहता है। रूस की मध्यस्थता संभावित रूप से अस्थायी युद्ध विराम को स्थिर करने और दोनों पक्षों को बातचीत की मेज पर वापस लाने में मदद कर सकती है। इसके अलावा, इस कदम से यह भी साफ होता है कि ईरान वैश्विक शक्ति संतुलन के दृष्टिकोण से अपने विकल्पों का विस्तार करना चाहता है, ताकि अमेरिका पर निर्भरता कम हो और मध्यस्थ देशों के माध्यम से सटीक रूप से दबाव संतुलित किया जा सके।

साथियों हालांकि, स्थिति अत्यंत नाजुक है। 27 अप्रैल 2026 की स्थिति के अनुसार, अस्थायी युद्ध विराम टूटने की कगार पर है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य में नाकाबंदी, जहाजों की जब्ती और अमेरिका की सैन्य दबाव नीति ने दोनों देशों के बीच अविश्वास को और गहरा कर दिया है।पाकिस्तान की मध्यस्थता और रूसी कूटनीतिक प्रयास फिलहाल गतिरोध में हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इस तनावपूर्ण दौर में किसी भी पक्ष की जल्दबाजी एक व्यापक सैन्य संघर्ष की चिंगारी पैदा कर सकती है। अमेरिका और ईरान दोनों ही अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए सख्त रुख पर बने हुए हैं, जिससे वार्ता में किसी भी प्रकार के तत्काल समाधान की संभावना कम दिख रही है। इस तनाव का प्रभाव न केवल क्षेत्रीय स्तर पर, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर भी पड़ रहा है।

साथियों अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक मानते हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान युद्ध विराम का भविष्य पूरी तरह अनिश्चित है। अगर ईरान और अमेरिका के बीच कूटनीतिक समाधान नहीं निकला,तो हॉर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य संघर्ष और तेल आपूर्ति में व्यवधान, विश्व बाजार में अप्रत्याशित अस्थिरता ला सकते हैं। दूसरी ओर,अगर रूस और पाकिस्तान जैसे मध्यस्थ देश वार्ता में सक्रिय भूमिका निभा पाए, तो युद्ध विराम को स्थिर किया जा सकता है और दीर्घकालिक समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया जा सकता है। इस तरह, अमेरिका और ईरान का अस्थायी युद्ध विराम एक नाजुक संतुलन पर टिका हुआ है, जो किसी भी समय बदल सकता है, और इसकी सफलता पूरी तरह से दोनों पक्षों के कूटनीतिक दृष्टिकोण, अंतरराष्ट्रीय दबाव और क्षेत्रीय सैन्य रणनीति पर निर्भर करती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पुरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि, अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान तनाव और अस्थायी युद्ध विराम, वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा है। यह दिखाता है कि मध्यपूर्व में सैन्य और कूटनीतिक संतुलन बेहद संवेदनशील है, और किसी भी छोटे कदम या गलती से बड़ी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं कीश्रृंखला शुरू हो सकती है। 27 अप्रैल 2026 तक का यह चरण न केवल अमेरिका और ईरान के द्विपक्षीय संबंधों का परिक्षण है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी यह एक चुनौती है कि वह मध्यस्थता, कूटनीति और दबाव की संतुलित रणनीति अपनाए, ताकि मिडिल ईस्ट में स्थिरता और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

संपादकीय

हास्य पर बंदिश

आज सूचना क्रांति और सोशल मीडिया के दौर में पूरी दुनिया में गहरे तंज करती डिजिटल सामग्री का उफान है। जो दुनिया की भौगोलिक सीमाओं और सत्ता के शिकंजे से मुक्त होकर स्वतंत्र प्रवाह लिए हुए है। लेकिन इसके बावजूद देश में स्टैंडिंग कॉमेडियनों और व्यंग्यकारों के लिए राजनेताओं पर व्यंग्य करना तलवार की धार पर चलने जैसा बना हुआ है। 'नाक पर मक्खी न बैठने देने' वाले सत्तारूढ़ राजनेता कॉमेडियनों पर शिकंजा कसने को तैयार बैठे होते हैं। इसी कड़ी में हैदराबाद के कॉमेडियन शरत उदय के बेंगलुरु स्थित स्टैंड-अप शो में शनिवार को तेलुगु देशम पार्टी यानी टीडीपी के समर्थकों के एक समूह ने मंच पर आकर जो उत्पात मचाया, निस्संदेह वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। टीडीपी के समर्थकों ने मंच पर आकर उन्हें तेलुगु देशम पार्टी के नारे लगाने को बाध्य किया। इस हुड़दंग से यह कार्यक्रम बाधित हो गया। इसके चलते न केवल उदय को अपना कार्यक्रम रोकना पड़ा, बल्कि एक बार फिर माफी मांगनी पड़ी। दरअसल, दो साल पहले उदय के व्यंग्यात्मक चुटकुलों के जरिये आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनके बेटे राज्य मंत्री नारा लोकेश को लक्षित किया गया था। निस्संदेह,यह अभिव्यक्ति व रचनात्मकता पर अंकुश लगाने का कुत्सित प्रयास ही कहा जाएगा। सही मायनों में यह घटनाक्रम हास्य-व्यंग्यपूर्ण असहमति के प्रति बढ़ती असहनशीलता का एक और उदाहरण है। गाहे-बगाहे विभिन्न राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक दलों द्वारा ऐसी अलोकतांत्रिक प्रतिक्रियाएं सामने आती ही रहती हैं। जबकि हकीकत यह है कि हास्य का संसार बड़े लोगों की सहिष्णुता व उदारता से ही फलता -फूलता है। खासकर उस भारतीय समाज में जहां अकसर कबीरदास की यह उक्ति दोहरायी जाती है - 'निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय। बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय।' उनका कहना था कि आलोचक हमारी कमियां बताकर हमारे स्वभाव को शुद्ध और निर्मल बना देते हैं। सही मायनों में व्यंग्य व हास्य इंसान की सहज अभिव्यक्ति के तौर पर लिया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यदि हमारे राजनेता व बड़े लोग व्यंग्य या आलोचना को सहजता से लेते हैं तो इससे समाज में हास्य-विनोद भरपूर फलता-फूलता है। विशेष रूप से राजनीतिक व्यंग्य भारत में लंबे समय तक सत्ता को आईना दिखाता रहा है। पंडित नेहरु जैसे नेता कार्टूनिस्टों की तल्ख अभिव्यक्ति को सहजता से लेते थे और व्यंग्यकारों का सम्मान करते थे। धीर-गंभीर राजनेता आलोचना को जनता की नसीहत मानते रहे हैं। कालांतर राजनेताओं की इस सोच में पराभव देखा गया है। विडंबना ही है कि वर्ष 2024 में नायडू व लोकेश पर किए गए व्यंग्य के लिये उदय को फिर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को मजबूर किया गया।

चिंतन-मनन

धन का भार

पाटलिपुत्र में नाभिकुमार की गिनती सबसे संपन्न लोगों में होती थी। लेकिन अपार धन-संपत्ति होते हुए भी उन्होंने कभी दान नहीं दिया था। कई लोगों ने उन्हें इस बारे में कहा था पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक रात उनके घर चोर ने सेंध लगाई। उसने सावधानी से घर का कीमती सामान एकत्र किया और उसकी एक बड़ी पोटली बनाई। पोटली सिर पर रखते ही वह गिर गई और आवाज होते ही नाभिकुमार की आंखें खुल गईं।

ह चोर के पास आए और पोटली उठाने में उसकी मदद करने लगे। चोर को डर से कांपते हुए देखकर नाभिकुमार ने उससे कहा-डरो मत, तुम यह सब ले जा सकते हो। मगर तुम भी मेरे ही जैसे लगते हो। मैंने भी अपने जमा धन से किसी और के लिए कुछ नहीं निकाला। इसलिए मेरा धन भी मुझ पर भार की तरह है। अगर तुम भी मेरी तरह नहीं करते और पोटली में से थोड़ा सामान निकाल लिए होते तो तुम्हारे लिए इसे उठाना आसान हो जाता। खैर, तुम अब यह सामान ले जा सकते हो। चोर यह सुनकर दंग रह गया।

उसने प्रायश्चित करने के उद्देश्य से कहा- आप यह सब वापस ले लीजिए और मुझे क्षमा कीजिए। नाभिकुमार ने कहा- तुम्हें एक ही शर्त पर क्षमा किया जा सकता है। तुम इसमें से कुछ धन ले लो और कोई काम-धंधा शुरू कर दो। इस प्रकार मेरा धन परोपकार के काम में लग जाएगा और तुम्हारा जीवन भी सुधर जाएगा। चोर ने वैसा ही किया। नाभिकुमार उस दिन से हर किसी की सहायता करने लगे।

प्रचंड गर्मी का कहरः लू के थपेड़ों से झुलसता देश, राहत की आस में टकटकी लगाए लोग

कांतिलाल मांडोत

देश के बड़े हिस्से में इस समय भीषण गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। उत्तर भारत से लेकर पश्चिम और पूर्वी क्षेत्रों तक तापमान लगातार बढ़ रहा है और आम जनजीवन पर इसका गहरा असर पड़ रहा है। खासकर बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में हालात ज्यादा गंभीर होते जा रहे हैं, जहां तापमान 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच चुका है। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है, क्योंकि आने वाले दिनों में स्थिति और अधिक विकट होने की संभावना जताई गई है।

बिहार में गर्मी ने अप्रैल के महीने में ही जून जैसी स्थिति पैदा कर दी है। कई जिलों में तापमान सामान्य से 2 से 6 डिग्री अधिक दर्ज किया जा रहा है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि मौसम का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, पटना, अरवल और जहानाबाद जैसे जिलों में हीट वेव का अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में तेज गर्म हवाएं चलने और तापमान 44 डिग्री तक पहुंचने की आशंका है। दिन के समय सड़कों पर निकलना किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। लोग जरूरी काम के बिना घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं और जो निकल रहे हैं, वे सिर पर गमछा या दुपट्टा लपेटकर ही बाहर जा रहे हैं।

पटना सहित कई शहरों में तापमान 41 डिग्री के पार जा चुका है, जबकि बक्सर में 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से काफी अधिक है। रोहतास के डेहरी, गया, शेखपुरा और अरवल जैसे क्षेत्रों में भी तापमान 42 डिग्री के आसपास बना हुआ है। इस तरह की स्थिति न केवल असहज है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए यह मौसम बेहद चुनौतीपूर्ण बन गया है। हालांकि मौसम विभाग ने उत्तर और उत्तर-पूर्वी बिहार के कुछ हिस्सों में थोड़ी राहत की संभावना जताई है। पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज में हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवा के साथ वज्रपात की संभावना व्यक्त की गई है। लेकिन यह राहत सीमित और अस्थायी ही मानी जा रही है, क्योंकि पूरे राज्य में गर्मी का प्रभाव अभी बना रहेगा।

उत्तर प्रदेश में भी हालात कम चिंताजनक नहीं हैं। यहां भी तापमान तेजी से बढ़ रहा है और लू का असर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थिति सबसे अधिक गंभीर है, जहां बांदा जिले का तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। प्रयागराज भी 43.7 डिग्री के साथ पीछे नहीं है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 22 जिलों में हीट वेव की चेतावनी जारी की है और कहा है कि 25 अप्रैल तक तापमान में लगातार वृद्धि होती रहेगी। लखनऊ स्थित आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 26 अप्रैल के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है, जिससे कुछ क्षेत्रों में बादल छाने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। इससे तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है, लेकिन तब तक लोगों को इस प्रचंड गर्मी का सामना करना ही पड़ेगा।

देश के अन्य हिस्सों की बात करें तो गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान जैसे राज्यों में भी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। कई शहरों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर बना हुआ है और लू के थपेड़े लोगों को दिन के समय घरों में रहने के लिए मजबूर कर रहे हैं। सड़कों पर दोपहर के समय सन्नाटा छा जाता है और केवल जरूरी काम से ही लोग बाहर निकलते हैं।

इस बढ़ती गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों पर भी पड़ रहा है। जल स्रोत सूखने लगे हैं और पक्षियों को पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। कई सामाजिक संगठन और जागरूक नागरिक पक्षियों के लिए पानी के बर्तन रखकर राहत पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

गर्मी के इस प्रकोप ने स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दबाव बढ़ा दिया है। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और अन्य गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। डॉक्टरों का कहना है कि इस समय सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। शरीर में पानी की कमी न होने दें, हल्का और ठंडा भोजन करें और तेज धूप में बाहर निकलने से बचें। जलवायु परिवर्तन भी इस तरह की चरम मौसम स्थितियों का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि हर साल तापमान में बढ़ोतरी और हीट वेव की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। यह केवल एक मौसमी बदलाव नहीं बल्कि एक गंभीर वैश्विक समस्या का संकेत है, जिसका समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

सरकार और प्रशासन भी इस स्थिति से निपटने के लिए प्रयास कर रहे हैं। कई जगहों पर हीट एक्शन प्लान लागू किया गया है, जिसमें लोगों को जागरूक करने, पानी की व्यवस्था करने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने जैसे कदम शामिल हैं। लेकिन इस चुनौती का सामना केवल सरकारी प्रयासों से नहीं बल्कि समाज के हर व्यक्ति की जागरूकता और सहयोग से ही किया जा सकता है।

गर्मी के इस दौर में जीवनशैली में बदलाव भी जरूरी हो गया है। दिनचर्या को इस तरह से ढालना होगा कि शरीर पर गर्मी का असर कम से कम पड़े। सुबह और शाम के समय ही जरूरी काम निपटाने की कोशिश करनी चाहिए और दोपहर के समय घर के अंदर ही रहना बेहतर है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि इस समय देश भीषण गर्मी की चपेट में है और आने वाले कुछ दिन और कठिन हो सकते हैं। ऐसे में धैर्य, सावधानी और सतर्कता ही इस संकट से बचने का सबसे बड़ा उपाय है। लोग राहत की उम्मीद में आसमान की ओर देख रहे हैं, जहां बादलों की एक हल्की परत भी उन्हें सुकून दे सकती है। लेकिन तब तक इस तपती धूप और लू के थपेड़ों के बीच खुद को सुरक्षित रखना ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

आशा, करुणा और मानवीय संवेदनाओं का जीवंत उत्सव

ललित गर्ग

हर वर्ष 29 अप्रैल को मनाया जाने 'विश्व इच्छा दिवस' मानवता के उन कोमल स्पंदनों को अभिव्यक्त करता है, जो हमें एक-दूसरे से जोड़ते हैं। यह केवल एक दिवस नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, करुणा और आशा का वैश्विक अभियान है। इस दिन का मूल उद्देश्य उन बच्चों के जीवन में खुशी और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है, जो गंभीर और जानलेवा बीमारियों से जूझ रहे हैं। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि जीवन की वास्तविक सुंदरता दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने में निहित है। इस प्रेरणादायी दिवस का संबंध विश्वविख्यात संस्था मेक-ए-विश फाउंडेशन से है, जो दशकों से बीमार बच्चों की इच्छाओं को साकार कर उन्हें जीवन का नया अर्थ दे रही है। यह संस्था न केवल इच्छाओं को पूरा करती है, बल्कि उन बच्चों के भीतर जीने की आशा, साहस और मानसिक शक्ति का संचार भी करती है।

इस दिवस का इतिहास अत्यंत भावनात्मक और प्रेरणादायक है। वर्ष 1980 में सात वर्षीय क्रिस ग्रेसियस जो ल्यूकेमिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे, उनकी अंतिम इच्छा एक पुलिस अधिकारी बनने की थी। जब यह बात स्थानीय पुलिस तक पहुंची, तो उन्होंने न केवल उसकी इच्छा को समझा, बल्कि उसे पूरा करने का संकल्प भी लिया। 29 अप्रैल 1980 को क्रिस को एक दिन के लिए पुलिस अधिकारी बनाया गया, उन्हें वर्दी पहनाई गई और पूरे सम्मान के साथ यह अनुभव दिया गया। उस दिन क्रिस के चेहरे पर जो मुस्कान थी, वह केवल एक बच्चे की खुशी नहीं थी, बल्कि मानवता की संवेदनशीलता का जीवंत प्रमाण थी। दुर्भाग्यवश, कुछ ही दिनों बाद उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी यह छोटी-सी इच्छा एक वैश्विक आंदोलन की नींव बन गई। इसी घटना से प्रेरित होकर मेक-ए-विश फाउंडेशन की स्थापना हुई, जिसने समय के साथ एक विशाल रूप ले लिया। आज यह संस्था विश्व के अनेक देशों में सक्रिय है और लाखों बच्चों की इच्छाओं को पूरा कर चुकी है। यह संस्था यह सिद्ध करती है कि एक छोटी-सी पहल भी दुनिया में बड़ा परिवर्तन ला सकती है।

आधुनिक युग में, जब जीवन की गति अत्यंत तेज हो गई है और व्यक्ति अपने स्वार्थों एवं महत्वाकांक्षाओं में उलझा हुआ है, ऐसे में यह दिवस एक चेतना का संदेश लेकर आता है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हमारी इच्छाएं केवल हमारे लिए हैं, या हम दूसरों के जीवन में भी कुछ रोशनी ला सकते हैं। आज समाज में संवेदनाओं का क्षरण हो रहा है, लोग एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं, और मानवीय संबंधों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है। ऐसे समय में विश्व इच्छा दिवस मानवीय मूल्यों के पुनर्जागरण का अवसर प्रदान करता है। इच्छाएं मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग हैं। वे केवल आकांक्षाएं नहीं, बल्कि जीवन की दिशा और ऊर्जा का स्रोत हैं। जब इच्छाएं सकारात्मक होती हैं, तो वे व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं, उसके भीतर आत्मविश्वास और रचनात्मकता का विकास करती हैं। प्रसिद्ध विचारक एंथोनी स्टे. मारटीन का कथन है कि यदि मनुष्य अपनी सबसे बड़ी इच्छाओं को साकार करने की क्षमता नहीं रखता, तो वह उन्हें सोच भी नहीं सकता। यह विचार इस बात को स्पष्ट करता है कि इच्छाएं हमारे भीतर की संभावनाओं का प्रतिबिंब होती हैं।

विश्व इच्छा दिवस इस सत्य को भी उजागर करता है कि इच्छाएं केवल व्यक्तिगत नहीं होतीं, वे सामाजिक भी होती हैं। एक व्यक्ति की सकारात्मक इच्छा पूरे समाज में परिवर्तन ला सकती है। जब हम किसी बीमार बच्चे की इच्छा पूरी करते हैं, तो हम केवल उसकी खुशी का कारण नहीं बनते, बल्कि उसके परिवार और समाज के लिए भी आशा का स्रोत बन जाते हैं। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें देने वाला और पाने वाला दोनों ही समृद्ध होते हैं। वर्तमान समय में यह और भी आवश्यक हो गया है कि हम अपनी इच्छाओं को सकारात्मक दिशा दें। नकारात्मक इच्छाएं जहां व्यक्ति को तनाव और असंतोष की ओर ले जाती हैं, वहीं सकारात्मक इच्छाएं उसे संतुलन, शांति और संतोष प्रदान करती हैं। यही कारण है कि विश्व इच्छा दिवस केवल इच्छाओं की पूर्ति का उत्सव नहीं है, बल्कि यह सकारात्मक सोच और जीवन दृष्टि का भी उत्सव है।

यदि 2026 के संदर्भ में इस दिवस की भावना को समझा जाए, तो इसे 'आशा बांटें, खुशियां जगाएं' के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है। यह संदेश हमें यह सिखाता है कि हम अपने छोटे-छोटे प्रयासों से भी किसी के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। एक मुस्कान, एक सहयोग, या एक संवेदनशील कदम किसी के लिए जीवन बदल देने वाला अनुभव बन सकता है। इस दिवस का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह हमें सामाजिक भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। हम सभी अपने स्तर पर इस अभियान का हिस्सा बन सकते हैं-चाहे वह आर्थिक सहयोग के माध्यम से हो, स्वयंसेवा के द्वारा हो, या किसी जरूरतमंद बच्चे की पहचान कर उसकी सहायता करने के रूप में हो। आज डिजिटल युग में सोशल मीडिया भी एक सशक्त माध्यम बन गया है, जिसके द्वारा हम इस संदेश को व्यापक स्तर पर फैला सकते हैं।

निश्चिततौर परविश्व इच्छा दिवस हमें यह सिखाता है कि जीवन का वास्तविक अर्थ केवल अपने लिए जीने में नहीं, बल्कि दूसरों के लिए जीने में है। जब हम किसी के चेहरे पर मुस्कान लाते हैं, तो हम स्वयं भी भीतर से प्रसन्न होते हैं। यही सच्चा आनंद है, यही सच्ची संतुष्टि है। आज जब दुनिया अनेक चुनौतियों से जूझ रही है, चाहे वह मानसिक तनाव हो, सामाजिक विघटन हो या मानवीय संवेदनाओं का ह्रास-ऐसे समय में यह दिवस आशा की एक किरण बनकर सामने आता है। यह हमें यह विश्वास दिलाता है कि यदि हम चाहें, तो अपने छोटे-छोटे प्रयासों से भी दुनिया को एक बेहतर स्थान बना सकते हैं। इसलिए इस विश्व इच्छा दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम केवल अपनी इच्छाओं तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि दूसरों की इच्छाओं को भी अपना मानेंगे। हम अपने भीतर करुणा, सहानुभूति और सहयोग की भावना को विकसित करेंगे और मानवता के इस सुंदर अभियान का हिस्सा बनेंगे। क्योंकि अंततः एक छोटी-सी इच्छा ही किसी के जीवन में सबसे बड़ा परिवर्तन ला सकती है और यही इस दिवस का सबसे गहरा और सच्चा संदेश है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जयंत की दोस्ती बीजेपी के लिए नई टेंशन, पश्चिमी यूपी में कट सकता है कई विधायकों का पत्ता

महानगर मेट्रो

आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी के एनडीए के साथ आने से सियासी कुनबा जरूर बढ़ गया है, लेकिन बीजेपी के विधायकों की टेंशन बढ़ गई है. आरएलडी 2027 में पश्चिमी यूपी में उन तमाम सीटों पर नजर लगाए हुए हैं, जिस पर फिलहाल बीजेपी का कब्जा है. ऐसे में देखना है कि बीजेपी कैसे संतुलन बनाएगी? उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की 'सियासी प्रयोगशाला' पश्चिमी यूपी बना रहा है. आरएलडी के प्रमुख जयंत चौधरी को साथ लेकर बीजेपी ने पश्चिमी यूपी की सियासत में अपने एनडीए का कुनबा बढ़ा लिया है, लेकिन 2027 के विधानसभा चुनाव में सीट शेयरिंग से टिकट वितरण तक की चुनौती खड़ी हो गई है. आरएलडी से गठबंधन के चलते पश्चिमी यूपी में बीजेपी के कई मौजूदा विधायकों की सीट पर संकट गहरा गया है. जयंत चौधरी से दोस्ती बनाए रखने के लिए बीजेपी को अपने एक दर्जन से ज्यादा सेंटिग विधायकों की सीट देनी पड़ सकती है? 2022 में जयंत चौधरी ने सपा के साथ मिलकर चुनाव लड़े थे और आरएलडी 8 सीटें जीती थी. इसके बाद एक सीट उपचुनाव में जीती है, जिसे मिलाकर आरएलडी के पास 9 विधायक हैं. इस तरह आरएलडी अपनी जीती हुई सीटों के साथ-साथ उन सीटो पर भी नजर गढ़ाए हुए हैं, जिस पर बीजेपी का कब्जा है. ऐसे

में आरएलडी को साथ बनाए रखने के लिए बीजेपी को ही त्याग करना होगा उत्तर प्रदेश में जयंत चौधरी अब बीजेपी के साथ हैं. 2027 का चुनाव बीजेपी के साथ ही मिलकर लड़ने का प्लान बनाया है, लेकिन सीट शेयरिंग का फॉर्मूला सुलझाना आसान नहीं है. 2022 में सपा के साथ रहते हुए आरएलडी ने 33 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें ज्यादतर सीटें पश्चिमी यूपी की रही हैं. आरएलडी ने भले ही अब गठबंधन का साथी बदल लिया हो, लेकिन सीट शेयरिंग में बहुत ज्यादा समझौता करने के मूड में नहीं है. आरएलडी के एक बड़े नेता ने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव में हम भले ही 2 सीटों पर लड़ने के लिए तैयार हो गए गए थे, लेकिन 2027 चुनाव में 35 सीट से कम पर पार्टी समझौता नहीं करेगी. इसके लिए आरएलडी की तरफ से 2002 में बीजेपी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने वाले फार्मूले की याद दिला रही है. 2002 में आरएलडी ने बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था, उस समय आरएलडी ने 38 सीट पर उम्मीदवार उतारे थे. इसमें आरएलडी 14 सीटें जीतने में कामयाब रही थी. यही वजह है कि आरएलडी एक बार फिर से उतनी ही सीटें मांग रही हैं. पिछले ढाई दशक में यूपी की सियासत बहुत बदल गई है, जिसके चलते आरएलडी को उसके इच्छा के मुताबिक बीजेपी सीटें छोड़ेगी, यह मुश्किल है. आरएलडी को सीटें देने का मतलब है कि फिर बीजेपी के दूसरे सहयोगी भी ज्यादा सीटों की डिमांड रखेंगे. इस लिहाज से बीजेपी 2027 में आरएलडी को बहुत ज्यादा से ज्यादा 15 से 18 सीटें ही दे सकती है, लेकिन इस पर जयंत चौधरी रजामंद होंगे?

जयंत की दोस्ती में बीजेपी विधायकों पर खतरा

जयंत चौधरी के साथ दोस्ती को बनाए रखने में बीजेपी के कई विधायकों की सीटों पर संकट गहरा सकता है. 2022 में आरएलडी ने शामली जिले में शामली और थाना भवन, मुजफ्फरनगर जिले के बुढ़ाना, पुरकाजी और मीरापुर, बागपत की छपरौली, हाथरस की सादाबाद और मेरठ की सिवालखास सहित आठ सीटों पर जीती थी. इसके बाद आरएलडी ने मुजफ्फरनगर की खतौली सीट जीती थी. आरएलडी अपनी कब्जे वाली 9 सीटों पर चुनाव लड़ने के साथ-साथ बागपत, गाजियाबाद, सहारनपुर, बिजनौर, अलीगढ़, मेरठ, मुजफ्फरनगर, शामली, बुलंदशहर, अमरोहा, हाथरस नोएडा और आगरा जिले की सीटों पर चुनाव लड़ने की प्लानिंग कर रखी है. आरएलडी के चलते बीजेपी के कई मौजूदा विधायकों की सीट पर खतरा मंडरा सकता है. यूपी विधानसभा चुनाव के करीब एक साल पहले आरएलडी ने अपनी पसंद की सीटों की फेहरिस्त बनाकर दावा ठोकना शुरू कर दिया है. आरएलडी के संभावित कैंडिडेटों ने तो बाकायदा सीट अपने कोटे में मानकर प्रचार भी करना शुरू कर दिया है, जिसके चलते बीजेपी के कई नेता और विधायक कशमकश की स्थिति में नजर आ रहे. ऐसे में बीजेपी के लिए आरएलडी के लिए अपने मौजूदा विधायकों की सीटें छोड़नी पड़ सकती है.

बीजेपी कई विधायकों की सीट पर संकट गहराया

पश्चिमी यूपी की सियासत को देखते हुए, आरएलडी एक अहम फैक्टर है. केसी त्यागी के आरएलडी में आने के बाद किठौर, हस्तिनापुर और मुरादनगर के अलावा बागपत की तीनों अन्य सीटों पर बीजेपी के लिए सियासी संकट गहरा गया है. गाजियाबाद की लोनी सीट पर बीजेपी के नंद किशोर विधायक हैं, जिसे आरएलडी 2027 में बीजेपी से लेना चाहेगी. 2022 में आरएलडी बहुत मामूली वोटों से लोनी सीट हारी थी, जिसके चलते उसकी नजर लगी हुई है. मोदीनगर की सीट पर भी आरएलडी की नजर है, जहां से बीजेपी की विधायक डा. मंजू शिवाच है. 2012 से 2017 तक आरएलडी से विधायक रहे सुदेश शर्मा मुरादनगर की सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है. ऐसे में डॉ. मंजू शिवाच के लिए टिकट बचाना मुश्किल हो सकता है. इसके अलावा हस्तिनापुर और सरधना की सीट पर भी जयंत चौधरी की नजर है, जिसके चलते बीजेपी के नेता कशमकश की स्थिति हैं.

फंसे तो याद आ रहे गांधी के सिद्धांत, प्रतीकों में भी बेईमानी', केजरीवाल के 'सत्याग्रह' पर कांग्रेस हमलावर

महानगर मेट्रो

आम आदमी पार्टी ने चीफ अरविंद केजरीवाल ने वीडियो जारी कर कहा है कि उन्हें जस्टिस स्वर्णकांत शर्मा से न्याय मिलने की उम्मीद टूट चुकी है। उन्होंने महात्मा गांधी के सत्याग्रह का हवाला देते कहा कि वह वैचारिक विरोध का रास्ता अपनाएंगे। अब इस मामले पर कांग्रेस ने केजरीवाल पर निशाना साधा है। नई दिल्ली आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा, जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा जी से न्याय मिलने की मेरी उम्मीद टूट चुकी है। इसलिए वे न तो खुद अदालत में पेश होंगे और न ही अपने वकील को भेजेंगे। उन्होंने महात्मा गांधी के सत्याग्रह का हवाला देते हुए कहा कि अब वे कानूनी लड़ाई के बजाय नैतिक और वैचारिक विरोध का रास्ता अपनाएंगे। केजरीवाल के इस बयान पर कांग्रेस उन पर हमलावर हो गई है। पूर्व सांसद व कांग्रेस नेता उदित राज ने अरविंद केजरीवाल पर महात्मा गांधी के सत्याग्रह का जिक्र करने पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, सच में लोग भोले बाले हैं, केजरीवाल को देखकर तो यही लगता है।

'फसें तो याद आ रहे गांधी के सिद्धांत'

उदित राज ने कहा, केजरीवाल ने अपने घर-ऑफिस में भगत सिंह और डॉ. अंबेडकर को छोड़कर कभी गांधी जी की कोई तस्वीर नहीं लगाई। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, अब जब फसें तो गांधी का सिद्धांत और सत्याग्रह याद आ गया। प्रतीकों में भी भ्रष्टाचार और बेईमानी।

क्या है मामला

20 अप्रैल को दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने अरविंद केजरीवाल की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने दिल्ली आबकारी नीति मामले की सुनवाई से न्यायमूर्ति को खुद को अलग करने की मांग की थी। अपना निर्णय सुनाते हुए न्यायमूर्ति शर्मा ने स्पष्ट किया कि याचिका पर विचार किए बिना सुनवाई से पीछे हट जाना एक आसान विकल्प होता, किंतु उन्होंने संस्थागत शुचिता और गरिमा को सर्वोपरि रखते हुए मामले के गुण-दोष के आधार पर निर्णय लेना उचित समझा। उन्होंने उल्लेख किया कि जब उन्होंने अपना फैसला पढ़ना शुरू किया, तो न्यायालय कक्ष में पूर्ण निस्तब्धता (सन्नाटा) छा गई थी। न्यायमूर्ति ने आगे कहा कि उनके समक्ष यह केवल एक कानूनी प्रश्न नहीं था, बल्कि एक ऐसी चुनौती थी जिसने न्यायाधीश और न्यायिक संस्था, दोनों को 'परीक्षण' की कसौटी पर खड़ा कर दिया था।

दिल्ली हाई कोर्ट ने क्या कहा?

दिल्ली हाईकोर्ट ने इस बात को दोहराते हुए कहा था कि जब तक ठोस सबूतों से खंडन न हो जाए, न्यायाधीश की निष्पक्षता को मान लिया जाता है और किसी वादी की महज आशंका या व्यक्तिगत धारणा के आधार पर न्यायाधीश को मामले से अलग नहीं किया जा सकता है। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि किसी वादी को ऐसी स्थिति उत्पन्न करने की अनुमति नहीं दी जा सकती, जिससे न्यायिक प्रक्रिया का स्तर गिरे। झूठ, चाहे अदालत में या सोशल मीडिया पर, हजार बार दोहराया जाए, सच नहीं बनता। केजरीवाल द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए न्यायाधीश ने कहा कि पक्षपात के दावों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है, जिनमें अधिवक्ता परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी या उनके परिवार के सदस्यों की पेशेवर व्यस्तता से संबंधित आरोप भी शामिल हैं।

'जितने ज्यादा जुल्म करेंगे, आपका उतना बुरा हश्र होगा', राघव चड्ढा मामले पर आतिशी ने बीजेपी को घेरा

महानगर मेट्रो

दिल्ली की पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने दिल्ली में महिलाओं को 2500 रुपये देने के बीजेपी सरकार के वादे को अब तक पूरा नहीं किए जाने पर सवाल उठाए। वहीं AAP के राज्यसभा सांसदों को बीजेपी में शामिल किए जाने पर भी रिएक्ट किया।

बीजेपी के हुए राघव चड्ढा तो भड़कीं आतिशी

नई दिल्लीः राघव चड्ढा समेत सात राज्यसभा सांसदों के आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल होने पर सियासी घमासान बढ़ता जा रहा है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और AAP नेता आतिशी ने पूरे मामले पर करारा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कल राज्यसभा सेक्रेटेरिएट का मर्जर का नोटिफिकेशन गैर-कानूनी और असंवैधानिक है। आतिशी ने कहा कि बीजेपी किसी भी तरह इस देश के संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। मैं भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहना चाहूंगी कि इतिहास कहता है कि आप जितने ज्यादा जुल्म करेंगे, आपका उतना ही बुरा हश्र होगा।

AAP सांसदों के बीजेपी में मर्जर पर आतिशी के सवाल

आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के बीजेपी में शामिल होने पर आतिशी ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने साफ ऑर्डर दिए हैं और यह संविधान में साफ लिखा है। AAP सांसद संजय सिंह ने भी राज्यसभा सेक्रेटेरिएट को इस बारे में बताया था कि संविधान के मुताबिक, जब असल राजनीतिक दल मर्ज होती है, तो उस मर्जर के लिए 2/3 लेजिस्लेटिव पार्टी की भी जरूरत होती है। लेकिन दलबदल विरोधी कानून के तहत, इस देश में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि 2/3 सांसद या विधायक किसी दूसरी पार्टी में मर्ज कर सकें। लेकिन भाजपा को इससे क्या फर्क पड़ता है बीजेपी किसी भी तरह इस देश के संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। मैं भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहना चाहूंगी कि इतिहास कहता है कि आप जितने ज्यादा जुल्म करेंगे, आपका उतना ही बुरा हश्र होगा। आतिशी, नेता प्रतिपक्ष, दिल्ली विधानसभा

पीएम मोदी-बीजेपी को आतिशी की नसीहत

दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी ने आगे कहा कि यह साफ है कि भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति के खत्म होने का समय करीब है। इसलिए, उनके जुल्म बढ़ गए हैं। लेकिन इस दुनिया के इतिहास में जब भी जुल्म बढ़े हैं, कोई न कोई आया है। उन अत्याचारों को खत्म किया है।

'महिलाओं के खाते में कब आएंगे 2500 रुपये?'

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने प्रदेश की बीजेपी सरकार से महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देने के चुनावी वादे को अब तक पूरा नहीं किए जाने पर सवाल उठाए हैं। AAP नेता ने कहा कि जनवरी 2025 में, दिल्ली चुनावों से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वादा किया था कि 8 मार्च 2025 को, दिल्ली की हर महिला के खाते में 2500 रुपये आएंगे। उन्होंने कहा था कि यह 'मोदी की गारंटी' है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अब तो 8 मार्च 2026 भी बीत चुका है, लेकिन दिल्ली की महिलाओं के खाते में 25 पैसे भी नहीं आए।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता पर निशाना

आतिशी ने कहा कि दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता चुनावों के लिए पश्चिम बंगाल में प्रचार करने जाती हैं। वहां वह कहती हैं कि बंगाल की महिलाओं को पैसे दिए जाएंगे। उन्होंने दिल्ली की महिलाओं को धोखा दिया और एक झूठे वादे पर उनके वोट हासिल किए, लेकिन दिल्ली की महिलाएं अभी भी उनसे पूछ रही हैं कि उन्हें 2500 रुपये कब मिलेंगे। बीजेपी ने दिल्ली की महिलाओं को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जो महिलाएं ष्ठञ्जष्ट में आराम से सफर कर सकती थीं क्योंकि उन्हें मुफ्त टिकट मिलते, वे अब पिंक कार्ड के लिए कतारों में खड़ी हैं। आतिशी, AAP नेता

आतिशी का आरोप- अब दर-दर भटक रहीं महिलाएं

दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी ने कहा कि जिन महिलाओं को मोहल्ला क्लीनिक में मुफ्त दवाएं और मुफ्त इलाज मिलता था, वे अब दर-दर भटक रही हैं, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ने 100-150 मोहल्ला क्लीनिक बंद कर दिए हैं। वे बाकी बचे क्लीनिकों को भी बंद करने वाले हैं। इसलिए, इस एक दिन के सत्र में, हमारे पास बीजेपी से सिर्फ एक सवाल है - वे 2500 रुपये कब आएंगे?

UP : एटा में युवक ने की खुदकुशी, पत्नी से विवाद के चलते उठाया कदम... 4 साल पहले हुई थी शादी

महानगर मेट्रो

एटा में एक युवक की आत्महत्या की घटना बेहद दुखद है. यहां वैवाहिक विवाद और मानसिक तनाव ने उसकी जिंदगी पर गहरा असर डाला. जिसके चलते उसने अपनी जिंदगी खत्म कर ली. उत्तर प्रदेश के एटा जिले के महाराणा प्रताप नगर क्षेत्र में मंगलवार को एक 28 वर्षीय युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. अधिकारी के मुताबिक मृतक की पहचान विनीत (28) के रूप में हुई है, जो एक निजी कंपनी में कार्यरत था और अपने परिवार के साथ रहता था. पुलिस के अनुसार विनीत की शादी करीब चार साल पहले हुई थी, लेकिन पिछले एक वर्ष से उसके वैवाहिक जीवन में तनाव चल रहा था. शुरुआती जांच में सामने आया है कि पति-पत्नी के बीच विवाद के कारण उसकी पत्नी अपने

मायके में रह रही थी और लंबे समय से वापस नहीं लौटी थी. इस वजह से विनीत मानसिक तनाव में था और अक्सर इस बात को लेकर चिंतित रहता था. परिजनों ने बताया कि घटना के समय विनीत घर पर ही था. जब काफी देर तक वह कमरे से बाहर नहीं निकला, तो परिवार के सदस्यों को संदेह हुआ. दरवाजा खोलकर देखने पर वह फांसी के फंदे से लटका मिला. इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई. सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया. थाना प्रभारी प्रेमपाल सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है. शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिससे मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सके. मृतक के भाई विपिन कुमार ने पुलिस को बताया कि विनीत अपनी पत्नी के साथ चल रहे विवाद को लेकर काफी परेशान था और इसी कारण मानसिक रूप से तनावग्रस्त रहता था. पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर लिए हैं और मामले की जांच जारी है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. फिलहाल किसी भी तरह की साजिश या अन्य कारणों के संकेत नहीं मिले हैं, लेकिन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है. यह घटना एक बार फिर यह दर्शाती है कि पारिवारिक विवाद और मानसिक तनाव व्यक्ति के जीवन पर गहरा असर डाल सकते हैं.

उत्तरप्रदेश में इस साल 100000 पुलिसवालों की होगी भर्ती, सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया ऐलान

महानगर मेट्रो

लखनऊः यूपी में अगले साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा ऐलान किया है। सीएम योगी ने प्रदेश के युवाओं के लिए इस साल एक लाख नई पुलिस भर्ती निकालने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्?नति बोर्ड इस साल लगभग एक लाख नए पदों पर भर्ती प्रक्रिया संपन्?न करेगा। इसके अलावा सब इंस्पेक्टर, होमगार्ड और अन्?य विभिन्न श्रेणी के पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। मंगलवार को सीएम योगी आदित्?यनाथ ने लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्?ठान में 936 हेड ऑपरेटर और हेड ऑपरेटर (मैकेनिकल) को नियुक्ति पत्र सौंपा। राज्य सरकार पुलिस भर्ती को लेकर काफी एक्टिव है। अभी पिछले रविवार को ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित 60,244 आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती वर्ष-2025 बैच के पुलिस आरक्षियों के दीक्षांत परेड समारोह में हिस्सा लिया था। इस अवसर पर परेड का निरीक्षण करने के साथ ही विभिन्न श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली

आरक्षियों को पुरस्कार का वितरण भी किया गया था। सशक्त कानून-व्यवस्था ही विकास की पहली गारंटी होती है। पुलिस ने जो गुंडा और माफिया मुक्त वातावरण बनाया है,इसके कारण ह देश और दुनिया के बड़े निवेशक उत्तर प्रदेश का रुख कर रहे हैं। सीएम योगी आदित्?यनाथ

'2017 से पहले सिर्फ 3 हजार पुलिसकर्मी ही ले पाते थे ट्रेनिंग'

सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहल यूपी में ट्रेनिंग क्षमता मात्र 3 हजार पुलिसकर्मियों की थी। हमारी सरकार ने इस व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन किया है। इसके परिणामस्वरूप हाल ही में 60,244 सिपाहियों ने उत्तर प्रदेश के केंद्रों में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। अपने प्रदेश के जवानों को ट्रेनिंग के लिए अन्य राज्यों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं रह गई है।

2024 में निकली थी आखिरी बार भर्ती

आपको बता दें कि इससे पहले 2024 में 60,244 सिपाहियों की भर्ती का कार्यक्रम निकला था। पूरे राज्य में कई शिफ्टों में इसकी परीक्षा कराई गई थी। इसमें करीब 20 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित थे। इन पदों के लिए लाखों म्मीदवारों ने आवेदन किया था। हाल ही में इन सिपाहियों की ट्रेनिंग पूरी हुई है। जल्द ही इनकी पोस्टिंग से जुड़े आदेश जारी होंगे।

गाजियाबाद में जनगणना ड्यूटी से बचने की होड़, बहानों से लेकर नेताओं तक से करवा रहे फोन

महानगर मेट्रो

उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद में जनगणना ड्यूटी लगते ही सरकारी कर्मचारियों, खासकर शिक्षकों, के बीच ड्यूटी से बचने की होड़ मच गई है। गाजियाबाद जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य की शुरुआत होते ही गाजियाबाद में सरकारी तंत्र के भीतर अलग ही हलचल देखने को मिल रही है, जहां एक ओर प्रशासन इस महायोजना को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूरा करने की तैयारी में जुटा है, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी, खासकर शिक्षक वर्ग, इस ड्यूटी से बचने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। छुट्टी की अर्जियों, मेडिकल बहानों और सिफारिशी फोन कॉल्स की बाढ़ ने जिला प्रशासन के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है, जिससे पूरे सिस्टम में खींचतान की स्थिति बन गई है।

शिक्षक सबसे आगे, सबसे ज्यादा आवेदन

जनगणना ड्यूटी से बचने के मामले में शिक्षकों की संख्या सबसे अधिक सामने आ रही है। जिला प्रशासन के अनुसार, कुल प्राप्त आवेदनों में सबसे बड़ी हिस्सेदारी शिक्षक वर्ग की है। कोई पुराने कमर दर्द का हवाला दे रहा है तो कोई स्कूल के शैक्षणिक कार्यों का दबाव बता रहा है। शिक्षकों का तर्क है कि वे पहले ही चुनाव ड्यूटी और अन्य गैर-शैक्षणिक कार्यों में व्यस्त रहते हैं, ऐसे में जनगणना का अतिरिक्त भार उठाना मुश्किल है।

सिफारिशी फोन से लेकर बहानों की भरमार

जनगणना ड्यूटी लगते ही जिला प्रशासन के दफ्तरों में छुट्टी की अर्जियों और सिफारिशी पत्रों का अंबार लग गया है। कर्मचारी घर-घर जाकर डेटा जुटाने की जिम्मेदारी से बचने के लिए कभी बीमारी तो कभी पारिवारिक मजबूरियों का हवाला दे रहे हैं। हालांकि इस बार प्रशासन सख्त रुख अपनाए हुए है और स्पष्ट कर दिया गया है कि बिना ठोस कारण के किसी की ड्यूटी नहीं हटाई जाएगी।

नेताओं के फोन से बढ़ी परेशानी

जब सामान्य आवेदन और बहाने काम नहीं आ रहे, तो अब कर्मचारी सिफारिशों का सहारा ले रहे हैं। जिला प्रशासन के अधिकारियों को बड़े नेताओं, मंत्रियों और रसूखदार व्यक्तियों के फोन लगातार आ रहे हैं, जिनमें संबंधित कर्मचारियों की ड्यूटी हटाने की मांग की जा रही है। स्थिति यह हो गई है कि अधिकारी दिनभर कॉल्स से जूझ रहे हैं, लेकिन प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि सिफारिशों के आधार पर कोई राहत नहीं दी जाएगी।

प्रशासन का सख्त का सख्त रवैया

जिला प्रशासन ने इस बार साफ संदेश दिया है कि केवल बहाने नहीं, बल्कि ठोस प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे। मेडिकल इमरजेंसी या अत्यंत जरूरी कारणों के अलावा किसी को भी ड्यूटी से छूट नहीं दी जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि यदि सभी कर्मचारी ड्यूटी से बचने लगेंगे, तो इतनी बड़ी राष्ट्रीय प्रक्रिया को पूरा करना संभव नहीं होगा।

कार्रवाई की चेतावनी

जनगणना कार्य के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने हेतु ट्रेनिंग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, लेकिन कई कर्मचारी जानबूझकर इसमें शामिल नहीं हो रहे हैं। ट्रेनिंग सेंटर पर ट्रेनर मौजूद रहते हैं, जबकि स्टाफ की उपस्थिति कम दर्ज की जा रही है। प्रशासन ने ऐसे कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि ट्रेनिंग में अनुपस्थित रहने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नोएडाः बुजुर्ग से 85 लाख की ठगी, खुद को CBI अधिकारी बता ठगों ने ऐंठे रुपये

महानगर मेट्रो

नोएडा के सेक्टर-51 में एक 84 वर्षीय बुजुर्ग साइबर ठगी का शिकार हो गए. ठगों ने खुद को साइबर सेल और CBI अधिकारी बताकर 'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाया. फिर व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर पूछताछ कर 'मनी ट्रेल वेरिफिकेशन' के नाम पर उनसे 85 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए. नोएडा के सेक्टर-51 स्थित केंद्रीय विहार में रहने वाले 84 वर्षीय बुजुर्ग के साथ साइबर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है. यहां ठगों ने खुद को साइबर सेल और सीबीआई अधिकारी बताकर उन्हें झांसे में लिया और डिजिटल अरेस्ट कर करीब 85 लाख रुपये की ठगी कर ली.

एक बार 30, फिर 55 लाख कराया गया ट्रांसफर

पीड़ित धीरेंद्र के शिकायत के अनुसार उनके पास एक कॉल आया जिसमें कॉलर ने खुद को बेंगलुरु साइबर सेल का अधिकारी बताया. उसने कहा कि उनके आधार कार्ड का दुरुपयोग कर अवैध गतिविधियों में इस्तेमाल हो रहा मोबाइल खरीदा गया है. इसके बाद कॉल को दूसरे लोगों से जोड़ दिया गया, जिन्होंने खुद को पुलिस और सीबीआई अधिकारी बताया और मनी लॉन्ड्रिंग व अन्य गंभीर मामलों में फंसाने की धमकी दी. 7 से 22 अप्रैल के बीच ठगों ने व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए लगातार पूछताछ की और खुद को सुप्रीम कोर्ट और सीबीआई से जुड़ा बताकर डराया. उन्होंने गिरफ्तारी और संपत्ति जब्ती का डर दिखाकर पीड़ित से बैंक खातों की जानकारी ली और पैसे ट्रांसफर करवा लिया. ठगों के झांसे में आकर पीड़ित ने पहले 13 अप्रैल को 30 लाख रुपये और फिर 21 अप्रैल को 55 लाख रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए. ठगों ने इसे 'मनी ट्रेल वेरिफिकेशन' बताकर भरोसा दिलाया कि जांच पूरी होने के बाद रकम वापस कर दी जाएगी. आखिरी बार 22 अप्रैल को ठगों ने एक फर्जी सीबीआई लेटर दिखाकर 1.24 करोड़ रुपये और जमा करने का दबाव बनाया, जिसे पीड़ित ने मना कर दिया. इसके बाद ठगों ने संपर्क बंद कर दिया. जिसके बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ. जिसके बाद पीड़ित ने 25 अप्रैल को ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है और उसके बाद थाना साइबर क्राइम सेक्टर 36 में भी शिकायत दर्ज करवाया. अब साइबर क्राइम पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है.

दिल्ली में AAP नेता संग दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग, पिस्टल छोड़कर भाग गए बदमाश

महानगर मेट्रो

दिल्ली के शाहदरा इलाके में आम आदमी पार्टी के नेता संग दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग की घटना सामने आई है। आप से पूर्व विधायक प्रत्याशी दो स्कूटर सवार बदमाशों से भिड़ गए। इस दौरान उन्होंने बदमाशों ने उन्हें डराने की कोशिश, लेकिन उन्होंने बदमाशों की पीछा किया। नई दिल्ली शाहदरा जिले के कृष्णा नगर इलाके में सोमवार सुबह आम आदमी पार्टी (AAP) नेता और पूर्व विधायक प्रत्याशी विकास बग्गा से स्कूटर सवार दो बदमाशों ने चेन झपट ली।

बदमाशों ने पिस्टल दिखाकर लोगों को डराने की कोशिश की, लेकिन पड़ोसी की बहादुरी और पीड़ित के पीछा करने के चलते आरोपी चेन का आधा हिस्सा और पिस्टल छोड़कर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, विकास बग्गा सोमवार सुबह बच्चे को स्कूल बस तक छोड़ने गए थे। वह स्कूटर से वापस लौट रहे थे, तभी पीछे से स्कूटर पर आए दो नकाबपोश बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली।

बदमाशों से भिड़े विकास

विकास के शोर मचाने पर पास में खड़े उनके पड़ोसी जुगल किशोर ने बदमाशों को रोकने की कोशिश की। एक बदमाश ने उन पर पिस्टल तान दी। जुगल किशोर ने बिना डरे बदमाशों की और अपनी कार की चाबी फेंक कर मार दी, जिससे बदमाश के हाथ से पिस्टल सड़क पर गिर गई।स्न्ढ्ढबदमाश घबराकर भाग निकले। विकास बग्गा ने स्कूटर से उनका पीछा किया, लेकिन बदमाश आनंद विहार की ओर भागे। रास्ते में चेन का आधा हिस्सा सड़क पर गिर गया। उसे उठाने के लिए जैसे ही बदमाशों ने स्कूटर रोका, विकास भी वहां पहुंच गए। खुद को घिरता देख एक बद?माश ने सड़क से पत्थर उठाकर विकास पर हमला करने की कोशिश की। बदमाश चेन का आधा हिस्सा वहीं छोड़कर फरार हो गए।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

घटना की सूचना मिलने पर कृष्णा नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से बदमाशों की पिस्टल और चेन का आधा हिस्सा कब्जे में ले लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

सिंधिया के 'प्याज' पर दिग्विजय का तंज, बोले; BJP नेताओं से छीन लो AC कारें, जेब में डलवाओ प्याज

महानगर मेट्रो

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जेब से प्याज निकालकर क्या दिखाई, पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह को भाजपा पर पलटवार का मौका मिल गया। उन्होंने सिंधिया की तरीफ करते हुए कहा कि, भाजपा नेताओं से एसी कारें वापस ले लेना चाहिए और उनके हाथों में प्याज थमा देना चाहिए... गुना: एमपी में गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र की राजनीति हमेशा से दो कद्दावर चेहरों, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के इर्द-गिर्द घूमती रही है। फिलहाल मध्यप्रदेश की सियासत में इन दिनों 'प्याज' चर्चा का केंद्र बनी हुई है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का जेब में प्याज लेकर घूमने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त सुर्खियां बटोर रहा है। इस वीडियो ने जहां सिंधिया के समर्थकों को प्रभावित किया है, वहीं कांग्रेस के दिग्गज नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह को तंज कसने का एक नया मौका दे दिया है। दिग्विजय ने सिंधिया के इस अंदाज को आधार बनाकर पूरी भाजपा को निशाने पर लिया है।

AC कारों पर 'राजघराने' वाली नसीहत

दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर एक पोस्ट साझा करते हुए सिंधिया की सादगी पर कटाक्ष किया। उन्होंने लिखा कि सभी भाजपा नेताओं को सिंधिया से प्रेरणा लेनी चाहिए। दिग्विजय ने तंज भरे लहजे में सुझाव दिया कि सरकार को भाजपा नेताओं की तमाम AC कारें वापस ले लेनी चाहिए और उनके हाथों में प्याज थमा देनी चाहिए। उन्होंने आगे चुटकी लेते हुए लिखा कि इतने बड़े राजघराने में जन्म लेने के बावजूद सिंधिया जिस सादगी और घरेलू नुस्खे का परिचय दे रहे हैं, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। दरअसल, यह पूरा मामला शिवपुरी में आयोजित एक जनसभा से शुरू हुआ। भीषण गर्मी के बीच जनता को संबोधित करते हुए सिंधिया ने एक राज खोला। उन्होंने कहा– 'मैं अपनी कार में AC नहीं चलाता, बल्कि जेब में एक प्याज रखता हूं।' सिंधिया ने मंच पर अपनी जेब से प्याज निकालकर दिखाते हुए दावा किया कि यह प्याज शरीर का तापमान नियंत्रित रखती है और 51 डिग्री की तपिश में भी लू से बचाती है। इसी दौरान सभा में मौजूद एक बुजुर्ग 'काका' ने भी अपनी जेब से प्याज निकालकर दिखाई, जिससे माहौल काफी आत्मीय हो गया था। बहरहाल गुना-शिवपुरी क्षेत्र में अब यह चर्चा आम है कि सादगी का यह 'प्याज फॉर्मूला' लू से बचाए न बचाए, लेकिन सियासी गर्मी जरूर बढ़ा रहा है।

ऐसे समझे पूरा मामला

ज्योतिरादित्य सिंधिया में जेब से प्याज निकालकर दिखाई थी
सार्वजनिक मंच से कहा था, 51 डिग्री गर्मी में भी बचाती है
बोले थे, मैं अपनी कार का एसी नहीं चलाता हूं
कोई पूछता है तो कहता हूं चंबल की चमड़ी है
लू से बचने का सीक्रेट है, जेब में प्याज लेकर चलें
दिग्विजय ने इसी वीडियो पर एक्स पर लिखा था
भाजपा नेताओं से एसी कारें छीनकर प्याज देना चाहिए

सिंगाजी परियोजना में बड़ा हादसा, कन्वेयर बेल्ट से टकराकर कर्मचारी की मौत, 36 घंटे से लगातार कर रहा था ड्यूटी

महानगर मेट्रो

मध्यप्रदेश के खंडवा स्थित सिंगाजी परियोजना में बड़ा हादसा हुआ है। कन्वेयर बेल्ट की चपेट में आने से कर्मचारी रविंद्र चौहान की मौत हो गई है। इसके बाद मजदूरों ने जमकर हंगामा किया है। रविंद्र चौहान ओवर टाइम कर रहे थे।

मौत के बाद हंगामा करते कर्मचारी

खंडवाः जिले की संत सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना में सोमवार देर रात एक दर्दनाक औद्योगिक हादसे में 21 वर्षीय कर्मचारी की मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि घटनास्थल पर मौजूद कर्मचारियों की रूह कांप उठी। मृतक कर्मचारी कन्वेयर बेल्ट की चपेट में आ गया, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट लगी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और परियोजना प्रशासन मौके पर पहुंचा। मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

विनायक इलेक्ट्रिकल कंपनी के माध्यम से करता था काम

मूंदी पुलिस के अनुसार, आंवलिया ग्राम निवासी रविंद्र चौहान (21) विनायक इलेक्ट्रिकल कंपनी के माध्यम से संत सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना में कार्यरत था। सोमवार देर रात वह प्लांट परिसर में कन्वेयर बेल्ट के पास काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक वह बेल्ट की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसके सिर में गंभीर चोट आई और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद वहां मौजूद अन्य कर्मचारियों में दहशत फैल गई। कई मजदूरों ने तुरंत काम बंद कर दिया और प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई।

मूंदी पुलिस ने मामले की शुरू की जांच

हादसे की जानकारी मिलते ही बीड चौकी और मूंदी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। प्लांट की सुरक्षा टीम भी मौके पर मौजूद रही। मूंदी थाना प्रभारी राजेंद्र नरवरिया ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और इसमें किसकी लापरवाही सामने आती है।

परिजनों का आरोपः बिना सूचना चालू की गई मशीन

मृतक के भाई अरविंद चौहान, जो स्वयं परियोजना में कार्यरत हैं,उन्होंने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि संभवतः बिना किसी पूर्व सूचना के मशीन चालू कर दी गई, जिससे रविंद्र कन्वेयर बेल्ट की चपेट में आ गया। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि रविंद्र पिछले 36 घंटे से लगातार ड्यूटी कर रहा था। लगातार ओवरटाइम और थकान भी हादसे की एक बड़ी वजह हो सकती है। मजदूरों ने प्रबंधन पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी का आरोप लगाया है।

सिंगाजी पावर प्लांट में बड़ा हादसा

खंडवा स्थित सिंगाजी पावर प्लांट में बड़ा हादसा कर्मचारी रविंद्र चौहान की दर्दनाक मौत कन्वेयर बेल्ट की चपेट में आने से मौत कर्मचारी की मौत के बाद मजदूरों ने किया हंगामा

हंगामे के बाद आधी रात को पहुंचे चीफ इंजीनियर

हादसे के बाद स्थानीय लोगों और मजदूरों ने देर रात हंगामा किया। स्थिति बिगड़ती देख संत सिंगाजी थर्मल पावर के चीफ इंजीनियर जे.सी. जूनवाल मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिवार को न्याय दिलाने और उचित मुआवजा देने का आश्वासन दिया। इसके बाद मजदूरों और स्थानीय लोगों का आक्रोश शांत हुआ। चीफ इंजीनियर ने कहा कि मृतक कर्मचारी के परिवार के साथ पूरी संवेदनशीलता से न्याय किया जाएगा और नियमानुसार हर संभव सहायता दी जाएगी।

12 साल में 25 से ज्यादा मजदूरों की मौत

संत सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना में मजदूर की मौत का यह पहला मामला नहीं है। पिछले 12 वर्षों में यहां 25 से अधिक मजदूरों की मौत हो चुकी है। हर हादसे के बाद सुरक्षा व्यवस्थाओं और लापरवाही के सवाल उठते रहे हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल मुआवजा देकर मामलों को शांत कर दिया जाता है।

शिवराज और मुकेश टंडन की हत्या करोगे तभी मिलेंगे पैसे, किसान ने सुसाइड से पहले बनाया वीडियो, पूर्व विधायक पर लगाए आरोप

महानगर मेट्रो

विदिशा में एक किसान के सुसाइड से पहले बनाए गए आखिरी वीडियो ने राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मचा दिया। वीडियो में किसान ने पूर्व विधायक शशांक भार्गव पर शिवराज सिंह चौहान और विधायक मुकेश टंडन की हत्या की सुपारी देने का आरोप लगाया। इसके बाद किसान ट्रेन के आगे कूद गया. मध्य प्रदेश के विदिशा से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जबकि घटना के पीछे कहानी सुनकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया। एक किसान ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। लेकिन इस आत्महत्या ने अब एक बड़े सियासी तूफान का रूप ले लिया है। मौत को गले लगाने से पहले किसान ने एक सनसनीखेज वीडियो बनाया, जिसमें उसने कांग्रेस के पूर्व विधायक शशांक भार्गव पर न केवल प्रताड़ना, बल्कि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और विधायक मुकेश टंडन की हत्या की साजिश रचने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।

क्या है पूरा मामला

विदिशा जिले में सोमवार शाम करीब 4 बजे एक गुर्जर किसान ने ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। घटना के बाद मृतक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में किसान की बेबसी और गुस्सा साफ नजर आ रहा है।

पुलिस के लिए चुनौती बने मृतक के वीडियो

किसान ने पूर्व विधायक पर लगाए गंभीर आरोप शिवराज सिंह चौहान और विधायक टंडन की हत्या की सुपारी के आरोप पूर्व विधायक शशांक भार्गव से लेते थे रूपए किसान का आरोप, भार्गव कहते हैं, पहले दोनों को मारो वीडियो में दो रिवाल्वर का भी जिक्र कर रहे थे

वीडियो में किसान के बड़े दावे, पुलिस भी सकते में आई

वीडियो में किसान उसे हत्या की सुपारी देने का आरोप लगा रहा था। वीडियो के अनुसार उसने आरोप लगाया कि पूर्व विधायक शशांक भार्गव उसके पैसे नहीं लौटा रहे थे। वीडियो में किसान कह रहा है-भार्गव कहते हैं कि जब तू शिवराज मामा और मुकेश टंडन की हत्या करेगा, तभी तेरे पैसे मिलेंगे। किसान का कहना था कि वह पूर्व विधायक के दबाव और प्रताड़ना से पूरी तरह टूट चुका था।

पिताजी पर बनाया जा रहा था दबावः कुलदीप

मृतक के बेटे दीपक गुर्जर ने भी इन आरोपों को दोहराया है। दीपक के मुताबिक, उसके पिता पूर्व विधायक शशांक भार्गव की जमीन लीज पर लेकर खेती करते थे। पिछले कुछ समय से उन पर लगातार मानसिक दबाव बनाया जा रहा था, जिससे तंग आकर उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया।

पूर्व विधायक ने बताया राजनीतिक साजिश

इन आरोपों पर पूर्व विधायक शशांक भार्गव ने सफाई दी है। उन्होंने इसे पूरी तरह से 'राजनीतिक साजिश' करार दिया। भार्गव का कहना है कि उनकी छवि खराब करने के लिए इस मामले को राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए प्रशासन को पूरा सहयोग करने का भरोसा दिया है।

वायरल वीडियो की सत्यता की जांच कर रही पुलिस

थाना प्रभारी आशुतोष सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है। पुलिस फिलहाल वायरल वीडियो की सत्यता की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि सुसाइड नोट या किसी भी लिखित दस्तावेज की जांच के बाद दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मध्य प्रदेश में यूनिफॉर्म सिविल कोड की तैयारी, सरकार ने हाई लेवल कमेटी बनाई, 60 दिन में रिपोर्ट सबमिट होगी

महानगर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार समान नागरिक संहिता (uniform civil code) लागू करने की दिशा में कदम बड़ा रही है। सरकार ने इसके लिए 5 सदस्यीय हाईलेवल कमेटी का गठन किया है। सुप्रीम कोर्ट की रिटायर्ड जज रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली यह समिति विवाह, तलाक और उत्तराधिकार जैसे कानूनों की समीक्षा करेगी। कमेटी को 60 दिन के अंदर विस्तृत रिपोर्ट और ड्राफ्ट बिल सरकार को सौंपेगी...

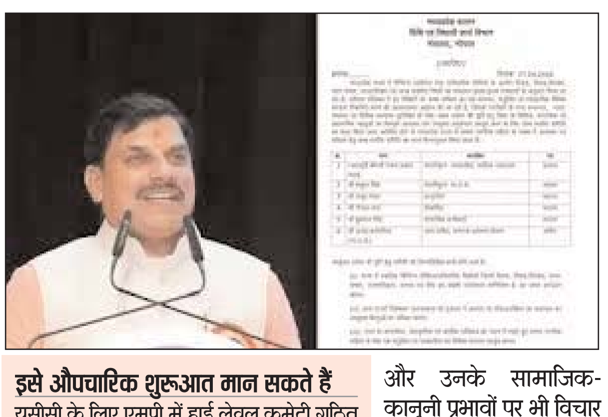

इसे औपचारिक शुरूआत मान सकते हैं

यूसीसी के लिए एमपी में हाई लेवल कमेटी गठित
सुप्रीम कोर्ट की रिटायर्ड न्यायाधीश होंगी अध्यक्ष
5 सदस्यीय कमेटी में विशेषज्ञ भी शामिल
60 दिन में कमेटी अपनी रिपोर्ट सौंपेगी
कमेटी विभिन्न कानूनों की समीक्षा करेगी

मध्य प्रदेश सरकार ने यूसीसी के लिए हाई लेवल कमेटी का गठन

भोपालः मध्य प्रदेश में भी देश के गुजरात और उत्तराखंड सहित अन्य प्रदेशों की तरह एक समान नागरिक संहिता (यूससी) लागू करने की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। मोहन सरकार ने इसके लिए एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई को बनाया गया है। समिति में सदस्यों और सदस्य सचिव की नियुक्ति भी की गई है। कमेटी आगामी 60 दिन में रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपेगी। मध्य प्रदेश सरकार के विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने आदेश जारी कर यूसीसी ड्राफ्ट तैयार करने के लिए उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर दिया है। इसमें रिटायर्ड जस्टिस रंजना देसाई को अध्यक्ष, सेवानिवृत्त आईएएस शत्रुघन सिंह, कानूनविद अनूप नायर, शिक्षाविद गोपाल शर्मा और सामाजिक कार्यकर्ता बुधपाल सिह को सदस्य बनाया गया है। वहीं अपर सचिव अजय कटेसरिया सदस्य सचिव रहेंगे।

संवेदनशील मुद्दों की समीक्षा भी रिपोर्ट में शामिल होगी

मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (UCC) को लेकर बनी उच्च स्तरीय समिति सिर्फ कानूनी बदलाव तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसका प्रमुख फोकस महिलाओं और बच्चों के अधिकारों को मजबूत करना होगा। सरकार ने पांच सदस्यीय इस समिति का गठन कर इसे 60 दिनों में ठोस सिफारिशें देने की जिम्मेदारी सौंपी है। सुप्रीम कोर्ट की रिटायर्ड जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित यह समिति विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे संवेदनशील मुद्दों की समीक्षा करेगी। खास बात यह है कि समिति लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े नियमों और उनके सामाजिक-कानूनी प्रभावों पर भी विचार करेगी, जो अब तक राज्य स्तर पर कम चर्चा में रहे हैं।

कमेटी सभी से सुझाव लेगी, परामर्श बैठकें भी होंगी

सरकार ने इस प्रक्रिया को ज्यादा समावेशी बनाने के संकेत दिए हैं। समिति आम लोगों, धार्मिक संगठनों और विभिन्न वर्गों के विशेषज्ञों से सुझाव लेगी, ताकि प्रस्तावित कानून व्यावहारिक और संतुलित हो सके। इसके लिए प्रदेशभर में परामर्श बैठकों की भी योजना बनाई जा रही है।

अन्य राज्यों के मॉडल का अध्ययन भी किया जाएगा

सूत्रों के मुताबिक, उत्तराखंड और गुजरात जैसे राज्यों के मॉडल का अध्ययन कर मध्य प्रदेश के सामाजिक ढांचे के अनुरूप ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा। यह पहल इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि UCC को लेकर देशभर में बहस तेज है और ऐसे में मध्य प्रदेश का कदम अन्य राज्यों के लिए भी दिशा तय कर सकता है। अगर तय समयसीमा में रिपोर्ट आती है, तो आने वाले महीनों में प्रदेश में UCC को लेकर ठोस विधायी प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

MP : नर्मदापुरम में शादी समारोह में खेलते समय स्मॉर्ट वॉच फटी, दो भाई हुए जख्मी, रहें सावधान

महानगर मेट्रो

नर्मदापुरम स्थित एक मैरिज गार्डन में दो बच्चे स्मार्ट वॉच से खेल रहे थे। इस दौरान स्मार्ट वॉच में ब्लास्ट हो गया है। ब्लास्ट में दोनों बच्चे घायल हो गए हैं। इन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां से इलाज के बाद छोड़ दिया गया है।

अस्पताल में इलाज के दौरान दोनों भाई

मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में एक ऐसी घटना घटी है, जिससे आपको सावधान रहने की जरूरत है। एक शादी समारोह के दौरान दो भाई स्मार्ट वॉच से खेल रहे थे। इस दौरान स्मार्ट वॉच फट गई है। वॉच फटने से दोनों भाई का हाथ जल गया है। हालांकि प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।

मैरिज गार्डन में थी शादी

दरअसल, नर्मदापुरम जिले के फोरलेन पर स्थित सौम्य शादी गार्डन में दो सगे भाई वेदांत चौधरी और सूर्यांश चौधरी अपने माता-पिता के साथ आए थे। दोनों इटारसी के ग्राम चॉदोन से आये थे। इसी दौरान रविवार रात 11 बजे वेदांत के हाथ मे बंधी स्मार्ट वॉच में विस्फोट हुआ। इस घटना में दोनों भाइयों के हाथों मे चोट आई है। दोनों बच्चों को परिजन नर्मदापुरम के एक निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे।

इलाज के बाद भेज दिया घर

यहां डॉक्टरों ने करीब एक घंटे के उपचार करने के बाद उन्हें घर भेज दिया है। दोनों बच्चों की स्थित ठीक है। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि दोनों बच्चे आपस मे सगे भाई हैं। एक के हाथ में बंधी स्मार्ट वॉच में विस्फोट हो गया। बाजू में बैठे उसके भाई को भी चोट आई है। दोनों की स्थित ठीक है। स्मार्ट वॉच के साथ सावधान रहें स्मार्ट वॉच को उसके साथ मिले चार्जर से ही चार्ज करें बच्चे पायरो बैट्री से स्मार्ट वॉच को कर रहे थे कनेक्ट कनेक्ट करने के दौरान ही स्मार्ट वॉच में ब्लास्ट

कैसे हुआ विस्फोट

बताया जा रहा है कि दोनों भाई स्मार्ट वॉच के साथ-साथ पायरो बैट्री से खेल रहे थे। पायरो बैट्री का इस्तेमाल दूल्हा-दुल्हन की एंट्री में इस्तेमाल होने वाली आतिशबाजी के दौरान की जाती है। स्मार्ट वॉच को दोनों बच्चे पायरो बैट्री से जोड़ रहे थे। इसी दौरान हादसा हुआ है।

नौ वोल्ट की होती है यह बैट्री

गौरतलब है कि पायरो बैट्री नौ वोल्ट की होती है। शादी और इवेंट समारोह के दौरान होने वाली आतिशबाजी के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। स्पार्क पैदा कर पायरो बैट्री पटाखे जलाती है।

अस्पताल की इक्विपमेंट ट्रॉली में फंसा महिला का सिर, डक्ट में झांकने से भयानक हादसा

महानगर मेट्रो

महाराष्ट्र राज्य के नासिक के एक मेडिकल कॉलेज में लापरवाही और हादसे ने सनसनी फैला दी, जहां एक महिला कर्मचारी का सिर होइस्ट ट्रॉली में फंस गया. घटना CCTV में कैद हुई और चार मिनट तक चली जद्दोजहद के बाद उसे बचाया गया. मामले में शिकायत दर्ज होने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने अपनी सफाई भी पेश की है. नासिक शहर के अडगांव इलाके में डॉ. वसंतराव पवार मेडिकल कॉलेज में सोमवार, 27 अप्रैल को इक्विपमेंट के ड्रम ले जाने वाली एक ट्रॉली (होइस्ट ट्रॉली) में सिर फंसने की वजह से एक महिला कर्मचारी ज्योति शिवाजी अहिरे गंभीर रूप से घायल हो गईं. यह घटना कॉलेज के सर्जरी डिपार्टमेंट में हुई. CCTV फुटेज में दिख रहा है कि महिला सर्जरी के दौरान इस्तेमाल होने वाले होइस्ट लिफ्ट को देखने के लिये डक्ट में नीचे की ओर देखते हुये अंदर झांक रही होती है. तभी लिफ्ट ऊपर उसकी तरफ आती है. महिला का सिर उसमें 4 मिनट तक फंसा रहता है. दूसरे कर्मचारी दौड़कर उसे बामुश्किल बचाते हैं. महिला के बेटे की शिकायत के मुताबिक, पुलिस ने मेडिकल कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ लापरवाही की शिकायत दर्ज की है. इसके बाद, अब डॉ. वसंतराव पवार मेडिकल कॉलेज ने इस घटना पर सफाई दी है. घटना में जिस लिफ्ट का जिक्र है, वह असल में लिफ्ट नहीं बल्कि सर्जरी के दौरान इस्तेमाल होने वाले इक्विपमेंट के ड्रम ले जाने वाली एक ट्रॉली (होइस्ट ट्रॉली) है. साथ ही, जब सरकारी इलेक्ट्रिकल इंजीनियर ने मौके पर जाकर घटना का इंस्पेक्शन किया, तो उनकी जांच में पता चला कि न तो ट्रॉली गिरी थी और न ही इसमें कोई टेक्निकल खराबी थी. घायल महिला ज्योति शिवाजी अहिरे हॉस्पिटल के सर्जरी डिपार्टमेंट में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करती हैं. घटना से पहले महिला कर्मचारी ड्रम लेकर मौके पर खड़ी थी. यह बुरी घटना तब हुई ।

धर्म पूछा, कलमा पढ़ने को कहा, फिर 2 वॉचमैन पर चाकू से वार, मीरा रोड का जैब जुबैर अंसारी अरेस्ट, मिला पहलगाम कनेक्शन

महानगर मेट्रो

मुंबई में मीरा रोड के नया नगर एरिया में दो सिक्योरिटी गार्ड्स पर हुए जानलेवा हमले में उस वक्त नया मोड़ आ गया, जब आरोपी से पूछताछ में महाराष्ट्र की एंट्री हुई। जांच एजेंसी ने आरोपी के डिवाइस से संदिग्ध सामग्री बरामद की है। आरोपी के विगत वर्ष कश्मीर के पहलगाम हमले के संभावित कनेक्शनों से जुड़े होने जांच शुरू कर दी गई है।

मीरा रोड में घटना के बाद गिरफ्तार आरोपी

मुंबई : पुलिस ने मुंबई के मीरा रोड में 31 साल के एक व्यक्ति को दो सिक्योरिटी गार्ड पर चाकू से हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने गार्ड से उनके धर्म के बारे में पूछा था और यह भी पूछा था कि क्या वे 'कलमा' (इस्लामी आस्था की घोषणा) पढ़ सकते हैं, जिस पर गार्ड ने मना कर दिया था। आरोपी की पहचान जैब जुबैर अंसारी के रूप में हुई है। वह इस्क्रूट के प्रोपेगेंडा वीडियो देखता था और पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या इस हमले का कोई वैचारिक या चरमपंथी संबंध है। सूत्रों की मानें तो आरोपी के तार पहलगाम हमले से भी जुड़ रहे हैं! पुलिस के अनुसार मीरा रोड के नया नगर इलाके में सोमवार सुबह करीब 4 बजे एक सनसनीखेज घटना हुई। आरोपी जैब जुबैर अंसारी (31) ने एक निर्माणाधीन इमारत में तैनात दो सिक्योरिटी गार्ड्स पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में घायल वॉचमैन सुब्रतो सेन और राजकुमार मिश्रा जख्मी हुए हैं। राजकुमार मिश्रा की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि सुब्रतो सेन खतरे से बाहर हैं।

निर्माणाधीन इमारत में तैनात सिक्योरिटी गार्ड्स के पास पहुंचा

घटना की सूचना मिलते ही नया नगर पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला है कि आरोपी जैब अंसारी हाई क्वॉलिफाइड है। साल 2000 में वह अमेरिका चला गया था और 2019 में भारत लौटा। सोमवार तड़के वह एक निर्माणाधीन इमारत के पास पहुंचा, जहां उसकी मुलाकात सिक्योरिटी गार्ड सुब्रतो सेन और राजकुमार मिश्रा से हुई। बातचीत के दौरान उसने चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि हमले से बचने के लिए राजकुमार और सुब्रतो पास बने सिक्योरिटी केबिन के अंदर भागे और दरवाजा बंद कर लिया। इससे उनकी जान बच गई। गार्ड पर हमला करने के बाद अंसारी मौके से फरार हो गया। सेन ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद दोनों घायल लोगों को इलाज के लिए तुरंत वोकहार्ट अस्पताल ले जाया गया।

90 मिनट के अंदर आरोपी गिरफ्तार

महाराष्ट्र पुलिस ने बताया कि चाकूबाजी की घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। इलाके के CCTV फुटेज की मदद से जांचकर्ताओं ने अंसारी की पहचान की और मीरा रोड ईस्ट के नया नगर इलाके में उसके किराए के घर तक उसका पता लगाया। घटना के डेढ़ घंटे के भीतर ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सेन की शिकायत के आधार पर नया नगर पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज किया गया है।

अमेरिका में की पढ़ाई

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि अंसारी की ऑनलाइन गतिविधियों में कथित तौर पर ISIS से जुड़े प्रोपेगेंडा वीडियो बार-बार देखना शामिल था। सूत्रों के मुताबिक, अंसारी ने 2019 तक अमेरिका में पढ़ाई की थी, जिसके बाद वह भारत लौट आया और मीरा रोड पर किराए के मकान में अकेला रहने लगा। जांचकर्ताओं को यह भी पता चला कि उसके मकान मालिक ने कथित तौर पर उसे 5 मई तक किराए का मकान खाली करने के लिए कहा था। तीन-चार महीने पहले तक, अंसारी एक कोचिंग सेंटर में टीचर के तौर पर काम करता था, जहां वह केमिस्ट्री और मैथ पढ़ाता था।

महाराष्ट्र ATS भी जांच में शामिल

अब इस मामले को आगे की जांच के लिए महाराष्ट्र पुलिस की एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (ATS) को सौंप दिया गया है। पुलिस ने बताया कि यह पता लगाने के लिए कि क्या इस हमले के पीछे कोई बड़ी वैचारिक या चरमपंथी साजिश है, नया नगर पुलिस और ATS मिलकर जांच कर रहे हैं। एक आधिकारिक बयान में, पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि वे इस घटना के बारे में कोई भी अफवाह या बिना पुष्टि वाली बातें न फैलाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि इस मामले से जुड़ी गलत जानकारी फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पहलगाम हमले के मिले वीडियो

मामले की गंभीरता को देखते हुए महाराष्ट्र एटीएस ने जांच में एंट्री की है और आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है। जांच के दौरान पुलिस को उसके मोबाइल/डिवाइस में पहलगाम से संबंधित कुछ विडियो देखने के संकेत मिले है, जिनकी पुष्टि और सत्यता की जांच की जा रही है। पुलिस और एटीएस की टीमें सभी पहलुओं मानसिक स्थिति, पृष्ठभूमि और संभावित कनेक्शन की गहन जांच कर रही हैं।

बंदर पकड़ो, 600 रुपये पाओ, महाराष्ट्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष से निपटने के लिए महाराष्ट्र सरकार की योजना

महानगर मेट्रो

महाराष्ट्र में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष के बीच महाराष्ट्र सरकार ने बंदरों को पकड़ने और उन्हें दूसरी जगह भेजने के लिए 600 प्रति जानवर देगी। संशोधित मुआवज़े को 22 अप्रैल को जारी एक सरकारी प्रस्ताव (GR) के ज़रिए औपचारिक रूप दिया गया। यह प्रोटोकॉल रीसस मैकाक (Macaca mulatta) और लंगूर (Semnopithecus entellus) जैसी संघर्ष-प्रवण प्रजातियों को सुरक्षित रूप से पकड़ने और छोड़ने के लिए बनाया गया था। मुंबई : इंसानों और बंदरों के बीच बढ़ते टकराव से निपटने के लिए, महाराष्ट्र सरकार ने एक खास मिशन शुरू किया है। इस मिशन के तहत, इंसानी बस्तियों में घुस आने वाले बंदरों को सुरक्षित रूप से पकड़ने और उन्हें दूसरी जगह भेजने वालों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाएगा। राजस्व और वन विभाग द्वारा 22 अप्रैल, 2026 को जारी एक सरकारी प्रस्ताव के अनुसार, राज्य सरकार ने बचाव कार्यों में लगे लोगों के लिए प्रति बंदर 600 रुपये का भुगतान तय किया है। यह कदम सार्वजनिक प्रतिनिधियों की ओर से मुआवजे की राशि में संशोधन की बार-बार की जा रही मांगों के बाद उठाया गया है। प्रतिनिधियों ने इन जानवरों को पकड़ने में शामिल जोखिमों और इससे जुड़ी व्यावहारिक चुनौतियों का हवाला देते हुए यह मांग की थी।

रीसस मैकाक और हनुमान लंगूर बढ़े

इस पहल का मुख्य लक्ष्य रीसस मैकाक और हनुमान लंगूर हैं, जिनकी रिहायशी इलाकों में बढ़ती मौजूदगी का संबंध सिकुड़ते वन क्षेत्र और शहरी कचरे से आसानी से मिलने वाले भोजन से जोड़ा गया है। अधिकारियों का कहना है कि इन जीवों के साथ होने वाली मुठभेड़ों के कारण फसलों को नुकसान, संपत्ति की हानि और कुछ मामलों में तो इंसानों की सुरक्षा को भी खतरा पैदा हुआ है।

दस किलोमीटर दूर छोड़ने की बात

यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह प्रक्रिया मानवीय हो और वन्यजीव संरक्षण के नियमों के अनुरूप हो, सरकार ने सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बंदरों को जाल या पिंजरों जैसे सुरक्षित तरीकों का इस्तेमाल करके ही पकड़ा जाना चाहिए, और हर अभियान का फ़ोटो के रूप में दस्तावेज़ीकरण किया जाना चाहिए। बचाए जाने के बाद, इन जानवरों को इंसानी बस्तियों से कम से कम 10 किलोमीटर दूर जंगल वाले इलाकों में छोड़ा जाएगा, ताकि उनके वापस लौटने की संभावना कम हो सके।

वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन प्रोटोकॉल भी लागू

अधिकारियों ने ज़ोर देकर कहा कि इस आर्थिक प्रोत्साहन का मकसद प्रभावित समुदायों को तत्काल राहत देना है, साथ ही जानवरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करना है। उन्होंने यह भी कहा कि मुआवज़े के इस नए ढांचे के साथ-साथ, वन्यजीव संरक्षण के सभी मौजूदा नियम और प्रोटोकॉल भी लागू रहेंगे। सरकार को उम्मीद है कि यह कदम जन सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण के बीच एक संतुलन बनाएगा, भले ही उनके प्राकृतिक आवासों के खत्म होने की समस्या का दीर्घकालिक समाधान खोजना अभी भी एक चुनौती बना हुआ है।

भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की जरुरत नहीं, यह पहले से ही हिंदू राष्ट्र रहा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम में अपने विचार रखे

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत की सांस्कृतिक पहचान और राम मंदिर निर्माण को लेकर अहम विचार रखे। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह में उन्होंने साफ किया कि भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की कोई औपचारिक जरुरत नहीं है, क्योंकि यह अपनी प्रकृति और आत्मा से सदैव एक हिंदू राष्ट्र ही रहा है।

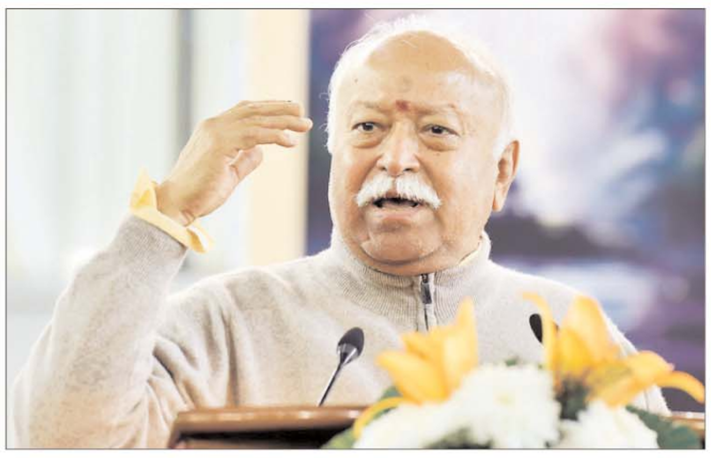

आरएसएस की एक विज्ञप्ति के मुताबिक उन्होंने कहा कि मंदिर का निर्माण भगवान राम की इच्छा से हुआ। भागवत ने इसकी तुलना भगवान कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने से करते हुए कहा कि ऐसे कार्य तभी संभव होते हैं, जब सभी का योगदान हो। उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि जब पीएम मोदी के नेतृत्व में नई सरकार ने शपथ ली, तो लंदन के अखबार ने लिखा कि इस दिन भारत ने वास्तव में ब्रिटिश शासन को अलविदा कहा।

उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रतिबद्ध नेतृत्व के बिना राम मंदिर का निर्माण संभव था। भागवत ने यह भी कहा कि एक समय हिंदुस्तान को हिंदू राष्ट्र कहना उपहास का विषय हुआ करता था। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान एक हिंदू राष्ट्र है। राम मंदिर बनने तक लोग इस दावे पर हंसते थे। आज वही लोग कहते हैं कि हिंदुस्तान हिंदुओं की भूमि है। उन्होंने कहा कि कई लोग आरएसएस से भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने को कहते हैं, लेकिन हम कहते हैं कि जो बात पहले से ही सच है उसे घोषित करने की कोई जरुरत नहीं है।

मोहन भागवत ने समाज की बदलती मानसिकता पर भी प्रहार किया। उन्होंने याद दिलाया कि उपहास से स्वीकृति तक एक समय था जब भारत को हिंदू राष्ट्र कहना मजाक समझा जाता था। राम मंदिर के निर्माण से पहले लोग इस दावे पर हंसते थे। आज वही लोग स्वीकार करते हैं कि हिंदुस्तान हिंदुओं की भूमि है। संघ प्रमुख ने उन मांगों का जवाब दिया जो भारत को आधिकारिक तौर पर हिंदू राष्ट्र घोषित करने की बात करते हैं। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि जो बात पहले से ही सच है, उसे बार-बार घोषित करने की क्या जरुरत है? यह कार्यक्रम उन शिल्पकारों और मार्गदर्शकों के सम्मान में था, जिन्होंने मंदिर निर्माण में अपनी भूमिका निभाई। भागवत का यह संबोधन न केवल मंदिर निर्माण की सफलता का उत्सव था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक जड़ों और उसके स्व को पहचानने का एक आह्वान भी था। उनके मुताबिक मंदिर का अस्तित्व भारत के स्वाभिमान और उसकी प्राचीन पहचान के पुनरुत्थान का प्रतीक है।

चलती बस में अचानक लगी आग, दो यात्रियों की मौत, कई झुलसे

-बवानीखेड़ा से हांसी जा रही थी बस, टायर फटने से हुआ हादसा

बवानीखेड़ा (एजेंसी)। हरियाणा के बवानीखेड़ा क्षेत्र में सवारियों से भरी एक प्राइवेट बस में अचानक आग लग गई जिसमें दो यात्रियों की मौत हो गई और कई यात्री झुलस गए। बस बवानीखेड़ा से हांसी जा रही थी और गांव मिल्कपुर के पास हादसे का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि बस में करीब 20 यात्री सवार थे। अचानक लगी आग ने कुछ ही मिनटों में पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे बस जलकर पूरी राख हो गई। मीडिया रिपोर्ट में शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस हादसे में दो लोगों की मौत की सूचना है, जबकि आधा दर्जन के करीब लोग घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक दो घायलों का इलाज हांसी के नागरिक अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस और प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गई। शुरूआती जांच में सामने आया है कि बस का टायर फटने के बाद वह डीजल टंकी से टकरा गया, जिससे आग लग गई। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच अभी चल रही है। बवानीखेड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सोनम रघुवंशी को शिलांग की अदालत से मिली जमानत

शिलांग (एजेंसी)। राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को शिलांग की अदालत से जमानत मिल गई है। यह वहीं मामला है, जिसने इंदौर से लेकर मेघालय तक और पूरे देश में काफी सनसनी फैला दी थी।

मामले की शुरुआत एक नवविवाहित जोड़े से जुड़ी दुखद घटना से हुई थी। इंदौर निवासी राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई 2025 को हुई थी। शादी के कुछ ही दिनों बाद, 21 मई को दोनों हनीमून के लिए शिलांग गए थे। शुरुआत में यह यात्रा सामान्य लग रही थी, लेकिन 23 मई के बाद दोनों के लापता होने की खबर सामने आई, जिससे परिवार और प्रशासन में चिंता फैल गई। करीब 10 दिन की खोजबीन के बाद पुलिस को 2 जून 2025 को शिलांग की गहरी घाटी से राजा रघुवंशी का शव मिला। शव करीब 30 फीट गहरी खाई में मिला और उस पर धारदार हथियार के निशान मिले, जिससे यह साफ हुआ कि मामला दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या का है।

नितेश राणे को एक महीने की जेल की सजा, मामले के समय राणे कांग्रेस में थे, इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने का मामला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे को सिंधुदुर्ग कोर्ट ने इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने के मामले में एक महीने की जेल की सजा सुनाई। सिंधुदुर्ग कोर्ट ने कहा कि जनप्रतिनिधि (सांसद, विधायक या पार्षद) कानून अपने हाथ में नहीं ले सकते। हालांकि, बाद में सजा पर रोक लगाकर उन्हें हाईकोर्ट में अपील करने का समय दिया है। इस मामले में बाकी 29 आरोपियों को बरी किया गया। यह मामला 4 जुलाई 2019 का है। उन्होंने एनएचएई के सब-डिविजनल इंजीनियर प्रकाश शेडेकर को मुंबई-गोवा हाईवे चौड़ीकरण के काम का निरीक्षण करने के लिए बुलाया था। सड़क की खराब हालत और जलभराव को लेकर मंत्री राणे नाराज हो गए। इसके बाद मंत्री राणे और उनके समर्थकों ने इंजीनियर पर कीचड़ डाल दिया। उन्हें कीचड़ भरे पानी में चलने के लिए मजबूर किया। तब नितेश राणे कांग्रेस में थे। अभी वह भाजपा में हैं और महाराष्ट्र सरकार में मत्स्य पालन और बंदरगाह मंत्री हैं।

राहुल गांधी नागरिकता मामले में अब जस्टिस मनीष माथुर करेंगे सुनवाई

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर अब इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में अब न्यायमूर्ति मनीष माथुर की एकल पीठ सुनवाई करेगी। मंगलवार को यह मामला न्यायमूर्ति मनीष माथुर के समक्ष सूचीबद्ध हुआ। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता

एस. विग्नेश शिशिर ने कोर्ट से मामले में आवश्यक दस्तावेज दाखिल करने के लिए समय मांगा। अदालत ने याची के इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई के लिए सात मई की तारीख तय की है। कर्नाटक में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने राहुल गांधी पर भारत के साथ-साथ ब्रिटिश नागरिकता लेने का आरोप लगाते हुए एफ आई आर दर्ज करने की मांग की है। पहले, उनकी याचिका लखनऊ की एमपी-एमएलए अदालत से खारिज हुई थी। इसके खिलाफ हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के पास उन्होंने मौजूदा याचिका दाखिल की थी। इसी 17 अप्रैल को मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने खुली अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज करने और मामले की जांच कराने का मौखिक आदेश राज्य सरकार को दिया था। अगले ही दिन आए आदेश में अपना फैसला बदलते हुए उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी को नोटिस जारी किए बिना फैसला करना उचित नहीं है। इसके बाद याचिकाकर्ता ने इसको लेकर कुछ पोस्ट सोशल मीडिया पर डाले थे। हालांकि, उन्होंने अपने पोस्ट में जज का जिक्र नहीं किया था। इसके बाद नाराज होकर 20 अप्रैल को जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने इस केस से खुद को अलग कर लिया था। याची शिशिर ने बताया कि इसी मामले से संबंधित एक अन्य याचिका भी उन्होंने हाईकोर्ट में दाखिल की है, जिसपर अगले सप्ताह सुनवाई की संभावना है।

दाऊद का करीबी ड्रग माफिया सलीम डोला तुर्की से भारत लाया गया, खुफिया एजेंसियां करेंगी पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के बेहद करीबी और कुख्यात ड्रग माफिया सलीम डोला को तुर्की से भारत डिपोर्ट कर दिया गया है। आज सुबह एक विशेष विमान के जरिए उसे दिल्ली के टेक्निकल एयरपोर्ट लाया गया, जहां अब भारतीय खुफिया एजेंसियां उससे पूछताछ करेंगी। सलीम डोला को हाल ही में तुर्की के इस्तांबुल में वहां की सुरक्षा एजेंसियों ने पकड़ा था। वह दुबई और तुर्की जैसे देशों में छिपकर भारतीय युवाओं तक ड्रग्स पहुंचाने का एक बड़ा सिंडिकेट चला रहा था। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर एक बड़ा ऑपरेशन चलाया, जिसके बाद डोला को भारत लाने का रास्ता साफ हुआ। दिल्ली में पूछताछ पूरी होने के बाद उसे मुंबई पुलिस या नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को सौंप दिया जाएगा। डोला के तार सीधे तौर पर दाऊद इब्राहिम के नेटवर्क से जुड़े हैं। वह

भारत में ड्रग्स सप्लाई का एक बड़ा चैनल संभाल रहा था और उसे वैश्विक सिंथेटिक ड्रग नेटवर्क में एक बड़ा खिलाड़ी माना जाता है। जानकारी के मुताबिक, उसका ड्रग सिंडिकेट सालाना 5,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का काला कारोबार कर रहा था। भारत के कई हिस्सों में डोला की अवैध ड्रग फैक्ट्रियां और लैब पहले ही पकड़ी जा चुकी हैं। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी था और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने उस पर 1 लाख रुपये का इनाम भी रखा था। सलीम डोला पहले मुंबई और फिर दुबई से अपना पूरा नेटवर्क चला रहा था। भारतीय एजेंसियां पिछले साल से ही उसके करीबियों पर कार्रवाई कर रही हैं। अक्टूबर 2025 में डोला के करीबी मोहम्मद सलीम सोहेल शेख को दुबई से भारत लाया गया था। नवंबर 2025 में डोला के बेटे ताहिर डोला समेत परिवार के चार सदस्यों को भी दुबई से लाकर गिरफ्तार किया गया था। इस गिरफ्तारी को ड्रग नेटवर्क पर एक बड़ी चोट माना जा रहा है।

'मोदी की गारंटी' पर आतिशी ने उठाया सवाल, दिल्ली की महिलाओं को 2500 रुपये नहीं मिले

-दिल्ली में सरकार बने एक साल से ज्यादा समय हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राजनीति में फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरु हो गया है। आप नेता और पूर्व सीएम आतिशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर महिलाओं से किए गए वादों को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने ÷मोदी की गारंटी÷ पर सवाल उठाकर पूछा कि दिल्ली की महिलाओं को वादा किए गए अब तक क्यों नहीं मिले।

आप नेता आतिशी ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यह घोषणा की थी कि 8 मार्च 2025, यानी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर, दिल्ली की हर महिला के खाते में 2500 रुपये भेज दिए जाएंगे। अपने इस वादे को भाजपा ने बड़े स्तर पर प्रचारित भी किया था। लेकिन आतिशी के अनुसार, अब 8 मार्च 2026 भी बीत चुका है और महिलाओं को कोई आर्थिक सहायता नहीं मिली। उन्होंने मोदी की गारंटी को ÷झूठा वादा÷ बताकर कहा कि यह दिल्ली की महिलाओं के साथ सीधा धोखा है। आतिशी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अन्य राज्यों, खासकर पश्चिम बंगाल में जाकर महिलाओं के लिए नई योजनाओं और आर्थिक सहायता के वादे कर रही हैं, जबकि दिल्ली की महिलाओं को अभी तक कोई लाभ नहीं मिला है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिल्ली में ही वादे पूरे नहीं हो रहे, तब अन्य राज्यों में किए जा रहे वादों पर कैसे भरोसा किया जाए। इसके अलावा, आतिशी ने महिलाओं से जुड़ी सुविधाओं में कटौती का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि पहले महिलाएं डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा करती थीं, लेकिन अब उन्हें 'पिंक कार्ड' बनवाने के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है। उन्होंने दावा किया कि 100 से 150 मोहल्ला क्लीनिक बंद किए गए हैं, जिससे खासकर महिलाओं और गरीब वर्ग को मुफ्त इलाज और दवाओं के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के भाजपा में शामिल होने के मुद्दे पर भी आतिशी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने राज्यसभा सचिवालय की अधिसूचना को असंवैधानिक बताकर कहा कि यह दलबदल विरोधी कानून का उल्लंघन है। उनके अनुसार, संविधान और सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट प्रावधानों के बावजूद इस तरह का विलय स्वीकार्य नहीं है। आतिशी ने अंत में भाजपा पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जाना सही नहीं है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित कर कहा कि इतिहास गवाह है—अत्याचार और अन्याय लंबे समय तक नहीं टिकते, और अंततः उनका पतन निश्चित होता है।

आप के 7 सांसदों का एनडीए में स्वागत, टुकड़े-टुकड़े इंडिया ब्लॉक को अलविदा

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा

नई दिल्ली(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के आप छोड़ने और बीजेपी में शामिल होने को लेकर विपक्षी दल कदम की आलोचना कर रहे हैं। वहीं बीजेपी और उसके सहयोगी दल उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। इस कड़ी में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बीजेपी में आने वाले सांसदों का स्वागत किया है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने आप से बीजेपी में शामिल हुए 7 राज्यसभा सदस्यों का स्वागत किया। रिजिजू ने कहा कि उन सांसदों ने सदन ने न कभी अपशब्दों का प्रयोग किया न अनुशासनहीनता की। यह घटना तब हुई, जब राज्यसभा ने सोमवार को पार्टी पदों की एक नई सूची जारी की, क्योंकि आप के सात सदस्यों ने पार्टी से अलग होकर भाजपा में शामिल की घोषणा की थी।

इस बदलाव से सदन में बीजेपी का प्रतिनिधित्व 107 से बढ़कर 113 हो गया, जबकि आप का प्रतिनिधित्व घटकर तीन बचा। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने पोस्ट कर लिखा कि राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने 7 आप सांसदों के बीजेपी में आना स्वीकार किया है। अब, राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजिंदर गुप्ता और विक्रमजीत सिंह साहनी भाजपा संसदीय दल के सदस्य हैं।

संसद में इन सभी सांसदों के आचरण की प्रशंसा कर केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैंने लंबे समय से देखा है कि इन 7 सांसदों ने कभी अपशब्दों का प्रयोग नहीं किया है और न ही कभी किसी प्रकार की अनुशासनहीनता या असंसदीय आचरण का प्रदर्शन किया है। एनडीए में आपका स्वागत है और टुकड़े-टुकड़े इंडिया ब्लॉक को अलविदा।

क्या कहता है दल बदल कानून

संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुसार, इस 1985 में 52वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था, सदस्य दल-बदल नहीं कर सकते, हालांकि, विलय के लिए अपवाद है। यदि किसी पार्टी के दो-तिहाई निर्वाचित सदस्य किसी अन्य पार्टी में विलय करने के लिए सहमत होते हैं, तब वे अयोग्य नहीं ठहराए जाते, न ही वे सदस्य अयोग्य ठहराए जाते हैं जो मूल पार्टी में बने रहने का विकल्प चुनते हैं।

नई दिल्ली में बीजेपी में शामिल हुई आप सांसाद स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में मंगलवार को एक राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला। जहां आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हो गई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली में भाजपा नेताओं की मौजूदगी में उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। इस मौके पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा भी मौजूद रहे। बताया गया कि स्वाति मालीवाल ने सदस्यता ग्रहण करने के बाद कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुई हैं। अपने बयान में उन्होंने यह दावा किया कि जब वे दिल्ली महिला आयोग में कार्यरत थीं, तब उन्होंने निष्पक्ष तरीके से काम किया और उस दौरान उन्हें विभिन्न स्तरों पर सहयोग भी मिला। उन्होंने भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त कर कहा कि यह उनके लिए भावनात्मक और महत्वपूर्ण दिन है।

शंभू-हरियाणा बॉर्डर के पास रेलवे ट्रैक पर धमाके की नाकाम कोशिश, टीमें जांच में जुटी

धमाके की कोशिश में शामिल व्यक्ति की मौत, ट्रैक पर मिला शव

पटियाला (एजेंसी)। पटियाला में शंभू-हरियाणा बॉर्डर के पास रेलवे ट्रैक पर कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखे जाने के बाद धमाका करने की नापाक कोशिश की गई। पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर इलाके का मुआयना किया। पटियाला के एसएसपी ने बताया कि सोमवार रात पटियाला पुलिस को शंभू-हरियाणा सीमा के पास रेलवे ट्रैक धमाका होने की आशंका सूचना मिली थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच से पता चला कि वास्तव में एक बड़ा धमाका करने की एक कोशिश थी। इस कोशिश में शामिल व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और उसका शव बरामद हुआ है, जिस शख्स ने धमाका करने की कोशिश की, उसने निहंग सिंह का वेश धारण किया हुआ था। उसकी पहचान जगरूप सिंह के रूप में हुई है जो तरन तारन के पंजवार खुराद गांव का रहने वाला था। फॉरेंसिक की एक टीम धमाके वाली जगह से नमूने जमा कर रही है ताकि इस्तेमाल किए गए विस्फोटक की पहचान की जा सके। पुलिस हर

पहलू से मामले की पड़ताल कर रही है।

एसएसपी ने बताया कि किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की कोई खबर नहीं है। मौके पर सिम कार्ड समेत जो भी साइंटिफिक एविडेंस मिला, उसको बरामद करके टेक्निकल इन्वेस्टिगेशन को सौंप दिया है। उन्होंने बताया कि जल्द ही पूरे षड्यंत्र का पर्दाफाश किया जाएगा। जीआरपी, आरपीएफ जांच में जुटी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- मैं उस गंभीर इंटेलिजेंस विफलता की कड़ी निंदा करता हूं, जिसके कारण सोमवार रात शंभू के पास दिल्ली-राजपुरा रेलवे ट्रैक पर एक कायरतापूर्ण ब्लास्ट की कोशिश हुई। यह साफ है कि कई दिन पहले एक खतरे की जानकारी मिलने के बावजूद, कोई भी एहतियाती कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने लिखा कि यह घटना पुलिस थानों और चौकियों पर कई धमाकों और यहां तक कि स्टेट इंटेलिजेंस हेडक्वार्टर पर आरपीजी हमले के बाद हुई है।

उन्होंने लिखा कि पंजाब के सीएम भगवंत मान, जो गृह मंत्री भी हैं, उन्हें अपनी गहरी नींद से जागना चाहिए और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित करने के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए। उनका यह लापरवाही रवैया पंजाब को फिर से उस पुराने अंधेरे दौर में धकेल रहा है, जो बिल्कुल भी मंजूर नहीं है। बता दें इससे पहले इसी साल जनवरी में भी ऐसा ही धमाका हुआ था। फतेहगढ़ साहिब जिले के सरहिंद में फ्रेट कॉरिडोर के ट्रैक पर विस्फोट हुआ था। इस हादसे में एक ट्रेन का इंजन क्षतिग्रस्त हो गया था और एक लोको पायलट घायल हुआ था।

जयपुर में तेज आंधी से हवाई यातायात हुआ अस्त-व्यस्त, कई उड़ानें डायवर्ट और यात्री घंटों परेशान

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बीती रात मौसम के अचानक बदले मिजाज ने हवाई यातायात को पूरी तरह पटरी से उतार दिया। शहर में आई भीषण आंधी और धूल के गुबार के कारण दृश्यता (विजिबिलिटी) इस कदर गिर गई कि जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमानों की सुरक्षित लैंडिंग कराना असंभव हो गया। इस प्राकृतिक व्यवधान के कारण तीन प्रमुख उड़ानों को दूसरे शहरों की ओर मोड़ना पड़ा, जबकि कई अन्य विमान ईंधन और सुरक्षा की चिंता के बीच घंटों आसमान में चक्कर काटते रहे।

रात के समय आई तेज आंधी के कारण पायलटों को रनवे देखने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने लैंडिंग की अनुमति देने से इनकार कर दिया। इसके परिणामस्वरूप, इंदौर से जयपुर आ रही इंडिगो की फ्लाइट (6ई-7745) को वापस इंदौर भेज दिया गया। वहीं, मुंबई से जयपुर आ रही एयर इंडिया

एक्सप्रेस और अहमदाबाद से जयपुर आ रही इंडिगो की फ्लाइट (6ई-7131) को दिल्ली एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट किया गया। इन उड़ानों के डायवर्ट होने से यात्रियों को भारी मानसिक और शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ी, क्योंकि वे अपने गंतव्य के बजाय दूसरे शहरों में फंस गए।

जो विमान डायवर्ट नहीं हुए, उनके यात्रियों की भी सांसें अटकी रहीं। मुंबई से आई एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई-413) करीब एक घंटे तक और गुवाहाटी से आ रही इंडिगो की फ्लाइट (6ई-749) करीब पौने घंटे तक जयपुर के आसमान में चक्कर काटती रहीं। ईंधन की सीमित मात्रा और खराब मौसम के बीच पायलट लगातार एटीसी के संपर्क में रहे और मौसम साफ होने का इंतजार करते रहे। इस अनिश्चितता के कारण यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में 3 से 5 घंटे की अतिरिक्त देरी का सामना करना पड़ा। एयरपोर्ट परिसर में भी परिजनों का इंतजार लंबा होता गया, जिससे तनाव की स्थिति बनी रही। मौसम विभाग के अनुसार, अचानक आए पश्चिमी विक्षोभ के कारण हवा की गति 40 से 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच गई थी, जिसने रनवे पर दृश्यता को न्यूनतम स्तर पर पहुंचा दिया। एयरपोर्ट प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर ही लैंडिंग के बजाय डायवर्जन का कठिन निर्णय लिया गया। इस घटना ने एक बार फिर प्री-मानसून सीजन में हवाई यात्रा की चुनौतियों को उजागर कर दिया है। फिलहाल जयपुर एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य हो गया है, लेकिन अधिकारियों ने यात्रियों को अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करके ही घर से निकलने की सलाह दी है।

भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य शक्ति बना, रक्षा बजट में भारी वृद्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 में वैश्विक रक्षा समीकरणों में भारत ने अपनी स्थिति और मजबूत की है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब दुनिया भर में अपनी सेनाओं पर सबसे ज्यादा खर्च करने वाले देशों की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। पिछले वर्ष दुनिया के कुल सैन्य खर्च में भारत की हिस्सेदारी 3.2 प्रतिशत दर्ज की गई है। बता दें कि भविष्य की चुनौतियों और ऑपरेशन सिंदूर के अनुभवों को देखते हुए, भारत सरकार ने 2026-27 के केंद्रीय बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 7.85 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसमें 2.19 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत परिव्यय शामिल है, जिसका उपयोग नए लड़ाकू विमान, पनडुब्बियां, मिसाइलें और ड्रोन सिस्टम खरीदने के लिए किया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी इस सूची में क्रमशः पहले चार स्थानों पर काबिज हैं। 2025 में भारत का कुल सैन्य खर्च 92.1 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.9 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण पिछले साल पाकिस्तान के खिलाफ चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर था। इस अभियान के दौरान सशस्त्र बलों को युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार रखने हेतु आपातकालीन आधार पर हथियारों और साजो-सामान की बड़े पैमाने पर खरीद की गई थी।

पड़ोसी देशों की बात करें तो चीन 336 अरब डॉलर के रक्षा बजट के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं, आर्थिक संकटों से जूझ रहा पाकिस्तान 11.9 अरब डॉलर के खर्च के साथ वैश्विक सूची में 31वें स्थान पर है। वैश्विक स्तर पर कुल सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जिसमें अकेले अमेरिका, चीन और रूस की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत है। यूरोप में भी रूस-यूक्रेन युद्ध और नाटो देशों की सक्रियता के चलते सैन्य खर्च में 14 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई है।

भारत अपनी रक्षा रणनीति में अब बदलाव ला रहा है। यद्यपि भारत अभी भी सैन्य हार्डवेयर का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आयातक बना हुआ है, लेकिन रूस पर इसकी निर्भरता कम हो रही है। सिपरी के आंकड़ों के अनुसार, 2011-15 में भारत के कुल आयात में रूस की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 40 प्रतिशत रह गई है। भारत अब फ्रांस, इजरायल और अमेरिका जैसे देशों से आधुनिक तकनीक हासिल कर रहा है।

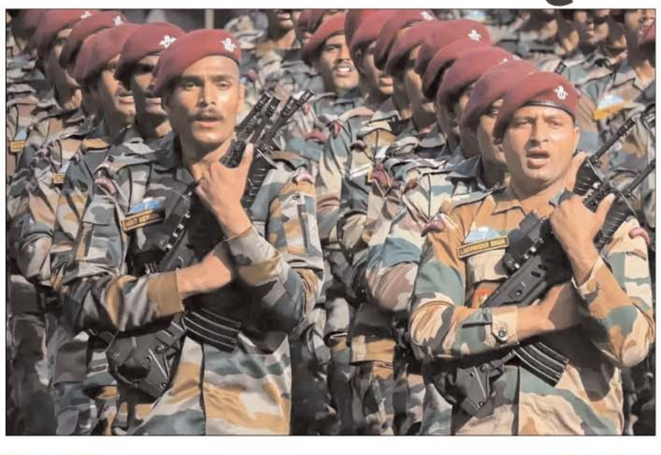

स्नैबिट को सीरीज-डी में मिले 5.6 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली ।

घरेलू सेवाएं प्रदान करने वाले मंच स्नैबिट ने मंगलवार को सीरीज-डी वित्त पोषण दौर में 5.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 530 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। इस नए निवेश से कंपनी अपने बही-खाते को मजबूत करने, छोटे बाजारों में विस्तार करने और जल्द ही नई सेवा श्रेणियों में प्रवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि इस वित्त पोषण दौर का सह-नेतृत्व सस्क्वेहाना वेंचर कैपिटल, मिराए एसेट वेंचर इन्वेस्टमेंट्स के यूनिकॉर्न ग्रोथ फंड और बर्टेल्समैन इंडिया इन्वेस्टमेंट्स ने किया। मौजूदा निवेशकों नेक्सस वेंचर पार्टनर और लाइटस्पीड ने भी इस महत्वपूर्ण दौर में भाग लिया। इस ताजा निवेश के साथ स्नैबिट ने अब तक कुल 11.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की पूंजी जुटाई है। गौरतलब है कि सीरीज-डी वित्त पोषण किसी भी स्टार्टअप या कंपनी के लिए पूंजी जुटाने का एक उन्नत एवं परिपक्व चरण माना जाता है, जो उसकी स्थिरता और विकास क्षमता को दर्शाता है।

बागमाने प्राइम ऑफिस रीट का 3,405 करोड़ का आईपीओ 5 मई को

एंकर निवेशकों के लिए 4 मई निर्धारित, अधिग्रहण में होगा फंड का उपयोग

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश का एक नया अवसर पैदा करते हुए, ब्लैकस्टोन समर्थित बागमाने प्राइम ऑफिस आरईआईटी (आरईआईटी) अपना बहुप्रतीक्षित 3,405 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 5 मई को निवेशकों के लिए खोलेगा। यह निर्गम 7 मई को बंद हो जाएगा, जबकि बड़े (एंकर) निवेशक 4 मई को अपनी बोली लगा पाएंगे। यह प्रस्तावित आईपीओ 2,390 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों की पेशकश और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 1,015 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का एक संयोजन है। इस निर्गम से जुटाई गई राशि का उपयोग कंपनी बेंगलुरु स्थित बागमाने कैपिटल टेक पार्क में लगभग 10 लाख वर्ग फुट के लक्सर के अधिग्रहण तथा बागमाने रियो में 93 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए आंशिक रूप से करेगी, जिससे इसके पोर्टफोलियो का विस्तार होगा। बेंगलुरु स्थित यह रीट निवेशकों को वाणिज्यिक रियल एस्टेट परिसंपत्तियों में निवेश का अवसर प्रदान कर रहा है।

टाटा ट्रेंट का निवेशकों को तोहफा, बोनस शेयर और डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट तय

कंपनी ने पहली बार 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की

नई दिल्ली । टाटा ग्रुप की अग्रणी रिटेल कंपनी ट्रेंट लिमिटेड ने अपने निवेशकों को दोहरी खुशी दी है। कंपनी ने बोनस शेयर जारी करने और प्रति शेयर 6 रुपये का डिविडेंड देने के लिए रिकॉर्ड डेट्स की घोषणा कर दी है, जिससे शेयरधारकों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। ये फैसले कंपनी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन के बाद आए हैं। ट्रेंट लिमिटेड ने अपने पहले बोनस इश्यू के लिए शुक्रवार 29 मई को रिकॉर्ड तारीख तय की है। यह बोनस 1ः2 के अनुपात में दिया जाएगा, जिसका अर्थ है कि निवेशकों को उनके हर दो मौजूदा इक्विटी शेयरों पर एक अतिरिक्त बोनस इक्विटी शेयर मिलेगा। यह प्रस्ताव अभी नियामक और शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। रिकॉर्ड डेट तक कंपनी के रजिस्टर या लाभकारी मालिकों की सूची में शामिल निवेशक ही इन बोनस शेयरों के लिए पात्र होंगे। कंपनी कुल 17.77 करोड़ नए इक्विटी शेयर जारी करेगी, जिनकी फेस वैल्यू 1 रुपये प्रति शेयर होगी

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 417 निफ्टी 97 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर जारी संशय के कारण कच्चे तेल की कीमतों के बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 416.72 अंकों टूटकर 76,886.91 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 97 अंक नीचे आकर 23,995.70 पर पहुंच गया। वहीं आज व्यापक बाजारों ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.42 फीसदी और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.28 फीसदी की बढ़त रही।

वहीं क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी मेटल को छोड़कर तकरीबन सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ ही लाल निशान में बंद हुए।

सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक में रही। इसके अलावा निफ्टी ऑटो भी नीचे आया। निफ्टी के शेयरों की बात करें तो एक्सिस बैंक, मारुति, एचसीएल टेक, श्रीराम फाइनेंस, इंडिगो, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज-ऑटो, एसबीआई और इंफोसिस के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। दूसरी ओर ओएनजीसी, अदाणी एंटरप्राइजेज और कोल इंडिया के शेयरों में बढ़त रही। इसके अलावा, नेस्ले इंडिया, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, इटरनल और टाटा स्टील के शेयर भी उछलकर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 200 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 77,094 पर खुला। वहीं निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,049 पर खुला। जबकि सोमवार को यह 24,100 के ऊपर बंद हुआ था।

रिलायंस विशाखापत्तनम में बनाएगी भारत का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर

1.6 लाख करोड़ का करेगी निवेश, देश को डेटा और एआई अर्थव्यवस्था में मिलेगी निर्णायक बढ़त

मुंबई ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के वैश्विक मंच पर भारत की धमक बढ़ाने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एक महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण किया है। कंपनी आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 1.6 लाख करोड़ रुपये का विशाल निवेश कर एक अत्याधुनिक एआई डेटा सेंटर क्लस्टर स्थापित करने जा रही है, जो देश को डेटा और एआई अर्थव्यवस्था में निर्णायक बढ़त दिलाएगा। यह क्लस्टर, जिसकी क्षमता गूगल के 1 गीगावॉट डेटा सेंटर से भी अधिक होगी, रिलायंस की तकनीकी क्षेत्र में बढ़ती महत्वाकांक्षा का प्रतीक है। इसका उद्देश्य भारत को डेटा और एआई के वैश्विक मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान दिलाना है। 935 एकड़ में फैले इस मेगा प्रोजेक्ट को तीन चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में 500 मेगावॉट क्षमता का डेटा सेंटर अक्टूबर 2028 तक शुरू होने की उम्मीद है, जिसे बाद में 1 गीगावॉट तक बढ़ाया जाएगा। इसमें केबल लैंडिंग स्टेशन और डीसैलीनेशन प्लांट भी शामिल होंगे। विशाखापत्तनम, जो तेजी से डेटा सेंटर हब के रूप में उभर रहा है, भोगापुरम एयरपोर्ट के पास इस प्रोजेक्ट की मेजबानी करेगा। कनेक्टिविटी के साथ-साथ, रिलायंस इसमें 51,300 करोड़ रुपये का निवेश ग्रीन एनर्जी पर भी कर रही है, जिसमें 9000 मेगावॉट पीक सोलर क्षमता शामिल है। यह पहल भारत के डिजिटल भविष्य के लिए एक स्थायी और आत्मनिर्भर नींव रखेगी।

धूत ट्रांसमिशन ने मल्टीलिंक का अधिग्रहण कर ईवी सेगमेंट में पैठ बढ़ाई

मुंबई ।

बेन कैपिटल समर्थित धूत ट्रांसमिशन ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए बेंगलुरु स्थित मल्टीलिंक का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने मंगलवार को घोषणा की कि यह कदम दोपहिया व तिपहिया वाहनों में बढ़ते विद्युतीकरण के रुझान का लाभ उठाने की रणनीति के अनुरूप है। मल्टीलिंक दोपहिया एवं तिपहिया मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) के लिए विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बनाती है। धूत ट्रांसमिशन के प्रबंध निदेशक ने इस अधिग्रहण को एक रणनीतिक कदम बताया, जिससे मल्टीलिंक के उत्पाद खंड और ग्राहकों के साथ उसके लंबे समय से संबंध धूत के लिए फायदेमंद होंगे। यह अधिग्रहण धूत को तेजी से बढ़ते दोपहिया व तिपहिया क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद करेगा, जहां विद्युतीकरण और इलेक्ट्रॉनिक सामग्री की बढ़ती मांग संरचनात्मक वृद्धि को बढ़ावा दे रही है। हालांकि, सौदे के आकार का खुलासा नहीं किया गया है। धूत ट्रांसमिशन की वैश्विक स्तर पर 20 विनिर्माण इकाइयां हैं, जो डिजाइन, इंजीनियरिंग और विनिर्माण कार्यों में संलग्न हैं।

आर्थिक चुनौतियों से लड़ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार जरूरी मुख्य आर्थिक सलाहकार

पश्चिम एशिया में अस्थिरता और उच्च ऊर्जा कीमतों के बीच देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर जोर

नई दिल्ली ।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने देश की अर्थव्यवस्था को बाहरी चुनौतियों, खासकर पश्चिम एशिया में अस्थिरता और उच्च ऊर्जा कीमतों से बचाने के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा व्यवधानों से छोटे किसानों, सूक्ष्म-उद्यमियों और दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों पर पड़ने वाले सबसे बुरे प्रभावों को कम करने के लिए अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों में उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना आवश्यक है। नीति आयोग के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर 2047 रोडमैप की रिपोर्ट के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, नागेश्वरन ने कहा कि डीपीआई को भारत के दीर्घकालिक विकास की आकांक्षाओं को पूरा करने के साथ-साथ एक वितरित आर्थिक मजबूती बनाने के उपकरण के रूप में देखा जाना चाहिए। यह मजबूती किसी भी खुली अर्थव्यवस्था के लिए तब आवश्यक होती है जब बाहरी वातावरण प्रतिकूल हो। भारत अभी भी आयातित जीवाश्म ईंधनों पर भारी निर्भर है, जबकि ऊर्जा की मांग वैश्विक औसत से लगभग तीन गुना बढ़ चुकी है। इन आर्थिक दिक्कतों की भरपाई अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों में उत्पादकता व प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि से होनी चाहिए।

केंद्र के आधिकारिक नीति थिंक टैंक, नीति आयोग ने डीपीआई 2.0 प्रस्तुत किया, जो वित्तीय समावेशन से आगे बढ़कर कृषि, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऋण और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों तक देश के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को

विस्तारित करने का दस-वर्षीय प्रयास है। इस उत्पादकता-केंद्रित फ्रेमवर्क का उद्देश्य 2047 तक 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था को हासिल करने के लिए घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। यदि यह सफल होता है, तो 2030 तक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का सकल घरेलू उत्पाद में योगदान अभी के लगभग 1 प्रतिशत से बढ़कर 4 प्रतिशत हो सकता है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि यदि विश्वास की लागत कम की जाती है, डेटा को आम लोगों तक पहुंचाया जाता है, एआई को क्षेत्रीय भाषाओं में काम करने योग्य बनाया जाता है और बाजार लिंक को खुले नेटवर्कों से जोड़ा जाता है, तो दशकों में होने वाला विकास एक दशक में ही हासिल किया जा सकता है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने भी इस अवसर पर कहा कि लार्ज लैंग्वेज मॉडल समय के साथ सामान्यीकृत हो जाएंगे।

नोएडा एयरपोर्ट को मिली बीसीएएस सुरक्षा की हरी झंडी उड़ानें जल्द होंगी शुरू

सुरक्षा कार्यक्रम को मिली मंजूरी, वाणिज्यिक उड़ानों की तारीख तय करने की कवायद तेज

नोएडा ।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को अपने उड़ान संचालन शुरू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने हवाई अड्डे के सुरक्षा कार्यक्रम (एएसपी) को अपनी हरी झंडी दे दी है। यह मंजूरी जेवर स्थित इस नए हवाई अड्डे के जल्द ही वाणिज्यिक उड़ानें शुरू करने की उम्मीदों को बल देती है, जैसा कि मंगलवार को जारी एक बयान में हवाई अड्डा प्राधिकरण ने बताया। बीसीएएस की यह स्वीकृति पुष्टि करती है कि हवाई अड्डे का सुरक्षा ढांचा और सभी प्रक्रियाएं नियामक आवश्यकताओं के पूरी तरह अनुरूप हैं। मंजूरी मिलने के बाद हवाई अड्डा अब विमानन कंपनियों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने की सटीक तारीख निर्धारित करने की कवायद में जुट गया है। प्रबंधन का मुख्य ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि सभी प्रणालियां, प्रक्रियाएं और कर्मचारी सुरक्षित, कुशल एवं सुचारु संचालन के लिए पूरी तरह से

तैयार हों। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर में विकसित हो रहा यह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा क्षेत्रीय संपर्क और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 मार्च को इसका उद्घाटन किया था। एक बार परिचालन शुरू होने के बाद, यह हवाई अड्डा दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआई) पर यात्रियों के दबाव को कम करने और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए एक प्रमुख विमानन केंद्र के रूप में उभरने की उम्मीद है।

डिजिटल डॉलर से ग्लोबल बैंकिंग में भूचाल बैंकों की कमाई पर खतरा!

रेमिटेंस और विदेशी मुद्रा बाजारों पर भी असर, आम आदमी के लिए सस्ता होगा लेनदेन

नई दिल्ली ।

अमेरिका अपने डॉलर को डिजिटल अवतार में पेश करने की तैयारी में है, जिसका वैश्विक वित्तीय प्रणाली पर गहरा असर पड़ने वाला है। इस स्टेबलकॉइन के आने से दुनिया भर के केंद्रीय और व्यावसायिक बैंकों में चिंता बढ़ गई है, क्योंकि इससे उनकी कमाई का एक बड़ा जरिया प्रभावित होगा। गोल्डमैन सैश ने इस कदम को एक आर्थिक तूफान करार दिया है, जो बैंकिंग, विदेशी मुद्रा बाजार और भारत जैसे बड़े रेमिटेंस बाजारों के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा करेगा। बैंकों की आय का एक अहम हिस्सा विदेशी फंड ट्रांसफर और करेंसी कन्वर्जन पर लगने वाले शुल्क से आता है, लेकिन डिजिटल डॉलर के प्रचलन से ये शुल्क लगभग नगण्य हो जाएंगे। यह डिजिटल मुद्रा 24 घंटे उपलब्ध होगी, जिससे आम आदमी के लिए अंतरराष्ट्रीय लेनदेन सस्ता और सुलभ हो जाएगा। अमेरिकी प्रशासन 2027 से जीनियस एक्ट को लागू करने की तैयारी में है। इसके तहत फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ने यूएस डिजिटल एसेट रेगुलेशन और स्टेबलकॉइन के लिए नए नियमों को मंजूरी दे दी है, जो इस वित्तीय बदलाव का मार्ग प्रशस्त करेंगे। यह कदम निश्चित रूप से वैश्विक बैंकिंग और वित्तीय लेनदेन के भविष्य को नया आकार देगा।

एनडीएफ सहित बड़े विदेशी लेन-देन पर रहेगी नजर बैंकों को देनी होगी जानकारी

आरबीआई के नए नियम जुलाई से लागू होंगे, जुलाई 2028 तक विदेशी डेरिवेटिव डेटा की रिपोर्टिंग अनिवार्य

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रुपये की स्थिरता सुनिश्चित करने और विदेशी मुद्रा बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब विदेशी बाजारों में होने वाले रुपये से जुड़े डेरिवेटिव सौदों पर भी उसकी सीधी निगरानी रहेगी। यह कदम रुपये की ग्लोबल ट्रेडिंग को मजबूत करने और उसकी वास्तविक कीमत बेहतर ढंग से तय करने के मकसद से उठाया गया है। नए नियमों के तहत, नॉन-डिलीवरेबल फॉरवर्ड (एनडीएफ) जैसे विदेशी रुपये-आधारित डेरिवेटिव अनुबंध भी ऋबद्ध के दायरे में आ जाएंगे। अब तक निगरानी केवल घरेलू बाजार तक सीमित थी, लेकिन अब विदेशी लेन-देन भी शामिल होंगे। आरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे अपने समूह और विदेशी सहयोगी कंपनियों के सभी महत्वपूर्ण ऑफशोर लेनदेन की विस्तृत जानकारी, जैसे मूल्य, परिपक्वता और काउंटरपार्टी, आरबीआई को दें। इससे रुपये पर दबाव के स्रोतों और संभावित जोखिमों को समझने में मदद मिलेगी। यह नई व्यवस्था जुलाई

2027 से चरणबद्ध तरीके से लागू होगी और जुलाई 2028 तक अधिकांश विदेशी डेरिवेटिव डेटा की रिपोर्टिंग अनिवार्य हो जाएगी, जिससे पूरा सिस्टम पारदर्शी बनेगा। छोटे लेन-देन और बैक-टू-बैक सौदों को रिपोर्टिंग से छूट दी गई है।

भारत-न्यूजीलैंड का ऐतिहासिक व्यापार करार साल के अंत तक होगा लागू

भारत को न्यूजीलैंड में 100 फीसदी शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच 20 अरब डॉलर एफडीआई का वादा

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड ने एक ऐतिहासिक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस करार के साल के अंत तक लागू होने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और श्रमिकों की आवाजाही में क्रांतिकारी बदलाव आने की संभावना है। यह समझौता भारत को न्यूजीलैंड के बाजार में 100 फीसदी शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करेगा, साथ ही अगले 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का मार्ग प्रशस्त करेगा और श्रमिकों की आसान आवाजाही की सुविधा देगा। न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैकले ने भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि यह करार कल न्यूजीलैंड की संसद में विश्लेषण के साथ पेश किया जाएगा। इसके बाद इसे प्रवर समिति को भेजा जाएगा, जहां आम जनता अपनी राय दे सकेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि विधेयक जल्द पारित होगा और साल के अंत तक समझौता लागू कर दिया जाएगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस समझौते को एक वास्तव में ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि एफटीए भारत में अधिक निवेश, बाजार तक व्यापक पहुंच और सेवाओं में मजबूत सहयोग के माध्यम से सभी क्षेत्रों में नए अवसर पैदा करेगा, जिससे दोनों देशों की साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगी। यह पिछले पांच वर्षों में भारत द्वारा किया गया सातवां एफटीए है, इससे पहले मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के देशों, ब्रिटेन और ओमान के साथ ऐसे करार किए जा चुके हैं। इस समझौते के लागू होने से भारतीय कपड़ा, परिधान, चमड़ा, कालीन, सिरैमिक, इंजीनियरिंग सामान और वाहन कलपुर्जा जैसे क्षेत्रों को 100 फीसदी उत्पादों पर शुल्क हटाए जाने से तत्काल लाभ मिलेगा। भारत लगभग 70 फीसदी उत्पादों के लिए शुल्क मुक्त बाजार खोलेगा, हालांकि संवेदनशील क्षेत्रों जैसे डेयरी, चीनी और खाद्य तेलों को सुरक्षा दी जाएगी। सेब, कीवी फल और शहद का आयात कोटा सीमा, न्यूनतम कीमतों और सुरक्षा शर्तों के तहत ही किया जाएगा। न्यूजीलैंड के सेबों को अप्रैल से अगस्त तक रियायती शुल्क का लाभ मिलेगा, जिसमें कोटा के भीतर शुल्क 50 फीसदी से घटाकर 25 फीसदी किया जाएगा और इसका न्यूनतम आयात मूल्य 1.25 डॉलर प्रति किलोग्राम से अधिक होना चाहिए।

डीजल में अल्कोहल और कमर्शियल एलपीजी में डीएमई का होगा मिश्रण

आयात निर्भरता घटाने को बीआईएस बना रहा गुणवत्ता

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ऊर्जा सुरक्षा चिंताओं के बीच, भारत सरकार ने आयात पर निर्भरता कम करने के लिए ब्लेंडेड डीजल और कमर्शियल एलपीजी की शुरुआत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) इन वैकल्पिक ईंधनों के लिए गुणवत्ता मानकों को अंतिम रूप देने में तेजी से काम कर रहा है। डीजल में मिलेगा 10 फीसदी आइसोब्यूटाइल अल्कोहल- डीजल में 10 फीसदी आइसोब्यूटाइल अल्कोहल (आईबीए) मिलाने के मानकों को बीआईएस अंतिम रूप दे रहा है। अनाज से बनने वाला यह ज्वलनशील लिक्विड, कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने के साथ ही किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया बाजार देगा। रिफाइनरियों और ट्रांसपोर्ट उद्योग के सुझावों पर आधारित यह मानक 15 जून 2026 तक जारी होने की उम्मीद है। इसी क्रम में, कमर्शियल उपयोग के लिए डाइमिथाइल ईथर (डीएमई) मिश्रित एलपीजी के मानकों को भी अंतिम रूप दिया गया है, जिसके 15 मई तक अधिसूचित होने की संभावना है। प्राकृतिक गैस, कोयला या बायोमास से बनने वाला यह मिश्रण केवल होटल, रेस्टोरेंट व उद्योगों जैसे कमर्शियल उपयोगकर्ताओं के लिए होगा, घरेलू सिलेंडरों के लिए नहीं, क्योंकि डीएमई फिलहाल खाना पकाने के लिए उपयुक्त नहीं माना गया है। सरकार का यह कदम होर्मुज स्ट्रेट जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने की चिंताओं के मद्देनजर ऊर्जा संकट से निपटने की भारत की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इन उपायों से देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और एशियाई देशों पर पश्चिम एशिया संकट का असर कम करने में मदद मिलेगी।

वित्त वर्ष 27 की कमाई पर मंडराया संकट तेल की कीमतें बनी चिंता

भू-राजनीतिक तनाव और 100 डॉलर से ऊपर कच्चा तेल

नई दिल्ली । भारतीय कंपनी जगत के लिए आने वाले वित्त वर्ष 2026-27 की कमाई में वृद्धि के अनुमानों में विश्लेषकों ने कटौती करनी शुरू कर दी है। इसके पीछे मुख्य कारण पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संघर्ष और कच्चे तेल की लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई कीमतें हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कारकों का पूरा असर अभी सामने नहीं आया है, और यह अगली कुछ तिमाहियों में कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा। विश्लेषकों ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारतीय कंपनियों की कमाई में वृद्धि के अनुमानों में कमी की है। निप्पॉन इंडिया ऐसेट मैनेजमेंट के एंड्रयू हॉलैंड को खाड़ी युद्ध से पहले 10-12 फीसदी वृद्धि की उम्मीद थी, जो अब युद्ध के लंबा खिंचने पर 6-10 फीसदी तक घट सकती है।

उनका मानना है कि कच्चे तेल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी का वास्तविक असर अभी पूरी तरह से सामने नहीं आया है। वर्तमान में कच्चे तेल की कीमतें लगभग 107 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी हुई हैं, जिसका मुख्य कारण अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में गतिरोध है। विशेषज्ञों का मानना है कि हॉरमुज स्ट्रेट में किसी भी बाधा की स्थिति में तेल की कीमतें 90-100 डॉलर प्रति बैरल पर ऊंची बनी रह सकती हैं, हालांकि स्ट्रेट खुलने पर तेजी से गिरावट भी आ सकती है। तेल की कीमतों का प्रभाव कमाई पर दिखने में समय लगेगा और यह एक तिमाही तक बना रह सकता है। विशेषज्ञों ने भी पश्चिम एशिया की जंग के चलते वित्त वर्ष 2027 में कंपनियों की कमाई में बढ़ोतरी को लेकर जोखिमों का इशारा किया है। उनका अनुमान है कि संघर्षविराम के बावजूद, आपूर्ति में रुकावटें और ऊंची लागत अगले कुछ महीनों तक बनी रहेगी, और ऊर्जा आपूर्ति सामान्य होने में तीन से चार महीने लग सकते हैं। हालांकि एक विश्लेषण के अनुसार मार्च 2026 की तिमाही के नतीजे घोषित करने वाली 141 कंपनियों का शुद्ध लाभ (असाधारण मदों को समायोजित करने के बाद) सालाना आधार पर 14 फीसदी बढ़ा है, जो पिछली 10 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। यह मौजूदा मजबूत प्रदर्शन और भविष्य की अनिश्चितताओं के बीच के अंतर को दर्शाता है।

बीटेक के बाद केवल प्राइवेट ही नहीं सरकारी नौकरी के भी मौके

बीटेक यानी बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी देश का सबसे लोकप्रिय अंडर ग्रेजुएट कोर्स है जिसे हर साल स्टूडेंट द्वारा अपने करियर का हिस्सा बनाया जाता है। चार साल के इस कोर्स को इंजीनियरिंग के क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है। इस कोर्स के बाद भविष्य में छात्रों को कई अवसर मिलते हैं ये अवसर नौकरी के क्षेत्र में तो मिलते ही हैं साथ ही हायर एजुकेशन के लिए भी यह एक बेहतर ऑप्शन है। आइए विस्तार से चर्चा कर लेते हैं कि बीटेक करने के बाद आप किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

हायर एजुकेशन

बीटेक करने के बाद छात्र आगे की पढ़ाई कर सकते हैं जहां वे एम.टेक या एमई के लिए जाना है, जो दोनों भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले पोस्टग्रेजुएट स्तर के प्रोफेशनल डिग्री प्रोग्राम हैं। एम.टेक का मतलब मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी है, जबकि एमई का मतलब मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग है। भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों जैसे आईआईटी और एनआईटी द्वारा पेश किए गए एमटेक प्रोग्रामों में चयनित होने के लिए छात्रों को इंजीनियरिंग में गेट ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए उपस्थित होना पड़ता है।

एमबीए

बीटेक के बाद छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा ऑप्शन एमबीए है। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट आमतौर पर कार्य अनुभव हासिल करने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी करने का विकल्प चुनते हैं और वे कुछ वर्षों के बाद MBA/PGDM प्रोग्राम को अपना लेते हैं। टॉप MBA कॉलेजों में शामिल होने के लिए छात्रों को CAT और CMAT जैसे लोकप्रिय एमबीए एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होता है।

कैंपस प्लेसमेंट

आमतौर पर कॉलेजों में प्लेसमेंट के जरिए छात्रों का चयन होता है। देश की अलग-अलग कंपनियां कॉलेजों में आकर छात्रों को नौकरी के लिए चुनते हैं। बीटेक के बाद, छात्रों को प्राइवेट कंपनियों द्वारा तकनीकी क्षेत्रों में एंट्री लेवल की नौकरी की भूमिकाओं के लिए काम पर रखा जाता है। आम तौर पर हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले छात्र अपने फील्ड में अनुभव लेने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी लेते हैं।

प्राइवेट कंपनियां

जो छात्र कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प नहीं चुनना चाहते हैं वे अपना बीटेक प्रोग्राम पूरा करने के बाद नौकरी के लिए विभिन्न प्राइवेट कंपनियों में भी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एंट्री लेवल की तकनीकी भूमिकाओं में निजी कंपनियों में शामिल होने के बाद छात्र कॉरपोरेट वर्ल्ड में अपने पैर जमा कर एक्सपीरियंस ले सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम यूपीएससी द्वारा आयोजित एक नेशनल लेवल का एग्जाम है। जो छात्र बीटेक की पढ़ाई के बाद डिफेंस, पीडब्ल्यूडी, रेलवे आदि की परीक्षा में भाग लेना चाहते हैं उनके लिए यह एक बेहतर ऑप्शन है।

पीएसयू नौकरियां

बीट्रेक करने के बाद छात्र इंजीनियरिंग के लिए गेट यानी ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तकनीकी नौकरी भी कर सकते हैं। कई पीएसयू के छात्रों को उनके गेट स्कोर के आधार पर एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए नियुक्त करते हैं। कुछ पीएसयू जैसे सीआईआई, इसरो और बीएआरसी भी एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए बीट्रेक छात्रों की स्क्रीनिंग के लिए अपनी परीक्षा आयोजित करते हैं।

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन में कैसे शुरू करें कॅरियर और क्या है इसके लिए आवश्यक कौशल

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है।

डिजिटल क्रांति ने व्यापार की दुनिया को काफी बदल दिया है, विशेष रूप से डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में और एसईओ में करियर के रूप में नए अवसर खोले हैं। मार्केटिंग के भीतर पूरे नए टूलकिट सामने आए हैं, जो कुछ दशक पहले अकल्पनीय था। एसईओ आज मार्केटिंग के उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जिसने पिछले एक दशक में एसईओ नौकरी के अवसरों की संख्या में काफी इजाफा किया है। सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है। एसईओ एक ऐसा पेशेवर व्यक्ति होता है जो सर्च इंजन परिणामों के पीछे एल्गोरिदम को सीखने और उसमें महारत हासिल करने में माहिर होता है ताकि वे अपने ग्राहकों और कंपनियों को सर्च करने में मदद कर सकें। आजकल एसईओ पेशेवर उच्च मांग में हैं। एसईओ विशेषज्ञों को डिजिटल और सामग्री विपणन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में वेब डेवलपर्स द्वारा सामग्री विपणक के रूप में और कई अन्य भूमिकाओं में काम पर रखा जाता है, केवल इसलिए कि डिजिटल अभियानों को सफल बनाने के लिए कंपनियों को वेब ट्रैफिक की आवश्यकता होती है।

क्या करता है एसईओ ?

जैसे-जैसे अधिक से अधिक व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं वे प्रतिदिन और भी अधिक सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं और अपने ब्लॉग या लेख के जरिये स्टैंड करना और दृश्यता हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, खासकर यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं। सही विजिबिलिटी के बिना व्यवसायों के लिए अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचना, अपनी ब्रांड की उपस्थिति बनाना और अपनी वेबसाइट के माध्यम से विश्वास पैदा करके और एक मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश करके संभावनाओं को आकर्षित करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए एसईओ में करियर आपको ऑर्गेनिक तरीकों के माध्यम से सर्च इंजन पर ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की मांग करेगा।

एसईओ कैसे काम करता है ?

एसईओ कॅरियर के अवसरों के साथ आप मुख्य रूप से दो मूल सिद्धांतों के साथ काम करेंगे- अत्यधिक प्रासंगिक कीवर्ड-रिच कंटेंट विकसित करना और वेबसाइट और वेब पेजों के लिए गुणवत्ता वाले बैकलिंक बनाना। सर्च इंजन ने एक व्यापक सूचकांक बनाया है जो सर्च क्वेरी के लिए प्रासंगिकता के क्रम में क्रमबद्ध है। इस प्रकार जब उपयोगकर्ता एक खोज क्वेरी में प्रवेश करता है तो सर्च इंजन जल्दी से अपने सूचकांक के माध्यम से चलता है और तुरंत परिणाम देता है। प्रत्येक कीवर्ड के लिए खोजकर्ता सर्च इंजन में इनपुट करता है।

इंडेक्सेशन के लिए ये सर्च इंजन क्रॉलर पर भरोसा करते हैं और इसलिए ऐसा नाम दिया गया है क्योंकि एक स्पाइडर की तरह वे पूरी वेब डायरेक्टरी को क्रॉल करते हैं। बैकलिंक्स गूगल बॉट्स को आपकी सामग्री को शीघ्रता से खोजने में मदद करते हैं क्योंकि वे अधिक आधिकारिक साइटों पर अधिक बार क्रॉल करते हैं। साथ ही अच्छे ऑर्गेनिक बैकलिंक्स आपकी वेबसाइट के लिए विश्वास और प्रासंगिकता का एक मीट्रिक है जो उपस्थिति और रैंक को बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए एक प्रासंगिक आधिकारिक साइट से बैकलिंक्स प्राप्त करना कॅरियर के अवसरों के आवश्यक पहलू होते हैं। इसके साथ ही केवल कुछ डोमेन के बजाय कई डोमेन से बैकलिंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। गुणवत्ता वाले बैकलिंक आपकी रैंकिंग को त्वरित अवधि में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे सकते हैं और इन सभी विभिन्न आधिकारिक वेबसाइटों से बड़ी मात्रा में रेफरल ट्रैफिक भी प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा एक गुणवत्तापूर्ण सामग्री बनाने और उच्च-गुणवत्ता वाले बैकलिंक्स प्राप्त करने के लिए आपकी गतिविधियाँ भी समय लेने वाली और एक श्रमसाध्य कार्य हो सकती हैं। इसलिए आपको एक उचित योजना के साथ काम करने और धैर्य रखने की आवश्यकता होगी।

किस तरह के कौशल की जरूरत होती है ?

एसईओ अधिक से अधिक जटिल होता जा रहा है क्योंकि सर्च इंजन एल्गोरिदम पर्याप्त रूप से उन्नत होते जा रहे हैं। इसलिए, एसईओ में कॅरियर आज कई कौशलों में महारत हासिल करने की मांग करता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण आपको बाजार के रुझानों के साथ बने रहने के लिए एक डायनामिक लर्नर होने की आवश्यकता होती है। सर्च इंजन एक वर्ष के भीतर कई अपडेट लाते हैं और इस बात पर नजर रखना कि वे आपके व्यवसाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि विभिन्न अपडेट आते रहते हैं। इसके बाद आपको मुख्य एसईओ कौशल में अपने लिए एक मजबूत नींव बनाने की जरूरत होती है। आपको डिजिटल मार्केटिंग के नट और बोल्ट को समझने और व्यावसायिक कौशल विकसित करना शुरू करने की आवश्यकता होती है। आपको नजर रखने और विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि प्रतियोगी कैसे आगे बढ़ रहे हैं और इस पर शोध फिर से पूरी तरह से सुनिश्चित होने वाला है। इसके आलावा आपको वेब फंडामेंटल, डेटाबेस तकनीकों और विशेष रूप से फ्रंट एंड,

वेबसाइट प्रबंधन के फाइल प्रबंधन पहलुओं की एक ठोस समझ होनी चाहिए। विश्लेषणात्मक कौशल अत्यधिक मूल्यवान होने जा रहे हैं। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको अपने प्रयासों के प्रभाव और परिणाम को मापने के लिए गूगल विश्लेषिकी और गूगल सर्च कंसोल के साथ समझने और काम करने की आवश्यकता होती है। आप विविध स्रोतों से प्रतिदिन आने वाली ढेर सारी सूचनाओं के साथ काम कर रहे होंगे। इसलिए आपको न केवल इसका अर्थ निकालने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि जानकारी को प्राथमिकता भी देनी होगी। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको व्यावसायिक परिदृश्य को समझने और गहन प्रतिस्पर्धा विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी। बैकलिंक प्रोफाइल को समझने के लिए एक टैब रखें कि वे क्या बना रहे हैं, वे किस प्रकार की सामग्री पोस्ट कर रहे हैं और वे कौन सी प्रेस विज्ञप्ति कर रहे हैं।

आप कैसे शुरुआत कर सकते हैं ?

पहले सर्च इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग के लिए वेबसाइट सेट करना वेबसाइट डेवलपर्स और एडमिन का डोमेन हुआ करता था। लेकिन एक अलग डोमेन और स्वतंत्र अभ्यास के रूप में एसईओ के उदय के साथ अब यह बदल गया है। यदि आप मार्केटिंग, ब्लॉगिंग, एनालिटिक्स के बारे में सीरियस हैं तो यह आपके लिए शुरुआत करने के लिए यह सही क्षेत्र है। इस अभ्यास में उत्कृष्ट विकास क्षमता है। जैसे-जैसे आप अधिक कौशल प्राप्त करते रहेंगे और अपने व्यवसाय और संचार कौशल का निर्माण करते रहेंगे, आप समय के साथ अपने आप से एक डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधक बनने की उम्मीद कर सकते हैं। एसईओ में कॅरियर फ्रीलांसिंग स्पेस में कई अवसर भी खोलता है। यदि आप विज्ञान पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं तो भी एसईओ कॅरियर के अवसरों में प्रवेश पाना असंभव नहीं होगा। कुछ तकनीकी अवधारणाएँ होंगी जिनमें आपको महारत हासिल करने की आवश्यकता होगी, लेकिन जब आप कोशिश करना शुरू करेंगे तो यह अंतत: आपके पास आ जाएगी।

बनना है सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर तो इन बातों का हमेशा रखें ध्यान

फिटनेस के क्षेत्र में जॉब की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। युवा तो युवा, अधिक उम्र के लोग भी फिटनेस ट्रेनर बनने की तरफ अपने कदम बढ़ा रहे हैं। यह माना जा रही है कि आने वाले वक्त में फिटनेस ट्रेनिंग इंडस्ट्री में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। केवल एक लीन बॉडी पाने की चाहत ने ही नहीं बल्कि हेल्थी लाइफस्टाइल की जरूरत ने भी इस क्षेत्र में इतनी वृद्धि की है। एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर के लिए जॉब की अपार संभावनाएं मार्केट में मौजूद हैं। इतना बेहतर करियर लेकिन सवाल सिर्फ एक- 'कैसे बना जाए सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर'। चलिए आज हम आपको विस्तार से बताते हैं कि एक फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए आपके पास कौन- से गुण होने चाहिए और आप कैसे बन सकते हैं एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर। फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान में।

डेवलप करें जरूरी स्किल्स

फिटनेस के क्षेत्र में करियर बनाना आसान नहीं है। यदि आप इस इंडस्ट्री में प्रवेश करना चाहते हैं, तो आपको फिटनेस फ्रीक बनना होगा और दूसरों को भी फिटनेस हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को उपयुक्त फिटनेस प्रोग्राम का पालन करने के लिए मोटिवेट करते हैं ऐसे में खुद को फिट रखना बेहद जरूरी है। एक फिटनेस ट्रेनर के पास अलग-अलग तरह के लोगों से निपटने के लिए अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल की जरूरत पड़ती है।

सर्टिफिकेशन कोर्स में करें रजिस्टर

फिटनेस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त ऑर्गनाइजेशन से सर्टिफाइड होना बेहद जरूरी है। कई संगठन लिखित और प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन के साथ विभिन्न प्रकार के फिटनेस ट्रेनिंग कोर्स प्रदान करते हैं। इन सर्टिफिकेशन कोर्स की अवधि 2-3 महीने की हो सकती है जिसकी फीस 10,000-30,000 रुपये के बीच हो सकती है। ज्यादातर सर्टिफिकेशन 2-3 सालों में समाप्त हो जाते हैं और उन्हें रिन्यू करने की जरूरत होती है।

स्पेशलिस्ट सर्टिफिकेशन जरूरी

आप फिटनेस ट्रेनिंग के क्षेत्र में भी अपनी स्पेशलाइज्ड फील्ड में सर्टिफिकेशन ले सकते हैं। यह बेहद जरूरी भी है। अगर आप वेट लिफ्टिंग आदि में रुचि रखते हैं तो उसमें भी सर्टिफिकेशन कोर्स किया जा सकता है।

शुरू करें अपना फिटनेस बिजनेस

एक बेहतर फिटनेस बनने की चाह रखने वालों के लिए अपना बिजनेस शुरू करना बेहद लाभदायक हो सकता है।

ऑन जॉब ट्रेनिंग

अगर आप एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो आपको वर्क एक्सपीरियंस होना बेहद आवश्यक है। ज्यादातर फिटनेस ट्रेनर अपने अनुभव के कारण सफलता प्राप्त कर पाते हैं। प्रोफेशनल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए फ्रेशर्स फिटनेस ट्रेनर के अंडर असिस्टेंट का कार्य भी कर सकते हैं और काफी कुछ सीख सकते हैं।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद में मुकाबला

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में बुधवार को मुम्बई इंडियंस की टीम अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद को हराने के इरादे से उतरेगी। मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल 4 अंक लेकर 9 वें स्थान पर है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक प्रभाव प्रदर्शन नहीं कर पाये है। कई स्टार खिलाड़ियों के होने के बाद भी टीम में निरंतरता की कमी देखी गयी है। ऐसे में उसे जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में मिली 103 रन से मिली हार से उसका नेट रन रेट भी खराब हो गया है।

टीम के चार प्रमुख खिलाड़ी कप्तान हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। तिलक वर्मा के गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शतक लगाकर टीम को चार मैचों के बाद जीत दिलायी थी पर सीएसके से हार के कारण वह फिर पीछे खिसक गयी है। गेंदबाजी की बात करें तो उसके मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब तक विफल रहे हैं।

वह अभी तक केवल दो विकेट ही ले पाए हैं। इसके अलावा ट्रेंट बोल्ट भी अब तक विफल रहे हैं। वह एक विकेट ही ले पाये हैं। दीपक चाहर के नाम भी एक विकेट ही है। ऐसे में उसके लिए सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाजों को रोकना आसान नहीं होगा।

रोहित शर्मा के चोटिल होने से भी टीम को झटका लगा है। उनकी जगह शामिल दानिश मालेवार असफल रहे है। वहीं चोटिल मिचेल सैंटनर की जगह केशव महाराज को टीम में शामिल किया गया है, अब देखना है कि विल जैक्स को अंतिम एकादश में जगह मिलती है या नहीं।

वहीं दूसरी और सनराइजर्स की टीम ने अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए 10 अंक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। सनराइजर्स के पास ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन और ट्रेविस हैड जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। उसके बाद वानखेड़े स्टेडियम के हालातों का लाभ उठाकर बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। सनराइजर्स ने पिछले मैच में बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स को हराया था। वहीं कप्तान पैट कमिंस की वापसी से सनराइजर्स का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच अब तक 25 मुकाबले हुए हैं। इसमें से 15 मुम्बई ने जबकि 10 सनराइजर्स ने जीते हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में रोमांचक मुकाबला होना तय है।

टीम इस प्रकार है

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक, मयंक रावत, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, कृष भगत, एएम गजनफर, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा.

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), सलिल अरोड़ा (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, रविचंद्रन अश्विन, अनिकेत वर्मा, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, लियाम लिविंगस्टोन, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, शिवम मावी, शिवांग कुमार, अमित कुमार, गेराल्ड कोएत्ज़ी, प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन, दिलशान मदुशंका, ईशान मलिंगा, ओंकार तरनाले, जयदेव उनादकट, जीशान अंसारी।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मैड्रिड ओपन में लगातार 9वीं जीत दर्ज की

मैड्रिड (एजेंसी)। अलेक्जेंडर ज्वेरेव सोमवार रात मैड्रिड ओपन में दबाव के बावजूद डटे रहे; उन्होंने मैच के आखिरी पलों में आई थोड़ी सी मुश्किल का सामना करते हुए एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपनी शानदार बढ़त को जारी रखा। दूसरी वरीयता प्राप्त जर्मन खिलाड़ी दूसरे सेट में 5-3 के स्कोर पर मैच खत्म करने वाली सर्विस नहीं कर पाए, जब टेरेंस आत्मान ने मैच का पासा पलटने की कोशिश की, लेकिन ज़्वेरेव ने खुद को संभाला और 6-3, 7-6 (2) से जीत हासिल की।

मनोलो सैन्टाना स्टेडियम में 1 घंटे 37 मिनट तक चले इस मैच में जीत के साथ, दो बार के मैड्रिड चैंपियन ज्वेरेव ने इस टूर्नामेंट में अपने नौवें प्रयास में नौवीं बार अंतिम 16 में जगह बनाई है। 2025 सीजन की शुरुआत थोड़ी उतार-चढ़ाव भरी रही थी-जिसमें ऑस्ट्रेलियन ओपन के फ़ाइनल तक का सफर शामिल था, लेकिन इंडियन वेल्स और मोंटे-कार्लो में उन्हें जल्दी ही बाहर होना पड़ा था-लेकिन 2026 में ज्वेरेव ने पूरी बाजी ही पलट दी है।

आत्मान पर मिली इस जीत के साथ एटीपी रैंकिंग में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव, जानिक सिनर के साथ उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने इस सीजन के चारों मास्टर्स 1000 इवेंट्स में अंतिम 16 में जगह बनाई है। सिनर ने इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे-कार्लो में ज़्वेरेव के शानदार सफर को सेमीफ़ाइनल में ही रोक दिया था; लेकिन मैड्रिड में इन दोनों खिलाड़ियों का आमना-सामना तभी हो पाएगा, जब दोनों ही फाइनल में जगह बनाने में कामयाब होंगे। अगले मैच में ज्वेरेव का मुकाबला याकूब मेन्सिक से होगा, जिन्होंने अपने तीसरे मैच पॉइंट को भुनाते हुए कैरेन खाचानोव को हराया।

आईपीएल में बिगड़ रहा गेंद ओर बल्ले का संतुलन : रिपोर्ट

मुम्बई (एजेंसी)। आजकल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के मुकाबले जारी है। साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही आईपीएल ने लगातार प्रगति करते हुए दुनिया भर में अपनी अलग पहचान बनायी है। इस लीग में दुनिया भर के क्रिकेटर खेलते हैं। यह लीग अपनी गुणवत्ता और रोमांच मुकाबलों के कारण चर्चित रही है और इस पर प्रशंसकों का भरोसा बना हुआ है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ सत्र से इस लीग में जिस प्रकार से बल्लेबाज हावी होने लगे हैं। उससे इसका संतुलन खराब हो रहा है। अब लगाता है कि यह लीग अब बल्लेबाजों का स्वर्ग बन गयी है। इसमें गेंदबाजों की भूमिका सीमित होती जा रही है। इसका कारण कई नियम है जो गेंदबाजों के खिलाफ जाते हैं। प्रायोजक बड़े स्कोर वाले मैच चाहते हैं जिससे की प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा रहे।

इस सत्र में कई ऐसे मैच देखने को मिले हैं, जो खेल के संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ चुके हैं। हाल ही में एक ही दिन में 464 गेंदों में 985 रन बने। यहां तक कि 265 और 228 जैसे बड़े लक्ष्य भी टीमें आसानी से हासिल कर रही हैं। यह इस बात को दिखाता है कि अब कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं है। गेंदबाज अब सिर्फ चौके-छक्के खाने के लिए गेंद फेंकते नजर आ रहे हैं, उनकी भूमिका मैदान पर केवल औपचारिकता पूरी करने तक ही रह गयी है।

इसी कारण कई क्रिकेट विशेषज्ञ खेल को लेकर खुश नहीं है। जसपीत बुमराह, पैट कमिंस, जोश हेज़लवुड, अर्शदीप सिंह या जोफ्रा आर्चर जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाजों को भी ऐसे चौके-छक्के पड़ रहे हैं, जैसे वे किसी स्थानीय टीम के गेंदबाज हों। अठारह गेंदों में अर्धशतक बनाना अब आम बात हो गयी है।

वहीं लीग की सफलता का आधार हमेशा बल्ले और गेंद के बीच संतलुन बना रहना माना जाता है। ऐसे में अब किकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इस मामले को देखते हुए इसका हल निकालने पर गंभीरत से विचार करना होगा। ये देखना होगा कि गेंदबाजी और बल्लेबाजी संतुलन बना रहे अभी सभी नियम बल्लेबाजों के पक्ष में जा रहे हैं। पावरप्ले को लेकर भी फैसला लेना होगा। इसमें अभी सबसे अधिक रन बन रहे हैं।

स्मृति मंधाना नई महिला टी20 रैंकिंग में पांचवें स्थान पर खिसकी, दीप्ति चौथे स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारत की उप कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को जारी आईसीसी की नवीनतम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान नीचे खिसककर पांचवें स्थान पर आ गईं जबकि ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गईं।

बल्लेबाजों की सूची में अन्य महत्वपूर्ण बदलावों में भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर शामिल हैं जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में संपन्न श्रृंखला में 169 रन बनाने के बाद एक स्थान के फायदे से 646 अंक के साथ फिर से शीर्ष 10 में शामिल हो गई हैं। वहीं ऋचा घोष दो स्थान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं और उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 786 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। अब वह दूसरे स्थान पर मौजूद बेथ मूनी से सिर्फ दो रेटिंग अंक पीछे हैं। जॉर्जिया वोल 815 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। वोलवार्ट ने

56 गेंद में नाबाद 92 रन बनाकर भारत के खिलाफ पांच मैच की श्रृंखला का अंत 330 रन के साथ किया जो किसी भी महिला द्विपक्षीय टी20 श्रृंखला में किसी एक खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन हैं। उनकी टीम ने श्रृंखला 4-1 से जीती। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है।

इस सूची में पाकिस्तान की स्पिनर सादिया इकबाल शीर्ष पर बनी हुई हैं जबकि टी20 विश्व कप से पहले भारत की ऑलराउंडर दीप्ति और दक्षिण अफ्रीका की स्पिनर नॉनकुलुलेको मलाबा संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। भारत की युवा खिलाड़ी श्री चरणी ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। बेनोनी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के अंतिम मैच में दो विकेट लेने के बाद बाएं हाथ की यह गेंदबाज 12 स्थान की छलांग लगाते हुए 11वें पायदान पर हैं।

बांग्लादेश की श्रीलंका के साथ घरेलू श्रृंखला के समापन के बाद नई एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी कुछ बदलाव देखने को मिले हैं। नवीनतम रैंकिंग में घरेलू टीम की कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में सुधार हुआ है। बांग्लादेश की अनुभवी जोड़ी निगार सुल्ताना (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर) और शोभना मोस्तरी (पांच पायदान ऊपर चढ़कर 45वें स्थान पर) ने एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में सुधार किया है जबकि नाहिदा अख्तर (दो स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर) और मारूफा अख्तर (छह स्थान ऊपर चढ़कर 37वें स्थान पर) एकदिवसीय गेंदबाजों की सूची में आगे बढ़ने में सफल रही हैं।

श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू एकदिवसीय ऑलराउंडर की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर और गेंदबाजों की रैंकिंग में सात स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप 34वें स्थान पर पहुंच गईं हैं। टीम की उनकी साथी हर्षिता समरविक्रमा (तीन स्थान के फायदे से संयुक्त रूप से 20वें स्थान पर) को भी बल्लेबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

आईपीएल में पहले शतक के लिए विराट को करना पड़ा था आठ साल इंतजार

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली आज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं पर उन्हें भी अपना पहला शतक बनाने के लिए 8 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा था। विराट ने शुरुआत से अभी तक के सभी आईपीएल सत्र खेले हैं। इससे उनके नाम आईपीएल में सबसे ज़्यादा रन, सबसे ज़्यादा अर्धशतक और शतक होने के साथ ही सबसे अधिक चौके भी हैं। इसके अलावा 300 से अधिक छक्के भी उनके नाम हैं हालांकि इसके बाद भी वह शुरुआती सत्रों में शतक नहीं लगा पाये थे। पहला शतक लगाने के बाद कोहली लगातार आगे बढ़ते गये हैं। विराट अपनी को पावर हिटिंग की जगह पर पारंपरिक अंदाज में खेलने के लिए जाना जात है। उन्होंने अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया कि टी20 प्रारुप में शतक लगाने के लिए केवल छक्कों की ही आवश्यकता नहीं, बल्कि क्रिकेट कौशल की जरुरत है। ऐसा नहीं था वहीं रन रन नहीं बना पा रहे थे। वह अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल दोनों स्तरों पर लगातार बड़ी पारियां खेल रहे थे पर उसे शतक में नहीं बदल पा रहे थे। उनका पहला शतक साल 2016 में आया। तब टीम का मुकाबला गुजरात लायंस से था। उस मैच में हालांकि विराट के शतक के बाद भी आरसीबी को हार झेलनी पड़ी। इसी सत्र में उन्होंने 973 रन बनाकर सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया। अब तक, विराट के नाम आईपीएल में 8 शतक हैं, जो लीग के इतिहास में किसी भी बल्लेबाज द्वारा सबसे अधिक हैं। वहीं उनके नाम 9,000 से अधिक रन हैं।

अंगुली के स्पिन कौशल को बढ़ा रहे क्रुणाल पांड्या : कार्तिक

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाजी कोच और मेंटर दिनेश कार्तिक ने ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार वह अंगुली के स्पिन कौशल को आगे बढ़ा रहे है। उसके लिए उन्हें श्रेय मिलना ही चाहिये। इस प्रकार के गेंदबाजी कौशल को उनके जैसे गेंदबाजों के कारण ही पहचान मिल रही है। कार्तिक ने कहा कि बल्लेबाजों के मन में संदेह पैदा करने और लगातार बेहतर परिणाम देने की क्रुणाल की जबरदस्त क्षमता यह साबित करती है कि एक ऑलराउंडर के तौर पर उनमें कितना सुधार आया है। उन्होंने यह भी कहा कि क्रुणाल का यह प्रभाव दिखाता है कि आईपीएल में किस प्रकार से खेल को नये आयाम मिल रहे हैं और उसमें बदला आ रहा है। क्रुणाल की सराहना करते हुए कार्तिक ने कहा, क्रुणाल एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें यह खेल लंबे समय तक याद रखेगा। वह जिस प्रकार से अंगुली के स्पिनरों के लिए बनी तय सीमाओं को लगातार चुनौती दे रहे हैं और ऐसी गेंदें फेंक रहे हैं जिनकी कुछ साल पहले तक कल्पना भी नहीं की जा सकती थी, उसके लिए उनकी तारीफ होनी ही चाहिये। कार्तिक के अनुसार, क्रुणाल अपनी कला में महारत हासिल कर रहे हैं। उन्हें भली-भांति पता है कि बल्लेबाजों के मनोविज्ञान को समझते हुए अपनी विविधताओं का उपयोग कब करना है, और अधिकांश अवसरों पर उन्हें इसका अपेक्षित लाभ भी मिलता है, जिससे वे विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में सफल रहते हैं। कार्तिक ने साथ ही कहा कि एक ऑलराउंडर के रूप में क्रुणाल में जिस तरह का सुधार आया है, । उसका बहुत सारा श्रेय उन्हीं को मिलना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जिस तरह आईपीएल क्रिकेट का आकार बदल रहा है और उसे एक नई दिशा दे रहा है, ठीक उसी तरह अंगुली के स्पिनर भी यही कर रहे हैं। कुणाल ने आरसीबी के लिए अब तक सात मैचों में आठ विकेट लिए हैं, जो उनकी गेंदबाजी में निरंतरता और प्रभाव को दिखाता है।

क्रुनाल ने अपनी सफलता का श्रेय कोच रंगराजन को दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर कृणाल पंड्या ने आईपीएल के इस सत्र में अच्छे प्रदर्शन का श्रेय स्पिन गेंदबाजी कोच मलोलन रंगराजन को दिया है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करने वाले कृणाल ने अपनी गेंदबाजी में आए बड़े बदलाव का श्रेय कोच को दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि रंगराजन के भरोसे के कारण ही वह मैदान पर नए प्रयोग कर पाये। इसके अलावा कोच ने उन्हें खुलकर खेलने की आजादी दी, जिससे उनकी गेंदबाजी में एक घातक निखार आया है।

कृणाल ने बताया कि आईपीएल के पिछले दो सीजन में उनकी गेंदबाजी में जो जबरदस्त सुधार देखा गया है, उसके पीछे कोच रंगराजन का निरंतर समर्थन है। आरसीबी से जुड़ने के बाद उनकी भूमिका में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया। उन्हें सिर्फ गेंद डालने वाले गेंदबाज के बजाय विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में जिम्मेदारी दी गई, जिसने उन्हें बाउंसर को फेंकने के लिए प्रेरित किया। यह एक ऐसा कदम था जो आमतौर पर स्पिनरों के लिए आम नहीं माना जाता।

इस आईपीएल में अपनी तेज बाउंसर गेंदों से बल्लेबाजों को लगातार परेशान करने वाले कृणाल ने बताया कि उनकी ये बाउंसर केवल दिखावे के लिए नहीं होतीं, बल्कि इनके पीछे एक ठोस सोच और गहरी योजना होती है। उन्होंने कहा कि पिछले साल के अच्छे प्रदर्शन के बाद, वे मानसिक रूप से बल्लेबाज से एक कदम आगे रहने के लिए अपने खेल में कुछ नया जोड़ना चाहते थे। इसी सोच के साथ उन्होंने बाउंसर और लो-आर्म ट्राजेक्टरी वाली गेंदें डालना शुरू किया, जो विशेष रूप से बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ भी बेहद कारगर साबित हुई हैं। कृणाल ने इस चुनौती को स्वीकार किया और यह प्रयोग उनके लिए काफी सफल रहा है।

कृणाल ने इस बात पर जोर दिया कि एक स्पिनर के लिए बाउंसर डालना आसान नहीं है और इसके लिए असाधारण शारीरिक फिटनेस की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया, कम रन-अप में इतनी गति और उछाल लाना वास्तव में कठिन होता है। उन्होंने यह भी साझा किया कि वह अभ्यास सत्र में बाउंसर का ज्यादा अभ्यास नहीं करते, क्योंकि इसमें काफी मेहनत लगती है और वह खुद को फिट व तरोताजा रखने के लिए इसे सीधे मैच में ही इस्तेमाल करना पसंद करते हैं।

इसी अवसर पर, कृणाल पंड्या ने टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को आईपीएल में 9000 रन पूरे करने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई भी दी। कोहली इस प्रतिष्ठित लीग में यह मील का पत्थर छूने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने 275 मैचों और 267 पारियों में 40.05 की प्रभावशाली औसत से यह कारनामा किया है।

वैभव को लेकर मनु बोली, सही मार्गदर्शन मिला तो वह बड़े सितारे बनेंगे

नई दिल्ली। 15 साल की उम्र में आईपीएल में धूम मचा रहे क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी के बारे में जब ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर से पूछा गया तो मनु ने वैभव की सराहना करते हुए कहा कि अगर मेंटरशिप अच्छी है और आसपास का माहौल अच्छा है तो उम्र से फर्क नहीं पड़ता उम्र तो केवल एक नंबर है। प्रतिभा की कोई उम्र नहीं होती। बड़ी उपलब्धियां 60 साल में भी होती हैं और 6 साल में भी। उन्होंने साथ ही कहा कि अगर वैभव को सही मार्गदर्शन मिलता है, तो वह निश्चित रूप से बड़े सितारे बनेंगे। वहीं मनु जैसी शीर्ष स्तर की खिलाड़ी से इस प्रकार के सवाल पर कई लोगों ने आपत्ति जतायी है। उनका कहना है कि मनु ने भारत के लिए ओलंपिक मंच पर महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं और देश का नाम रोशन किया है। उनकी इस पहचान और उपलब्धियों को देखते हुए, उनसे किसी क्रिकेटर पर सवाल किया जाना सही नहीं हैं। ओलंपिक पदक से बढ़कर कुछ नहीं है। उसके सामने आईपीएल कहीं नहीं लगात। इस प्रकार के सवाल कर क्रिकेट को अन्य खेलों से श्रेष्ठ साबित करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व टीम डायरेक्टर जॉय भट्टाचार्य ने सोशल मीडिया पर लिखा, दोस्तों, वह ओलंपिक पदक विजेता हैं। उनसे यह पूछना कि वह वैभव सूर्यवंशी के बारे में क्या सोचती हैं, उनके और उनके खेल के साथ अन्याय है। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या भारत में ओलंपिक खेलों और उनके सितारों को क्रिकेट के बराबर सम्मान और पहचान मिल पाती है, या नहीं।

विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई पर बाधा डालने के आरोपों के बाद रैंकिंग प्रतियोगिता के लिए किया पंजीकरण

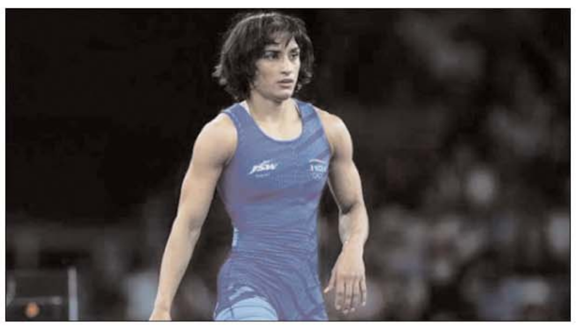

नई दिल्ली। भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने मंगलवार को पुष्टि की कि उन्होंने गोंडा में होने वाले आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए सफलतापूर्वक पंजीकरण कर लिया है। उन्होंने इससे पहले आरोप लगाया था कि भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) उनकी भागीदारी में बाधाएं उत्पन्न कर रहा है। उनके देर से पंजीकरण को लेकर पैदा हुई भ्रम की स्थिति के बीच यह स्पष्टीकरण सामने आया है। WFI का कहना था कि पंजीकरण पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण केवल विनेश ही नहीं, बल्कि कई पहलवान शुरुआत में प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे। बाद में लिंक उपलब्ध होने पर विनेश अपना पंजीकरण कराने में सफल रहीं। विनेश ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मेरा पंजीकरण आज सुबह पूरा हो गया। कल लिंक बंद होने के कारण मैं पंजीकरण नहीं कर पाई थी। सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। 20 महीनों के बाद अपनी पहली प्रतियोगिता में उतरने को लेकर उत्साहित हूं।' विनेश ने कहा कि पंजीकरण आज सुबह ही पूरा हो सका, जबकि डब्ल्यूएफआई से मिली जानकारी के अनुसार उनका पंजीकरण सोमवार रात 10:29 बजे पूरा हो गया था। विनेश 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में 57 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। पेरिस ओलंपिक 2024 में अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित होने के बाद यह उनकी पहली प्रतियोगिता होगी। उन्होंने इससे पहले संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन इस साल के एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए अपना फैसला बदल दिया। वह अक्टूबर 2024 में हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुनी गईं और इसी दौरान मां भी बनीं।

आईपीएल 2026 : भुवनेश्वर कुमार का पर्पल कैप पर कब्जा, ऑरेंज कैप की रेस हुई दिलचस्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स (DC) को उनके IPL 2026 घरेलू मुकाबले में 75 रन पर ऑलआउट कर दिया। गेंद के साथ RCB के शानदार प्रदर्शन के चलते पर्पल कैप लीडरबोर्ड में नया लीडर सामने आया। मैच में सिर्फ 152 रन बने, लेकिन फिर भी ऑरेंज कैप की रैंकिंग में भी बदलाव हुआ।

पर्पल कैप लीडरबोर्ड

भुवनेश्वर कुमार ने DC के खिलाफ 3-0-5-3 के आंकड़े दर्ज किए जिसमें उनके तीनों विकेट पावरप्ले में आए और RCB ने DC को 81 गेंद शेष रहते 9 विकेट से रौंद दिया। इसके साथ ही भुवनेश्वर अब पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं।

अंशुल कंबोज और इशान मलिंगा की तरह भुवनेश्वर के भी 14 विकेट हैं लेकिन उनका औसत 16.85, उन्हें कंबोज (16.92) और मलिंगा (18.21) से आगे ले गया। RCB के बाएं हाथ के स्पिनर क्रुणाल पांड्या ने DC के खिलाफ एक विकेट लेकर शीर्ष 10 विकेट लेने वालों की सूची में जगह बनाई। उनके अब 9 विकेट हैं, जो कि कार्तिक त्यागी, जेमी ओवटर्न और वैभव अरोड़ा के बराबर हैं, लेकिन उनका औसत (26.55), अन्य तीनों से बेहतर है।

जॉश हेजलवुड ने भी भुवनेश्वर का साथ देते हुए पावरप्ले में तीन विकेट झटके, जिससे डीसी का स्कोर IPL इतिहास के सबसे खराब पावरप्ले स्कोर 13/6 तक पहुंच गया। बाद में उन्होंने एक और विकेट लिया और 3.3-0-12-4 के आंकड़े के साथ मैच ख़त्म किया। उनके विकेटों की संख्या अब दोगुनी होकर आठ हो गई है और वह 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऑरेंज कैप

विराट कोहली ने दिल्ली में 76 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद 23 रन बनाए और IPL में 9000 रन पूरे किए। इस पारी के साथ वह ऑरेंज कैप की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए। उनके 351 रन हैं, जबकि औसत 58.50 का है। कोहली अब वैभव सूर्यवंशी से सिर्फ छह रन पीछे हैं, जबकि सूर्यवंशी, खुद केएल राहुल से केवल एक रन पीछे हैं।

डीसी के सलामी बल्लेबाज राहुल ने RCB के खिलाफ सिर्फ एक रन बनाया, लेकिन इतना ही उन्हें सूर्यवंशी से आगे ले जाने और 358 रन के साथ दूसरे स्थान पर पहुंचाने के लिए काफी था। ऑरेंज कैप की रेस में अब भी सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा शीर्ष पर हैं, जिनके 380 रन हैं और उनका औसत 54.28 है।

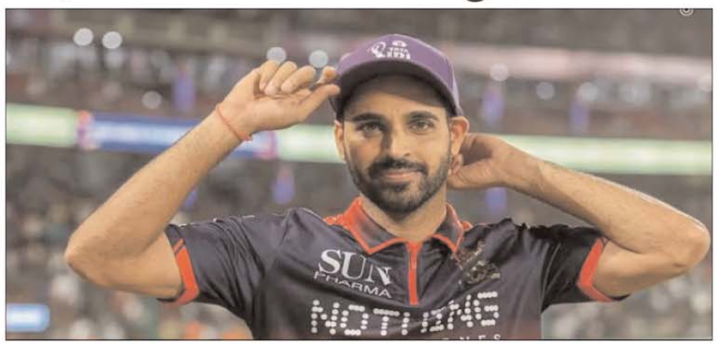

दिल्ली कैपिटल्स को प्लेऑफ के लिए जीतने होंगे बचे हुए मैच

नई दिल्ली। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का प्रदर्शन उतार चढ़ाव से भरा रहा है। टीम को लगातार दो करारी हार झेलनी पड़ी है। वह अपनी 8 में से 5 मैच हार गयी है और केवल 3 में जीत के साथ ही 6 अंकों लेकर सातवें नंबर पर है। ऐसे में टीम के प्लेऑफ में पहुंचने पर आशंकाएं लगायी जा रही हैं हालांकि उसकी संभावनएं अभी समाप्त नहीं हुई हैं। टीम के अभी 6 मैच बचे हुए हैं और वह उन सभी में जीत जाती है तो सीधे प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। इससे उसके 18 अंक हो जाएंगे। वहीं अगर वह पांच मैच जीतती है तो उसके कुल अंक 16 तक पहुंच जाएंगे। इससे भी उसे प्लेऑफ्स में जगह मिल सकती है पर उसे नेट रन रेट बेहतर बनाये रखना होगा।

वहीं अगर दिल्ली कैपिटल्स अपने बाकी बचे 6 मैचों में से दो या उससे अधिक मुकाबले गंवा देती है, तो उसके लिए प्लेऑफ्स में पहुंचना लगभग असंभव हो जाएगा। इसका कारण ये है कि 14 या उससे कम अंकों वाली टीमों को आमतौर पर प्लेऑफ्स में जगह नहीं मिलती है। इस स्थिति में नेट रन रेट भी देखा जाता है जो दिल्ली के लिए काफी खराब चल रहा है। अभी 6 अंक होने लेकिन नेट रन रेट बेहतर होने के कारण चेन्नई सुपर किंग्स अंक तालिका में छठे स्थान पर है, वहीं दिल्ली खराब नेट रन रेट के कारण सातवें स्थान पर है। ऐसे में, दो या अधिक हार दिल्ली से दिल्ली नेट रन रेट के कारण प्लेऑफ के लिए दूसरी टीमों पर निर्भर हो जाएगी।

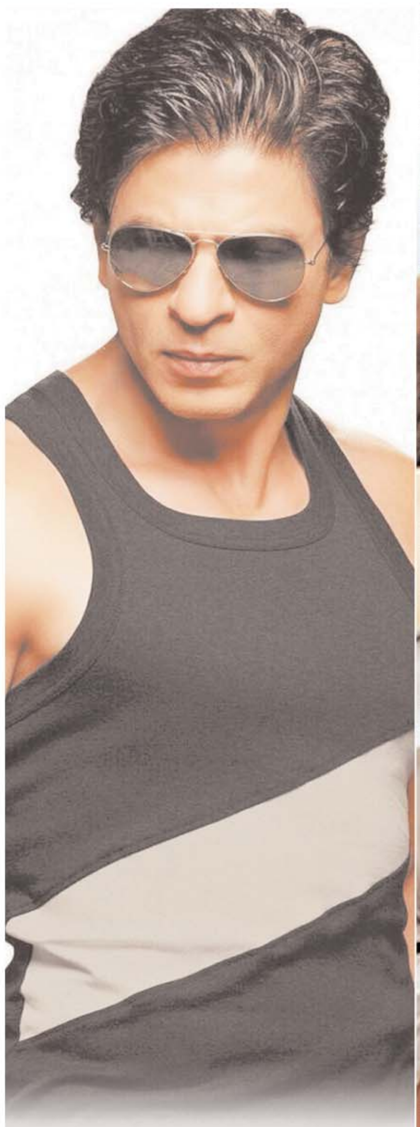

'किंग' के बाद 'जवान' के सीक्वल पर काम शुरू कर सकते हैं शाहरुख

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान जल्द ही अपनी नई फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं। फिलहाल फिल्म की शूटिंग जारी है, लेकिन इससे पहले उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि एक्टर अपनी सुपरहिट मूवी के सीक्वल में नजर आएंगे।

शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' के बाद एक और बड़े प्रोजेक्ट की तैयारी में लग सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख खान फिलहाल अपनी फिल्म 'किंग' पर फोकस कर रहे हैं, जो एक बड़े बजट की एक्शन फिल्म बताई जा रही है और 2026 में रिलीज हो सकती है। लेकिन इसी बीच खबर है कि 'किंग' के बाद वह अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान' के सीक्वल यानी 'जवान 2' पर काम शुरू कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, इस फिल्म की स्क्रिप्ट लगभग तैयार है और मेकर्स इसे आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अभी तक इसको लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इससे पहले भी 'जवान 2' को लेकर कई तरह की खबरें सामने आ चुकी हैं, लेकिन फिल्म के डायरेक्टर की तरफ से भी कोई कन्फर्मेशन नहीं दिया गया था। कहीं न कहीं इस खबर से फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है।

'किंग' फिल्म के बारे में

शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी। ये एक एक्शन पैक फिल्म होने वाली है। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, सुहाना खान, अनिल कपूर, अभय वर्मा और अरशद वारसी जैसे बड़े सितारे नजर आ सकते हैं।

क्या अल्लू अर्जुन की 'राका' से कम हुआ दीपिका का रोल? मेकर्स ने बताई सच्चाई

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' रिलीज होते ही चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में फिल्म का फर्स्ट लुक जारी हुआ, जिसके बाद फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई। हालांकि, बीच में ऐसी खबरें भी आईं फिल्म में दीपिका पादुकोण की भूमिका अब छोटी कर दी गई है। इन दावों पर अब खुद 'राका' के मेकर्स की प्रतिक्रिया सामने आई है।

फिल्म की टीम ने खबरों को बताया अफवाह

दीपिका पादुकोण के दूसरी प्रेग्नेंसी घोषित करने के बाद ऐसी खबरें आई कि अब फिल्म से दीपिका की भूमिका छोटी की जा सकती है। अब 'राका' के प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने इन दावों को पूरी तरह निराधार बताया है। फिल्म की टीम ने पुष्टि की, 'सब कुछ योजना के अनुसार चल रहा है। दीपिका पादुकोण 'राका' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और शूटिंग पूरे जोश के साथ सुचारू रूप से चल रही है।'

प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद काम पर लौटीं दीपिका

हाल ही में मीडिया रिपोर्टों में यह भी बताया गया कि दीपिका अपनी दूसरी गर्भावस्था के बावजूद काम से ब्रेक लेने के मूड में नहीं हैं। दीपिका ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी घोषित करने के बाद काम फिर से शुरू कर दिया है। वह अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' के लिए कुछ एक्शन से भरपूर सीन की शूटिंग करेंगी, जिसमें सभी एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं। एटली द्वारा निर्देशित यह फिल्म फिलहाल तय कार्यक्रम के अनुसार चल रही है। फिल्म तय समय-सीमा के अनुसार ही आगे बढ़ रही है।

शाहरुख के साथ नजर आएंगी दीपिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका के पास 'राका' के अलावा शाहरुख खान के साथ 'किंग' फिल्म भी है। इसमें उनके अलावा एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। जिसमें शाहरुख की बेटी सुहाना खान, जयदीप अहलावत, जैकी श्रॉफ, रानी मुखर्जी, अरशद वारसी और अभिषेक बच्चन समेत कई कलाकारों के नाम शामिल हैं। दीपिका आखिरी बार 'सिंघम अगेन' में नजर आई थीं। इस बीच पिछले साल वो 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2' जैसी फिल्मों से बाहर होने के चलते चर्चाओं में रही थीं।

'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' के फिनाले में इमोशनल हुए अक्षय

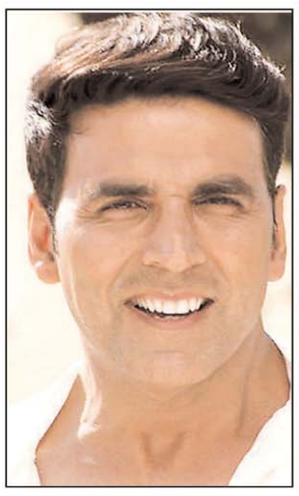

अक्षय कुमार का रियलिटी गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' 27 अप्रैल को ग्रैंड फिनाले के साथ खत्म होने जा रहा है, जिसमें फराह खान, जैकलीन फर्नांडिस और भूमि पेडनेकर नजर आएंगी।

अक्षय को टीम ने दिया खास ट्रिब्यूट

शो की ओर से एपिसोड का प्रोमो शेयर किया गया। प्रोमो की शुरुआत में ढेर सारी मस्ती देखने को मिलती है। लेकिन शो का तब इमोशनल हो जाता है, जब भूमि पेडनेकर बताती हैं कि शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' की टीम ने अक्षय के लिए एक खास ट्रिब्यूट तैयार किया है। इस वीडियो मोंटाज में शो के कई यादगार पल दिखाए जाते हैं, साथ ही एक दिल छू लेने वाला मैसेज सुनाई देता है- 'कल से ये मंच नहीं होगा, लेकिन आपकी मुस्कुराहट याद रहेगी, आपकी शरारतें, नादानियां और शैतानियां याद रहेंगी... आप याद रहेंगे।' यह ट्रिब्यूट देखकर अक्षय कुमार की आंखों में आंसू आ गए। प्रोमो में वो अपने आंसू छुपाने के लिए फराह खान के पीछे जाते नजर आते हैं। अपने इस सफर को याद करते हुए अक्षय बताते हैं कि शो के 65 एपिसोड पूरे हो चुके हैं, जिसमें करीब 200 कंटेस्टेंट्स ने हिस्सा लिया।

सोशल मीडिया से परेशान हुए पार्थ समथान, उठाया यह बड़ा कदम

टीवी के मशहूर अभिनेता पार्थ समथान अपने बेहतरीन अभिनय के साथ ही अपनी दमदार पर्सनैलिटी के लिए जाने जाते हैं। लेकिन हाल ही में न जाने ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने सोशल मीडिया से दूर रहने का फैसला कर लिया है। उनके इस फैसले ने हर किसी को हैरान कर दिया है। जानिए क्या है पूरा मामला?

पार्थ समथान ने सोशल मीडिया से क्यों बनाई दूरी?

दरअसल, पार्थ अपने परिवार और खुद पर होने वाले ट्रोलिंग से बहुत परेशान हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा कि कुछ लोग नकली अकाउंट्स खरीदकर उनके और उनके परिवार की निजी जिंदगी पर गलत कमेंट्स कर रहे हैं। 'मुझे बहुत गुस्सा आ रहा है' पार्थ ने कहा, 'मैं शांत और पॉजिटिव इंसान हूं, लेकिन यह सब देखकर मुझे बहुत गुस्सा आ रहा है। मुझे लगता है कि मैं जानता हूं कि यह सब कौन कर रहा है, लेकिन नाम लेना बेकार है।' उन्होंने आगे लिखा कि अब वह साइबर क्राइम में शिकायत करने में समय बर्बाद नहीं करेंगे। बल्कि अपनी जिंदगी और काम पर ध्यान देंगे।

कौन हैं पार्थ समथान?

पार्थ समथान एक प्रसिद्ध भारतीय टेलीविजन अभिनेता और मॉडल हैं। उन्होंने 'गुमराह' और 'बेस्ट फ्रेंड्स फॉरएवर?' जैसे शो से अपना करियर शुरू किया था। फिलहाल, पार्थ समथान टीवी शो 'सहर होने को है' में 'माहिद' का किरदार निभा रहे हैं। इस शो में उनके साथ माही विज, ऋषिता सिंह और कनिका माहेश्वरी भी काम कर रही हैं। पार्थ को 'कसौटी जिंदगी की 2' और 'कैसी ये यारियां' जैसे शोज से बहुत पॉपुलैरिटी मिली थी।

मुझे पैपराजी से बात करना अच्छा लगता है

अभिनेत्री सोनम बाजवा इन दिनों अपनी आगामी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'पिट सियापा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में सोनम प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही में सोनम ने पैपराजी के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि जब पैप्स उनसे फोटोज के लिए कहते हैं, तो उनका रिएक्शन कैसा होता है? बातचीत में सोनम बाजवा ने कहा कि जब पैपराजी उनसे फोटो के लिए कहते हैं, तो समझ ही नहीं आता कि कैसे रिएक्ट करें। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं जोर से हंसती हूं। मुझे नहीं पता कि पैपराजी के सामने क्या करना है। वे सैलून के बाहर भी इंतजार कर रहे होते हैं। मैं उन्हें मना नहीं कर सकती। लेकिन मुझे बहुत शर्म आती है, मुझे नहीं पता कि अगर मैं अभी-अभी सैलून से निकली हूं तो उनके सामने कैसे पोज दूं। वैसे पैपराजी बहुत कूल हैं। वे आपको इतना हंसाते हैं। मुझे लगता है कि लोग सोचेंगे, यह पैपराजी के सामने क्यों हंसती रहती है? मुझे उनसे बात करने में बहुत मजा आता है। मुझे उनसे कभी-कभार मिलना अच्छा लगता है। हालांकि, एक्ट्रेस ने ये भी कहा कि कभी-कभी पैपराजी प्राइवेसी वाली जगहों पर भी पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन कभी-कभी, आप अभी-अभी सोकर उठे होते हैं। आपने एक कप कॉफी भी नहीं पी होती। आपको जिम के लिए देरी हो रही होती है। जैसे ही आप जिम पहुंचते हैं, आपको पैपराजी दिख जाते हैं। आपका चेहरा सूजा हुआ होता है। हो सकता है कि आप पिछली रात से सोए न हों। आपने पर्याप्त पानी भी नहीं पिया हो। लेकिन पैपराजी आपका इंतजार कर रहे होते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुंबई में पैपराजी कल्चर कितनी गहराई से जड़ जमा चुकी है। हर कोई सतर्क हो जाता है। सोचिए अगर मैं आपको जागने के 30 मिनट के अंदर ही पकड़ लूं। आपको अच्छा नहीं लगेगा। तो ऐसा होता है। लेकिन मुझे लगता है कि यह हमारे काम का हिस्सा है। अब यह कल्चर स्थापित हो चुका है। मुंबई में पैपराजी का कल्चर बन चुका है। इसलिए, मैं हमेशा खुद से कहती हूं हमेशा तैयार रहो कि पैपराजी वहां होंगे। चाहे आप कहीं भी जा रहे हों।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनम बाजवा अगली बार रूपिंदर चहल द्वारा निर्देशित आगामी पंजाबी कॉमेडी-ड्रामा 'पिट सियापा' में नजर आएंगी। 1 मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म में सोनम बाजवा के साथ परमवीर सिंह चीमा भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। कहानी निम्मी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार सोनम निभा रही हैं।

हम दर्शकों को हल्के में लेते हैं उनकी पसंद बहुत अलग-अलग है

अनुभव सिन्हा की फिल्म 'अस्सी' सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर स्ट्रीम कर रही है। भारत में होने वाले दुष्कर्म जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित इस फिल्म को क्रिटिक्स से जमकर सराहना मिली थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म वो कमाई नहीं कर सकी, जिसकी मेकर्स को उम्मीद थी। अब हाल ही में निर्देशक अनुभव सिन्हा ने समीक्षकों द्वारा मिली फिल्म की सराहना पर बात की। साथ ही उन्होंने ये भी समझाया कि आखिर क्यों 'अस्सी' बॉक्स ऑफिस पर वैसी कमाई नहीं कर पाई। फिल्म को मिली प्रतिक्रियाओं से खुश हैं निर्देशक इंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान अनुभव सिन्हा ने 'अस्सी' को मिली पॉजिटिव प्रतिक्रियाओं के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि लोगों ने मैसेज, डीएम और रीलों के माध्यम से प्रशंसा की है। मैसेज भेजने का तरीका बदल गया है। जब तक लोग सकारात्मक बातें कह रहे हैं, मैं खुश हूं। फिल्म के उद्देश्य के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा से उम्मीद थी कि 'अस्सी' 'थप्पड़' की तरह चर्चाओं को जन्म देगी। यही कारण है कि मैं ये फिल्में बनाता हूं। हो सकता है मेरे पास सभी जवाब न हों, लेकिन समाज मुझसे कहीं ज्यादा जानता है। अगर लोग इन मुद्दों पर बात करेंगे, तो उन्हें सवाल और जवाब दोनों मिल जाएंगे। उद्देश्य तो उन्हें प्रभावित करना था, लेकिन इसने उन्हें मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा प्रभावित किया है। अब बाहर निकलने और सिनेमाघरों में जाने की आदत बदल गई

क्या दर्शक ऐसे गंभीर मुद्दों और विषयों के लिए तैयार हैं? इस सवाल पर अनुभव सिन्हा ने कहा कि हम अपने दर्शकों को हल्के में लेते हैं। उनकी पसंद बहुत अलग-अलग है। यह एक ऐसा देश है जहां प्रकाश मेहरा, मनमोहन देसाई, गोविंद निहलानी, श्याम बेनेगल और बसु चटर्जी जैसे फिल्म निर्माता एक ही समय में सफल हुए। यह भारतीय दर्शकों की विविधता को दिखाता है। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि बदलती आदतों का असर सिनेमाघरों में जाने पर पड़ा है। अब बाहर जाना कम हो गया है क्योंकि यह कम सुविधाजनक हो गया है। यह सिर्फ सिनेमा तक ही सीमित नहीं है; खरीदारी की आदतें भी बदल गई हैं। लोगों के पास अब घर पर ही आसान विकल्प मौजूद है।

12 लाख लोगों ने सिनेमाघरों में देखी 'अस्सी'

फिल्म के कलेक्शन के बारे में बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि सफलता सापेक्ष है। इस तरह की फिल्म के लिए व्यावसायिक सफलता बहुत महत्वपूर्ण है। ये फिल्में बनाना और देखना मुश्किल होता है, इसलिए स्वाभाविक रूप से आर्थिक रूप से इन्हें सफल बनाना भी कठिन होता है। लेकिन यह एक ऐसा चुनाव है जो आप करते हैं और आपको इसके साथ जीना पड़ता है। आप चांद के बारे में सोचते हैं, यह जानते हुए भी कि चांद मिलना संभव नहीं है। लेकिन 'अस्सी' उम्मीद से भी कम रही। यह भव्य तो नहीं बनी, लेकिन सिनेमाघरों में आने वाले दर्शकों की संख्या के लिहाज से भी यह उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। फिर भी 12 लाख से अधिक लोगों ने सिनेमाघरों में फिल्म देखी, जो बेहतर है।

कुछ प्रतिक्रियाओं ने प्रभावित किया फिल्म का कलेक्शन

फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर सफल न हो पाने के कारणों पर बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि कई समीक्षाएं, हालांकि सकारात्मक थीं, लेकिन उनमें 'परेशान करने वाली' या 'दिल दहला देने वाली' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। मुझे लगता है कि यही फिल्म के लिए बाधक साबित हुआ। दर्शकों की प्रतिक्रियाओं ने भी धारणा को प्रभावित किया। लोगों ने कहा, 'यह सबके लिए नहीं है' या 'अगर आप संवेदनशील हैं तो इसे न देखें'। एक तरह से इसने फिल्म के खिलाफ काम किया। हालांकि, फिल्म की प्रशंसा ने भी मदद की।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में लश्कर के आतंकी यूसुफ की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में लश्कर-ए-ताइबा सरगना हाफिज सईद के एक और करीबी आतंकी शेख यूसुफ अफरीदी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लांडी कोटल में अफरीदी की हत्या के बाद हमलावर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने अफरीदी पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। सूत्रों के अनुसार, यूसुफ अफरीदी लंबे समय से आतंकी गतिविधियों में लिप्त था। लश्कर में भी उसकी अहम भूमिका थी। अभी तक किसी संगठन ने हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है। सुरक्षा एजेंसियां इसे लक्षित हत्या के एंगल से भी देख रही हैं।

उत्तरी टेक्सास में आए बवंडर से दो लोगों की मौत, कई घर तबाह

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका के उत्तरी टेक्सास में शनिवार रात आए भीषण बवंडर ने भारी तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और कई घर पूरी तरह नष्ट हो गए। अधिकारियों के अनुसार, बवंडर की वजह से कम से कम 20 परिवार बेघर हो गए हैं। वाइज काउंटी के रनवे बे इलाके में 217 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाले 'एफई-2' बवंडर ने एक व्यक्ति की जान ले ली। यहां सड़कों पर मलबा जमा होने और बिजली के खंभे गिरने से राहत कार्य में दिक्कत आ रही है। वहीं, स्प्रिंगटाउन में एफई-1' बवंडर की चपेट में आने से दूसरे व्यक्ति की मौत हुई। इस इलाके में बड़े पैमाने पर बिजली गुल है। मौसम विभाग ने बताया कि यह तूफान विचिटा फॉल्स से शुरू होकर फोर्ट वर्थ के पश्चिम की ओर बढ़ा। एजल शहर के पास भी एक बेहद खतरनाक बवंडर देखा गया। फिलहाल राहत टीमें मलबे को हटाकर प्रभावित लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं।

इस्लामाबाद में एक ही परिवार के चार सदस्यों की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद के उपनगरीय इलाके में एक ही परिवार के चार सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतकों में एक महिला और एक किशोर भी शामिल हैं। यह घटना शनिवार को जांगी सैयदैन क्षेत्र में एक घर में हुई। पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय निवासियों ने सुबह गोली चलने की आवाजें सुनीं और तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तो घर की पहली मंजिल पर चार शव बरामद हुए। दो पीड़ित अलग-अलग बिस्तरों पर थे, जबकि एक शव फर्श पर पड़ा मिला। पुलिस अधिकारी के अनुसार, सभी पीड़ितों के सिर में गोली लगी थी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं के लिए अस्पताल में शिफ्ट कर दिया है। शुरुआती जांच में अधिकारियों को यह मामला 'ऑनर किलिंग' (सामूहिक हत्या) का लग रहा है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक हत्या के पीछे के कारणों का पता नहीं लगाया है और न ही किसी संदिग्ध की पहचान की है।

ईरान को डराने-धमकाने की कोशिश काम नहीं करेगी', अराघची के मॉस्को दौरे के बीच रूस का बड़ा बयान

मॉस्को, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची रूस दौरे पर मॉस्को पहुंच गए हैं। ईरान के विदेश मंत्री के दौरे के बीच ही रूस का एक बड़ा बयान सामने आया है। रूस ने कहा है कि ईरान को सैन्य ताकत का डर दिखाकर डराया-धमकाया नहीं जा सकता। वियना में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन में रूस के प्रतिनिधि मिखाइल उलयानोव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, सैन्य तैनाती की धमकी और प्रतिबंध कड़े करने की बात ब्लैकमेलिंग है, लेकिन ईरान पर ये चाल काम नहीं करेगी। रूसी राजनयिक ने कहा कि अमेरिका को समझौते के लिए अपने रुख को नरम करना चाहिए। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार को कहा कि उनका रूस दौरा, युद्ध के बाद समन्वय का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। अराघची ने ये टिप्पणियां सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए पर प्रसारित एक पूर्व-रिकॉर्डेड साक्षात्कार में कीं। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए एक अच्छा अवसर है कि हम युद्ध से जुड़े घटनाक्रम और वर्तमान स्थिति पर अपने रूसी मित्रों के साथ परामर्श करें।' अराघची ने कहा कि अमेरिका के रवैये के कारण इस्लामाबाद में प्रस्तावित वार्ता में देरी हुई। उन्होंने कहा, 'पिछली वार्ता में प्रगति होने के बावजूद, अपने लक्ष्यों को हासिल नहीं कर सकी और इसके लिए उन्होंने अमेरिका की बहुत ज्यादा मांगों को जिम्मेदार ठहराया इस बीच ईरान की संसद के सभापति मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि ईरान के पास भी कई अहम पत्ते हैं। गालिबाफ का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि उनके पास सारे पत्ते हैं, जिनसे वे ईरान पर दबाव बना सकते हैं। अब गालिबाफ ने कहा है कि तेल की सप्लाई और मांग जैसे कई अहम पत्ते हैं, जो ईरान के पास हैं। गौरतलब है कि ईरान और अमेरिका के बीच समझौते के लिए पर्दे के पीछे से बातचीत जारी है। रूस दौरे से पहले ईरानी विदेश मंत्री ने पाकिस्तान और ओमान का दौरा किया।

रिपोर्ट में दावा : भारत से नहीं जीत पाया तो खुन्नस में

अफगानिस्तान से भिड़ बैठा था पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी।

ऑपरेशन सिंदूर में हार का सामना करने के बाद पाकिस्तान ने जान बूझकर अफगानिस्तान को निशाना बनाया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान या टी.टी.पी ने ये आरोप लगाए हैं। टीटीपी के आरोप हैं कि पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने अपनी छवि सुधारने के लिए अफगानिस्तान के साथ तनाव बढ़ाया था। फरवरी में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच स्ट्राइक्स के बाद युद्ध जैसे हालात हो गए थे।

पाकिस्तान पर टीटीपी के आरोप

सीएनएन न्यूज18 के अनुसार, टीटीपी की मैगजीन मुजल्ला तालिबान के 11वें अंक में मुनीर पर कई आरोप लगाए हैं। इसमें कहा गया है कि मुनीर ने अफगानिस्तान को भारत की तुलना में एक आसान निशाना समझा। मई 2025 में भारत के साथ हुए टकराव में हार और दुनिया भर में भारत के बढ़ते समर्थन को देखते हुए उन्होंने यह रास्ता चुना। दावा किया जा रहा है कि ऐसा करने के पीछे उनका मकसद अपनी सैन्य कामयाबी दिखाना और अपने देश में अपनी पकड़ को और मजबूत करना था।

खुली जंग का किया था ऐलान

पाकिस्तान ने फरवरी में कहा था कि अफगानिस्तान के खिलाफ 'खुली जंग' जारी है। पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन गजब-लिल-हक' के तहत अफगानिस्तान में कई स्थानों पर हमले शुरू करने के कुछ घंटों बाद उनकी यह टिप्पणी आई थी। पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि सीमा पार से 'बिना उकसावे के गोलीबारी' के जवाब में पाकिस्तानी सेना ने ये हमले किए थे। दोनों देशों के बीच 2,611 किलोमीटर लंबी सीमा को 'डूरंड रेखा' कहा जाता है, जिसे अफगानिस्तान औपचारिक रूप से मान्यता नहीं देता।

अमेरिका से भी जोड़े तार

रिपोर्ट के मुताबिक, टीटीपी ने पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व पर अमेरिका के साथ मिलीभगत की अपनी पुरानी आदत जारी रखने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि फरवरी 2026 में अफगान शहरों में किए गए हवाई हमले उग्रवाद को खत्म करने के लिए नहीं, बल्कि अमेरिका को खुश करने और उसकी चिंताओं को दूर करने के लिए किए गए थे।

ऑपरेशन सिंदूर

बीते साल अप्रैल में आतंकवादियों ने जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में 26 सैलानियों की गोलीबारी कर हत्या कर दी थी। इसके जवाब में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सिंधु जल संधि रोकने समेत कई फैसले लिए थे। वहीं, 7 मई को भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर का आगाज किया था। इसके तहत पाकिस्तानी सीमा क्षेत्र में प्रवेश कर आतंकवादियों के ठिकाने तबाह किए गए थे।

पहलगाम की बरसी पर भारतीय सेना ने एक बार फिर पोस्टर जारी कर चेतावनी दी थी। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी कह चुके हैं कि अभी ऑपरेशन सिंदूर जारी है।

जापान में 6.2 तीव्रता का भूकंप, पीएम ताकाइची ने लोगों को अलर्ट रहने की दी चेतावनी

टोक्यो, एजेंसी। सोमवार सुबह उत्तरी जापान के एक हिस्से में 6.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस हुए। हालांकि, किसी नुकसान या किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने लोगों को अलर्ट रहने की चेतावनी दी है। जापान टुडे के अनुसार, जापान मौसम एजेंसी ने सुनामी की कोई एडवाइजरी जारी नहीं की। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप जापान के सबसे उत्तरी मुख्य द्वीप होक्काइडो के छोटे से शहर साराबेत्सु से 18 किलोमीटर पश्चिम में 81 किलोमीटर की गहराई पर आया। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 6.1 मापी गई। वहीं पीएम ताकाइची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज सुबह करीब 5:24 बजे, होक्काइडो के टोकाची इलाके के दक्षिणी हिस्से में भूकंप का केंद्र था और होक्काइडो के उराहोरो टाउन में जापानी सीस्मिक स्केल पर सबसे ज्यादा 5-कम इंटेंसिटी का तेज झटका महसूस किया गया। सुनामी की कोई चिंता नहीं है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'सरकार के तौर पर, भूकंप के तुरंत बाद, हमने 'प्राइम मिनिस्टर ऑफिस क्राइसिस मैनेजमेंट सेंटर' और 'प्राइम मिनिस्टर ऑफिस कम्युनिकेशन रूम' बनाया और मेरे निर्देशों के आधार पर, हम नुकसान की स्थिति को समझने और जनता को सही जानकारी देने जैसे रिस्पॉन्स के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। जिन इलाकों में झटके तेज थे, हम उनसे अपील करते हैं कि आप इसी तरह की तीव्रता वाले भूकंप की संभावना के लिए अलर्ट रहें। जापान की मॉनिटरिंग एजेंसी के अधिकारी ने चेतावनी दी कि जिन इलाकों में तेज झटके महसूस हुए, वहां चट्टानें गिरने और भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है।

ताइवान के पास चीन की सैन्य गतिविधि तेज

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को जानकारी दी कि उसके आसपास चीन की सैन्य गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई है। मंत्रालय के अनुसार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक चीन के 7 सैन्य विमानों की उड़ानें और 9 नौसैनिक जहाज ताइवान के आसपास सक्रिय पाए गए। इनमें से 7 में से 6 विमान ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र) में प्रवेश कर चुके थे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि देश की सशस्त्र सेनाएं स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं और आवश्यक जवाबी कार्रवाई की जा रही है।इससे पहले रविवार को भी इसी तरह की गतिविधि दर्ज की गई थी, जब चीन के 28 सैन्य विमान और 8 नौसैनिक जहाज ताइवान के आसपास देखे गए थे। इनमें से 18 विमान ताइवान के उत्तरी, मध्य और दक्षिण-पश्चिमी ्रष्ठढ्ढं में प्रवेश कर चुके थे। ताइवान लगातार चीन की इन बढ़ती सैन्य गतिविधियों पर निगरानी रख रहा है और सुरक्षा स्थिति को लेकर सतर्क बना हुआ है।

विद्रोहियों के हमले में माली के रक्षा मंत्री की मौत

माली , एजेंसी। माली के रक्षा मंत्री जनरल सादियो कमारा की शनिवार को एक हमले में मौत हो गई। सैन्य अधिकारियों और अन्य सूत्रों ने रविवार को इस खबर की जानकारी दी। विद्रोहियों ने उनके घर को निशाना बनाकर यह हमला किया था। हालांकि, माली की सरकार ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। इस हमले के दौरान जिहादियों और विद्रोही गुटों ने देश के कई शहरों और सैन्य ठिकानों पर कब्जा कर लिया।

मामले में अलगाववादी लड़ाकों और इस्लामी चरमपंथियों ने मिलकर राजधानी और अन्य शहरों में सेना पर बड़ा हमला बोला। इस हिंसा में कम से कम 16 लोग घायल हुए हैं। माली में अलगाववादी गुट पिछले कई वर्षों से उत्तरी हिस्से में एक स्वतंत्र देश बनाने की मांग कर रहे हैं।

मध्यस्थ को एक तरफ नहीं झुकना चाहिए'

ईरान ने पाकिस्तान की मध्यस्थता पर उठाए सवाल

तेहरान , एजेंसी। ईरान और अमेरिका के मध्य तनाव कम करने के उद्देश्य से पाकिस्तान की मध्यस्थता में युद्धविराम (सीजफायर) को लेकर वार्ता धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। इस दीर्घकालिक गतिरोध को समाप्त करने के लिए पाकिस्तान ने स्वयं को एक मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत किया है। पाकिस्तान इस राजनयिक पहल के माध्यम से न केवल अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि को सुधारने का प्रयास कर रहा है, बल्कि उसे इस प्रक्रिया के बदले आर्थिक सहायता मिलने की भी प्रबल संभावना है। हालांकि, इन प्रयासों के बीच ईरान के भीतर पाकिस्तान की भूमिका को लेकर विश्वसनीयता का संकट स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

ईरान के सांसद और 'राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति आयोग' के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने भी पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए उसकी निष्पक्षता पर संदेह व्यक्त किया है। रेजाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पाकिस्तान हमारा अच्छा दोस्त और पड़ोसी है, लेकिन वह बातचीत के लिए सही मध्यस्थ नहीं है और उसमें मध्यस्थता के लिए जरूरी विश्वसनीयता नहीं है। वे हमेशा ट्रंप के फायदों का ध्यान रखते हैं और अमेरिकियों की मर्जी के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहते।'

ईरानी नेता ने आगे कहा, 'उदाहरण के लिए, वे दुनिया को यह बताने को तैयार नहीं हैं कि अमेरिका ने पहले पाकिस्तान का प्रस्ताव मान लिया था लेकिन फिर अपनी बात से मुकर गया। वे यह नहीं कहते कि लेबनान या ब्लॉक किए गए एसेट्स के मुद्दे पर अमेरिकियों ने कमिटमेंट किए थे लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया। एक मीडिएटर को बिना किसी भेदभाव के होना चाहिए, हमेशा एक तरफ नहीं झुकना चाहिए।' पाकिस्तान का झुकाव इस स्थिति में अमेरिकी की तरफ साफ जाहिर है। इसका ताजा उदाहरण तब देखने को मिला, जब दोनों देशों के बीच दो हफ्ते के लिए सीजफायर की घोषणा की गई थी।

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के एक्स हैंडल पर जो पोस्ट किया गया, उसमें लिखा था, 'ड्राफ्ट- एक्स पर पाकिस्तान के पीएम का मैसेज।' हालांकि इस पोस्ट को एडिट कर दिया गया था, लेकिन एडिटेड हिस्ट्री से इसका खुलासा हो गया। इससे एक बात साफ हो गई थी कि पाकिस्तान के पीएम के एक्स हैंडल पर जो भी पोस्ट किया गया, उसमें शब्द किसी और के थे, बस आवाज पाकिस्तानी पीएम की थी। इस पोस्ट के बाद ये अटकलें और तेज हो गई कि पाकिस्तान अमेरिका के इशारे पर मध्यस्थता का काम कर रहा है।

उत्तर कोरिया युद्ध स्मारक: जंग में हताहत सैनिकों को श्रद्धांजलि देकर बोले किम जोंग- रूस से गठबंधन मजबूत होगा

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए अपने सैनिकों की याद में एक बड़ा स्मारक और सैन्य संग्रहालय खोल दिया है। यह आयोजन प्योंगयांग में किया गया, जिसमें उत्तर कोरिया के शीर्ष नेता किम जोंग उन ने भी हिस्सा लिया। सरकारी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह स्मारक रूस के कुर्स्क क्षेत्र को यूक्रेन से मुक्त कराने की पहली वर्षगांठ पर खोला गया।

रूस के साथ सैन्य सहयोग को बताया रणनीतिक साझेदारी : इस मौके पर किम जोंग उन ने कहा कि उत्तर कोरिया और रूस का संबंध अब खून से जुड़ा हुआ है और इसे एक मजबूत रणनीतिक गठबंधन में बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक हालात में दोनों देशों को एक मजबूत और एकजुट शक्ति के रूप में आगे बढ़ना होगा, ताकि किसी भी संकट का सामना किया जा सके।

युद्ध में उत्तर कोरिया की भूमिका : रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 से उत्तर कोरिया ने रूस को लगभग 15,000 सैनिक और सैन्य हथियार भेजे हैं। यह सैनिक रूस-यूक्रेन युद्ध में सहायता के लिए तैनात किए गए थे। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी का दावा है कि इस युद्ध में अब तक लगभग 6,000 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं।

रूस-उत्तर कोरिया रिश्ते और मजबूत : इस कार्यक्रम में रूस के कई वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए, जिनमें रक्षा मंत्री और संसद अध्यक्ष प्रमुख थे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संदेश भेजकर कहा कि यह स्मारक दोनों देशों की दोस्ती का प्रतीक है और आने वाले समय में यह संबंध और मजबूत होंगे। किम जोंग उन और रूसी रक्षा मंत्री के बीच हुई बैठक में सैन्य सहयोग, राजनीतिक साझेदारी और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने संकेत दिया है कि आने वाले वर्षों में सैन्य सहयोग और भी गहरा हो सकता है।

हज 2026 : भारतीय राजदूत ने मक्का का दौरा किया, हाई-स्पीड ट्रेन और डिजिटल सेवाएं शुरू

रियाद, एजेंसी। भारत के सऊदी अरब में राजदूत सुहेल खान ने रविवार को मक्का का दौरा किया और भारतीय हज यात्रियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मदीना से ट्रेन के जरिए मक्का पहुंचे भारतीय तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे का भी स्वागत किया। इस दौरान जेद्दा में भारत के कॉन्सुल जनरल फहद सूरी और कॉन्सुल हज सदफ चौधरी भी मौजूद थे, यह जानकारी सऊदी अरब में भारतीय दूतावास ने सोशल मीड?िया 'एक?स' अकाउंट पर दी। दूतावास ने बताया कि इस साल बड़ी संख्या में भारतीय यात्री मक्का और मदीना के बीच सफर के लिए हरमैन हाई-स्पीड रेलवे का इस्तेमाल करेंगे। इसके अलावा इसका उपयोग जेद्दा और मक्का के बीच यात्रा के लिए भी किया जाएगा। इससे यात्रियों का सफर काफी तेज, सुरक्षित और आरामदायक हो जाएगा।

18 अप्रैल को हज 2026 के पहले जत्थे के यात्री दिल्ली एयरपोर्ट से सऊदी अरब के मक्का के लिए रवाना हुए थे। उस समय दिल्ली हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां भी एयरपोर्ट पर मौजूद थीं।

हज के लिए कई सुविधाएं शुरू की गई हैं। इनमें 'हज सुविधा ऐप' के जरिए डिजिटल सेवाएं बढ़ाना और 'हज सुविधा स्मार्ट बैंड' शामिल है, जिससे यात्रियों को ढूंढने और मदद करने में आसानी होगी।

इस बार लगभग 20 दिन का छोटा हज विकल्प भी शुरू किया गया है, ताकि लोगों को ज्यादा सुविधा मिल सके। सरकार ने हर यात्री के लिए बीमा कवर भी बढ़ाकर लगभग 6.25 लाख रुपए कर दिया है, जिससे यात्रा के दौरान आर्थिक और स्वास्थ्य सुरक्षा मजबूत होगी।

करीब 60,000 यात्रियों को मक्का और मदीना के बीच हाई-स्पीड ट्रेन से यात्रा करने की सुविधा मिलेगी, जिससे उनका सफर तेज और आरामदायक होगा। इसके अलावा यात्रियों की रियल-टाइम निगरानी, शिकायत निवारण सिस्टम, बेहतर मेडिकल जांच और स्वास्थ्य सुविधाएं और सऊदी अरब में ठहरने और परिवहन की बेहतर व्यवस्था भी की गई है। मक्का में होटल जैसी रहने की सुविधा भी दी जा रही है।

इस्राइल के पूर्व पीएम नेफ्ताली बेनेट और येर लैपिड की पार्टियों का विलय, नेतन्याहू की बढ़ेंगी मुश्किलें

यरूशलम , एजेंसी। यरूशलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने शनिवार को अपनी-अपनी पार्टियों येस एटिड और बेनेट 2026 के विलय का एलान किया। इस्राइल में आगामी अक्तूबर तक आम चुनाव होने हैं। ऐसे में न्यू टुगेदर के बैनर तले ही दोनों पार्टियों के नेता चुनाव लड़ेंगे। इस विलय से विपक्षी गुट को मजबूती मिलने की उम्मीद है और इससे इस्राइल के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव की उम्मीद की जा रही है।

पूर्व पीएम नेफ्ताली बेनेट ने इसे ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा, मैं अपने देश के लिए अब तक का सबसे देशभक्तिपूर्व और यहूदीवादी कदम उठा रहा हूं। उन्होंने कहा कि यह एकता विभाजन के युग का अंत है। येर लैपिड ने भी मतदाताओं से नई पार्टी का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश को नेफ्ताली बेनेट के पीछे एकजुट होना चाहिए। उन्होंने हंगरी का उदाहरण दिया, जहां एकजुट विपक्ष ने जीत हासिल की।

7 अक्तूबर के हमलों की उच्च स्तरीय जांच का एलान : नई पार्टी ने एलान कर दिया है कि वे सिर्फ यहूदी दलों के साथ गठबंधन करेंगे और अरब दलों के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। नई पार्टी ने साफ कर दिया है कि अगर वे सत्ता में आते हैं तो उनकी सरकार 7 अक्तूबर के हमलों की जांच के लिए आयोग गठित करेगी। साथ ही सार्वभौमिक सैन्य भर्ती कानून को लागू किया जाएगा। दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री के कार्यकाल को 8 साल तक किया जाएगा। बेनेट और लैपिड ने अपनी पार्टियों के विलय के मौके पर यशर पार्टी के नेता आइजेनकोट को भी गठबंधन में शामिल होने का न्योता दिया।

लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं': बराक ओबामा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में आयोजित प्रतिष्ठित व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई गोलीबारी की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस घटना पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है।

ओबामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने बयान में कहा कि अभी तक हमले के पीछे की मंशा स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम हिंसा को पूरी तरह अस्वीकार करें। उन्होंने इस दौरान अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों, खासकर सीक्रेट सर्विस के साहस और तत्परता की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि यह घटना उन अधिकारियों के बलिदान और कर्तव्यनिष्ठा की याद दिलाती है, जो हर दिन देश की सुरक्षा में जुटे रहते हैं। घायल एजेंट के जल्द स्वस्थ होने की भी उन्होंने कामना की।

व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष वेइजिया जियांग ने इस घटना को डरावना पल बताया और सुरक्षा एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी सूझबूझ से हजारों लोगों की जान बचाई जा सकी। अमेरिकी कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच के अनुसार, हमलावर ने कुछ गोलियां चलाईं, लेकिन वह सुरक्षा घेरे को पार नहीं कर सका और तुरंत काबू में कर लिया गया। पुलिस ने 31 वर्षीय आरोपी कोल टोमस एलन को हिरासत में ले लिया है, जिसने कथित तौर पर सुरक्षा चेकपॉइंट को पार करने की कोशिश की थी। घटना के बाद पूरे परिसर को तुरंत लॉकडाउन कर दिया गया और मेहमानों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता से टली बड़ी घटना

यह घटना उस समय हुई जब कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई बड़े अधिकारी मौजूद थे। राहत की बात यह रही कि सभी प्रमुख हस्तियां सुरक्षित हैं। हालांकि, घटना के दौरान एक सीक्रेट सर्विस अधिकारी घायल हो गया, जो हमलावर को रोकने की कार्रवाई में शामिल था।

शिकागो के अस्पताल में अंधाधुंध गोलीबारी से मचा हड़कंप, दो पुलिसकर्मी घायल

शिकागो , एजेंसी। अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा मामला शिकागो के एक अस्पताल में हुआ है। यहां गोलीबारी के बाद पूरे अस्पताल कैंपस को लॉकडाउन कर दिया गया है। एंडेवर हेल्थ स्वीडिश अस्पताल प्रशासन ने शनिवार को जानकारी दी कि स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद सभी मरीज और कर्मचारी सुरक्षित हैं। प्रशासन ने यह भी बताया कि दोपहर तक अस्पताल में किसी भी तरह का सक्रिय खतरा नहीं था।

यह गोलीबारी सुबह करीब 11 बजे हुई। स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक, इस घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। शिकागो पुलिस विभाग ने इस मामले में और जानकारी देने के लिए किए गए कई अनुरोधों का फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अस्पताल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/vz, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.